धनबाद
मंगलवार 10.03.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-17 पृष्ठ- 12
चैत्र कृष्ण पक्ष-7
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा

विपक्ष ने मिडिल ईस्ट के हालातों पर की चर्चा की मांग, सरकार ने ठुकराई विपक्ष की मांग

नई दिल्ली (ईएमएस): बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हुआ। दूसरे चरण के पहले दिन ईरान में जारी जंग को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बयान दिया। पश्चिम एशिया में तनाव पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी दलों ने सोमवार को संसद में हंगामा किया। इस वजह से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने राज्यसभा में कहा कि हम ऊर्जा जरूरतों को लेकर सतर्क हैं और खाड़ी देशों में रहने वाले हर एक भारतीय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री ने बातचीत और शांति को भारत का स्टैंड बताया और कहा कि ईरान के तीन जहाज हिंद महासागर में थे। हमने एक को ईरान के निवेदन पर शरण दी। उन्होंने यह भी कहा कि दूतावास भारतीय नागरिकों के संपर्क में है। वहीं, लोकसभा में भी ईरान जंग पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष ने मिडिल ईस्ट के हालातों पर चर्चा की मांग की। जिसे सरकार से ठुकरा दिया। सरकार ने कहा कि ईरान जंग पर संसद में चर्चा नहीं होगी। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। हंगामें के कारण संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही जल्द खत्म हुई।

संसद परिसर में जब मीडिया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से इसको लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जो हो रहा है, उससे हमारी अर्थव्यवस्था को जबरदस्त नुकसान हो रहा है। पीएम मोदी ने अमेरिका से डील साइन कर दी है, उसपर चर्चा करने से क्या समस्या है। यही हम मांग रहे हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि क्या पश्चिम एशिया का मामला जरूरी नहीं है? ईंधन के दाम, आर्थिक तबाही क्या ये जरूरी मसले नहीं हैं? ये भी जनता के मुद्दे हैं, इन्हें हम जरूरी मानते हैं और इनपर हम चर्चा चाहते हैं। इसके बाद स्पीकर पर जो मोशन है, उसपर चर्चा करेंगे, कोई प्रॉब्लम नहीं है लेकिन वो चर्चा नहीं करना चाहते हैं क्योंकि इससे पीएम नरेंद्र मोदी की पोजिशन निकलेगी। राहुल गांधी ने आगे कहा कि पीएम ने कॉम्प्रोमाइज किया है। उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। चर्चा होने पर वह सवाल उठेगा। वो इस पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं।

उन्होंने मीडिया से कहा कि आपने देखा पीएम भाग गए, आप देख लेना वो संसद में अंदर नहीं आ पाएंगे। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह ११ बजे तक स्थगित किया गया। वहीं, विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट ▶▶ 8

कोलकाता पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त को दिखाए गए काले झंडे, मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने पहुंची निर्वाचन आयोग की फुल बेंच को सोमवार सुबह भारी विरोध का सामना करना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गृह क्षेत्र कालीघाट स्थित प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे। उनके मंदिर पहुंचने से पहले ही वहां प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह एकत्र हो गया था। जैसे ही मुख्य चुनाव आयुक्त दर्शन करके मंदिर से बाहर निकले, प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाए और गो बैक (वापस जाओ) के नारे लगाने शुरू कर दिए।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का मुख्य आक्रोश मतदाता सूची में कथित धांधली को लेकर था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया की आड़ में मतदाता सूची से जानबूझकर कई वैध मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। उन्होंने आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जमकर नारेबाजी की। इस अचानक हुए विरोध प्रदर्शन और हंगामे के कारण मौके पर काफी तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, इस पूरी असहज स्थिति के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने संयम बनाए रखा। उन्होंने प्रदर्शन को लेकर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और शांतिपूर्वक वहां से रवाना हो गए। राज्य में चुनाव आयोग की टीम आज से ही प्रशासन और विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें शुरू करने वाली है। बैठकों के दौर से ठीक पहले कालीघाट जैसे संवेदनशील इलाके में हुए इस विरोध प्रदर्शन ने राज्य के सियासी पारे को और बढ़ा दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आयोग मतदाता सूची को लेकर उठ रहे इन सवालों का समाधान किस प्रकार करता है।

अध्यक्ष का पद एक तराजू की तरह जिसमें सत्ता और विपक्ष का पलड़ा बराबर होना चाहिए

स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत बोले

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि अध्यक्ष पद किसी पार्टी का नहीं होता। अध्यक्ष पद हमेशा निष्पक्ष होता है और संविधान द्वारा परिभाषित होता है। अध्यक्ष का पद एक तराजू की तरह है जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष का पलड़ा बराबर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या स्पीकर ने उन मूल्यों का पालन किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस सांसद भगत ने कहा कि हम जानते हैं लोकतंत्र में संख्या बल मायने रखता है। हालांकि इसके बावजूद हमें ये महसूस हो रहा है कि हमारे साथ नाइंसाफी हो रही है और पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है और हमारी आवाज दबाई जा रही है। जब सदन में राहुल गांधी बोलते हैं तो माइक बंद कर दिए जाते हैं तो हमारे पास इसके सिवाय कोई और विकल्प नहीं बचता है।

बता दें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और निर्णय होने तक सदन की कार्यवाही में शामिल न होने का फैसला किया था। विपक्षी दल लगातार आरोप लगा रहे हैं कि ओम बिरला सदन की कार्यवाही का संचालन निष्पक्ष तरीके ▶▶ 8

12 को होगी कैबिनेट की अहम बैठक

रांची (एजेंसी): झारखंड मंत्रिपरिषद की अगली बैठक १२ मार्च २०२६ (गुरुवार) को आयोजित की जाएगी। यह बैठक झारखंड मंत्रालय स्थित प्रोजेक्ट भवन के मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से जारी सूचना के अनुसार यह बैठक अपराह्न ५:०० बजे से शुरू होगी। हालांकि यदि उसी दिन विधानसभा की कार्यवाही निर्धारित समय से आगे बढ़ती है, तो कैबिनेट बैठक विधानसभा की बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद आयोजित की जाएगी। बताया गया है कि बैठक में राज्य सरकार से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और नीतिगत प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है।

सीएम हेमंत सोरेन को सरहुल कार्यक्रम के लिए आमंत्रण केंद्रीय सरना समिति प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड विधानसभा परिसर में केंद्रीय सरना समिति, कांके के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी सरहुल पूजा की ४७वीं वर्ष पूर्व संध्या के अवसर पर आयोजित होने वाले झारखंड स्तरीय नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

जानकारी के अनुसार यह सांस्कृतिक कार्यक्रम १९ मार्च २०२६ (गुरुवार) को कांके स्थित सरना मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और नागपुरी कला-संस्कृति को प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में प्रदेश भर से कलाकार और सांस्कृतिक दल हिस्सा लेंगे। सरहुल पर्व झारखंड की ▶▶ 8

मुख्यमंत्री दो दिवसीय दौरे पर कल असम जाएंगे

रांची (एजेंसी): असम विधानसभा चुनाव की तिथि जैसे जैसे नजदीक आती जा रही है। राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। असम में इस बार चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटी झामुमो भी अपना जनाधार बढ़ाने में लग गयी है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन १० मार्च को असम जाएंगे। वहां विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। १० मार्च की रात असम में ही बिताएंगे। मुख्यमंत्री ११ मार्च को रांची लौटेंगे। हेमंत सोरेन वहां दो कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सोनितपुर जिले में तेजपुर के पास आयोजित इफ्तार में शामिल होंगे। इसके अलावा विश्वनाथ जिले में झामुमो के पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में शामिल होंगे। ▶▶ 8

राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने तीन राज्यों में किए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली (ईएमएस): आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी है। पार्टी ने बिहार, हरियाणा और ओडिशा के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। पार्टी की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक बिहार के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के लिए गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सिंघवी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा ओडिशा में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय पर्यवेक्षक राज्यसभा चुनाव से जुड़े संगठनात्मक कार्यों की निगरानी करेंगे और राज्य इकाइयों के साथ समन्वय बनाकर उम्मीदवार चयन, रणनीति और चुनाव प्रबंधन की प्रक्रिया को सुचारु रूप से आगे बढ़ाएंगे।

बीजेपी नेतृत्व इन राज्यों में चुनावी समीकरणों को मजबूत करने और विधायकों के बीच समन्वय बनाए रखने पर विशेष ध्यान दे रहा है। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संचालित करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को दिया पॉलिसी बनाने का निर्देश

एसिड अटैक पीड़ितों को मिले नौकरी या गुजारा भत्ता

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने एसिड अटैक पीड़ितों के पुनर्वास को लेकर केंद्र और राज्यों को अहम निर्देश दिए हैं। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे तेजाब हमले के पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने के लिए स्पष्ट नीति तैयार करें। अगर किसी कारणवश उन्हें सरकारी रोजगार देना संभव नहीं है, तो उनके लिए जीवन निर्वाह भत्ता या गुजारा भत्ता देने की योजना बनाई जाए। यह निर्देश मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान दिए। पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी पूछा कि सरकारी विभागों और एजेंसियों में नौकरियों के माध्यम से एसिड अटैक पीड़ितों के पुनर्वास के लिए अब तक कोई ठोस योजना क्यों नहीं बनाई गई। अदालत ने सरकारों से इस संबंध में जवाब दाखिल करने को कहा है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि किसी राज्य को एसिड अटैक पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने में लॉजिस्टिक समस्याएं आती हैं, तो कम से कम उनके लिए निर्वाह भत्ता देने की नीति तो बनाई ही जा सकती है, ताकि पीड़ितों को आर्थिक सहारा मिल सके। मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता शाहीन मलिक ने अदालत से अनुरोध किया कि वह अपनी पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा के माध्यम से कराना चाहती है।

अदालत ने सिद्धार्थ लूथरा से इस मामले को निःशुल्क आधार पर लेने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। पीड़िता ने इस संवेदनशील मामले में समयबद्ध सुनवाई की भी मांग की। ▶▶ 8

कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बोकारो (ईएमएस): बोकारो व्यवहार न्यायालय को ई-मेल के माध्यम से साइनाइड बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल एहतियाती कदम उठाते हुए पूरे न्यायालय परिसर को खाली करा दिया और इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई। यह धमकी तड़के करीब ३:५४ बजे न्यायालय के रजिस्टार के आधिकारिक ई-मेल पर भेजी गई। मेल में दावा किया गया है कि न्यायालय परिसर में १४ साइनाइड बम लगाए गए हैं। साथ ही मेल में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और तमिलनाडु का भी उल्लेख किया गया है। इस ई-मेल में दोपहर १ बजे तक ▶▶ 8

अपने फायदें की राजनीति में बाकी सफल नहीं होगा विपक्ष : जेपी नड्डा

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन के दौरान विपक्ष द्वारा की गई नारेबाजी की निंदा कर कहा कि विपक्ष को बहस करने में नहीं बल्कि केवल अराजकता फैलाने में दिलचस्पी है। विपक्ष पर अपने फायदे के लिए राजनीति करने का आरोप लगाकर केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि वे इसमें कभी सफल नहीं होने वाले है। राज्यसभा में नड्डा ने कहा कि अत्यंत दुख के साथ मैं कह रहा हूं कि विपक्ष का व्यवहार बेहद गैरजिम्मेदाराना और निंदनीय है।

नड्डा ने कहा कि उन्हें विकसित भारत, देश की प्रगति में कोई रुचि नहीं है, उनकी रुचि केवल अपने फायदे की राजनीति में है, जिसमें वे कभी सफल नहीं होने वाले है। जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उभरते घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहे हैं और संबंधित मंत्रालय प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए समन्वय कर रहे हैं।

जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार ने क्षेत्रीय अस्थिरता को लेकर पहले ही अपनी आशंकाएं व्यक्त कर दी थीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने २० फरवरी को इसपर गहरी चिंता व्यक्त कर सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया था। हमारा मानना है कि तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का सहारा लेना चाहिए।

केंद्र संवैधानिक अदालतों में महिला जजों की नियुक्ति करने को लेकर मजबूत इरादा नहीं दिखाता

पूर्व सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस एन वी रमन्ना का बयान

नई दिल्ली (ईएमएस): पूर्व सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस एन वी रमन्ना ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित 'इंडियन विमेन इन लॉ' की पहली नेशनल कॉन्फ्रेंस में लैंगिक समानता पर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में संवैधानिक अदालतों में महिला जजों की नियुक्ति सुनिश्चित करने का मजबूत इरादा नहीं दिखता, जबकि ट्रायल कोर्ट स्तर पर महिला जजों का प्रतिनिधित्व लगभग ४० प्रतिशत तक पहुंच चुका है। रमन्ना ने बताया कि उनके कार्यकाल (अप्रैल २०२१-अगस्त २०२२) में तीन महिला

जस्टिस हिमा कोहली, बेला एम त्रिवेदी और बी वी नागरत्ना ने शपथ ली, जिसने इतिहास रचा। इसके बाद से सुप्रीम कोर्ट में किसी और महिला जज की नियुक्ति नहीं हुई। उन्होंने यह भी कहा कि जस्टिस बी वी नागरत्ना अगले साल २४ सितंबर को देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनेंगी और उनके बाद पी एस नरसिम्हा चीफ जस्टिस होंगे। रमन्ना ने उम्मीद जताई कि इनके कार्यकाल में सुप्रीम कोर्ट में कम से कम ७-८ महिला जजों की नियुक्ति हो सकेगी।

पूर्व सीजेआई ने स्पष्ट किया कि एक के बाद एक कानून मंत्रियों ने हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से महिला वकीलों और ज्यूडिशियल अफसरों के नामों की सिफारिश करने का अनुरोध किया, लेकिन सरकार ने इस दिशा में गंभीर कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि यह लापरवाही वाला रवैया ▶▶ 8

जवाद अहमद को मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (ईएमएस): साकेत कोर्ट ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी को मनी लांड्रिंग के आरोपों में २ हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने जमानत देने के दौरान कहा कि जवाद की पत्नी की तबीयत गंभीर है और मामले में चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है। कोर्ट ने यह जमानत सीमित अवधि के लिए दी है और अगले आदेश तक लागू रहेगी। जमानत की मांग करते हुए जवाद ने अदालत को बताया कि उनकी पत्नी चौथे चरण के मेटास्टैटिक ओवेरियन कैंसर से पीड़ित हैं और नई दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में कीमोथेरेपी करा रही हैं। अदालत ने इस गंभीर स्वास्थ्य कारण को देखते हुए उन्हें सीमित अवधि की जमानत दी।

अब सुप्रीम कोर्ट के जज ने उठा दिए कॉलेजियम सिस्टम पर सवाल, पता नहीं कहां होती है बैठक

सिस्टम को लेकर पहले भी कई बार शीर्ष न्यायपालिका पर सवाल उठे

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कॉलेजियम सिस्टम की कार्य प्रणाली पर यह कहकर सवाल उठा दिए हैं कि इसमें पारदर्शिता की बहुत कमी है। एक कार्यक्रम में जस्टिस दत्ता ने इस सिस्टम को लेकर अपनी चिंता जाहिर की।

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस दत्ता ने कॉलेजियम सिस्टम को लेकर जो कुछ भी भावनाएं जाहिर की हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर पोस्टिंग की सिफारिश करने वाले कॉलेजियम सिस्टम पर बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है। क्योंकि, अब खुद सुप्रीम कोर्ट के जज ने इस सिस्टम पर प्रश्न उठाए हैं, इस सिस्टम को लेकर पहले भी कई बार शीर्ष न्यायपालिका पर सवाल उठाए जाते रहे हैं। जस्टिस दत्ता के मुताबिक पारदर्शिता की इतनी कमी है कि अक्सर जजों को भी बहुत कम स्पष्टता होती है कि कॉलेजियम काम कैसे करता है और इसकी बैठकें कहां होती हैं। उन्होंने कहा, आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि न सिर्फ हम जानते हैं कि क्या हो रहा है...हम ये तक नहीं जानते कि कॉलेजियम बैठता कहां है।

सुप्रीम कोर्ट में आने से पहले बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके दत्ता ने कहा कि न्यायिक नियुक्तियां जेंडर की संख्या के बजाए मैरिट के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हाई कोर्ट के जजों के पद पर प्रमोशन की बात आती है, तब मैं नंबरों पर नहीं जाऊंगा। ऐसा नहीं कि ५० में से महिलाओं को २५ क्यों नहीं मिल सकते, ३० क्यों नहीं दिए जा सकते? यह जेंडर न्यूट्रलिटी है। हमें मैरिट पर जाना चाहिए। जस्टिस दत्ता का कहना है कि बेंच में प्रमोशन के लिए व्यक्ति की क्षमता, ईमानदारी और उसके स्वभाव को ध्यान में रखना चाहिए। उनके मुताबिक, मैं प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के खिलाफ हूं। अगर कोई जज बनने लायक है, उसे मौका मिलाना चाहिए।

कॉलेजियम सिस्टम क्या है

कॉलेजियम सिस्टम से ही हायर जुडिशरी में जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर होती है। ▶▶ 8

संपादकीय

ईरान-इजरायल में बढ़ती जंग चिंताजनक

इसमें कोई दोराय नहीं कि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद अब स्थिति और जटिल होती देखी जा रही है तथा दोनों पक्षों के बीच बढ़ती तल्खी के समांतर शांति की उम्मीद भी धुंधला रही है। मगर इस हालत में भी दुनिया के ज्यादातर देश यही चाहते हैं कि यह युद्ध रुके और विवाद का हल संवाद के सहारे ही निकाला जाए।

विडंबना यह है कि ईरान में परमाणु हथियारों का सवाल अमेरिका के लिए बड़ा है, लेकिन वह इस मसले पर बातचीत के जरिए हल निकालने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा। उल्टे इजराइल के साथ मिल कर उसने जिस स्तर का युद्ध छेड़ दिया है, वह परमाणु निरस्त्रीकरण में कैसे मददगार होगा, कहना कठिन है। खासतौर पर इस संदर्भ में ईरान ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी और उसने भी इजराइल तथा अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर व्यापक हमले किए हैं, उससे साफ लग रहा है कि शांति स्थापित करने को लेकर दोनों पक्षों के भीतर कोई खास सोच नहीं है। इसी वजह से दुनिया भर में इस बात को लेकर गहरी चिंता जाहिर की जा रही है कि कहीं युद्ध का दायरा फैल न जाए!

ऐसे में भारत ने जिस तरह सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव को कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने का आग्रह किया है, वह वक्त का तकाजा है। हालांकि भारत पारंपरिक रूप से शांति का पक्षधर रहा है और समस्या चाहे कितनी जटिल हो, उसका समाधान संवाद और कूटनीतिक पहल के जरिए ही निकालने का हामी है। इस क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति भारत के लिए चिंता का विषय है; सैन्य टकराव किसी विवाद का समाधान नहीं है। भारत ने इस युद्ध से प्रभावित

कई देशों से संपर्क कर शांति की वकालत की और अपने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंतोनियो गुतारेस ने भी इस युद्ध की निंदा की और दोनों पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की अपील की थी। अफसोस की बात है कि सभी तकाजों की अनदेखी कर युद्ध में शामिल देश व्यापक जनसंहार के हथियारों से हमला करते हुए इतना ध्यान रखना भी जरूरी नहीं समझते कि उन्होंने किसी स्कूल पर भी बम गिराया, जहां पढ़ने वाले कई मासूमों की जान चली गई।

सवाल है कि वह कौन-सी समस्या है, जिसका हल विनाश के हथियारों के जरिए निकलने की उम्मीद की जाती है। आखिर ऐसा क्यों है कि अक्सर युद्धों के लंबा खिंचने और भारी तबाही के बाद उसका समाधान संवाद की मेज पर ही निकलता देखा गया है? ज्यादातर युद्धों के मामले में यही सच है। फिर उनसे सबक लेकर तमाम असहमतियों या मतभेदों के बावजूद संवाद का सहारा लेकर विवाद का हल क्यों नहीं खोजा जाता? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आरोप रहा है कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है। मगर इस संबंध में जिनेवा में हुई बातचीत को आगे बढ़ाने और हल निकालने के बजाय युद्ध को ही आखिरी उपाय क्यों मान लिया गया? खासतौर पर तब, जब ईरान का रुख नरम पड़ रहा था और ऐसे संकेत भी सामने आए थे कि कोई समझौता होने की संभावना है।

जाहिर है, विवाद का हल निकालने की स्थितियां संवाद के जरिए ही बन रही थीं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि खुद में एक जटिल समस्या है। इसलिए हर हाल में विवाद का हल संवाद और कूटनीति के जरिए ही तलाशने की कोशिश की जानी चाहिए।

अदालतों में न्याय की धीमी रफ्तार पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

अगर किसी नागरिक को न्याय पाने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़े, तो आखिर उसका क्या महत्व रह जाता है! माना जाता है कि समय पर न्याय न मिलना अन्याय के समान होता है। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि देश में बड़ी संख्या में लोगों को इस तरह के संकट का सामना करना पड़ता है। न्याय में देरी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें लंबित मामलों का बोझ, न्यायाधीशों की कमी और जटिल न्यायिक प्रक्रिया भी शामिल है। मगर, जब अदालती कार्यवाही पूरी होने के बाद भी वर्षों तक न्याय के लिए प्रतीक्षा करनी पड़े, तो उसे किस रूप में देखा जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में ऐसे ही तीन आपराधिक मामले इलाहाबाद उच्च न्यायालय से अपने पास स्थानांतरित किए हैं। इन मामलों में उच्च न्यायालय ने छह वर्ष पहले फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिन पर अब तक निर्णय नहीं सुनाया गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्याय में हो रही असाधारण देरी से पीड़ित पक्ष के त्वरित न्याय के अधिकार पर सीधा असर पड़ रहा है। किसी भी नागरिक को न्यायपालिका पर पूरा भरोसा होता है कि उसे न्याय अवश्य मिलेगा। मगर न्याय में देरी पीड़ितों को न केवल आर्थिक, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से भी नुकसान पहुंचाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने फैसले में माना है कि समय पर न्याय न मिलना कानून के शासन के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यह सच है कि देश में लंबित मुकदमों का बोझ भी समय पर न्याय न मिलने का एक बड़ा कारण है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर 2025 तक देश भर की अदालतों में पांच करोड़ से अधिक मुकदमे लंबित हैं। माना जाता है कि न्यायाधीशों की कमी और लंबी एवं जटिल न्यायिक प्रक्रिया की वजह से भी मामलों की सुनवाई में देरी होती है। ऐसे में सरकार और न्यायपालिका को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मुकदमों की बढ़ती संख्या के लिहाज से न्यायाधीशों की कमी को दूर किया जाए, न्यायिक प्रक्रिया को सुलभ एवं सरल बनाया जाए और अदालती कार्यवाही पूरी होने पर न्याय में किसी तरह की देरी न हो, ताकि न्यायपालिका पर आम लोगों का भरोसा कायम रहे।

आज का कार्टून

भारत को समुद्र में फंसे रूसी तेल को खरीदने को अमेरिका ने दी अनुमति

विश्वगुरु जी को इशारों पर नाचने पर विश्व के सर्वोतम नचनिया का खिताब जरूर मिलेगा!

बिहार : नए मुख्यमंत्री के सामने नीतीश से अधिक करके दिखाने की चुनौती

माना जा रहा है कि नया मुख्यमंत्री भाजपा से होगा। यह मानने के पीछे ठोस वजह है कि भाजपा सबसे बड़ा दल है और इसलिए मुख्यमंत्री उसका होना चाहिए। मगर बिहार में मुख्यमंत्री का पद कांटों का ताज भी है। इसके साथ चुनौतियां भी हैं। वहां सिर्फ दलीय समीकरण ही मायने नहीं रखते, सामाजिक या कहें जातीय समीकरण भी साधने पड़ते हैं। नीतीश ने जातीय समीकरण बड़े सलीके से साधे थे और जो वर्ग या जाति उनके साथ नहीं थी, वह भाजपा के साथ थी। अल्पसंख्यकों का एक वर्ग भी उनके साथ था। सीमैट मजबूत था। लेकिन अब भाजपा के नेतृत्व में चीजें आने से समीकरणों की रिसैटिंग होगी ही। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती जो दिख रही है, वह है पिछड़ों के अलावा अति पिछड़े और दलितों को साधे रखना। यूं तो ये वर्ग या तो जद (यू) के साथ हैं या फिर भाजपा के साथ लेकिन भाजपा के नेतृत्व में आते ही इन समीकरणों को पुख्ता करना नए मुख्यमंत्री की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

अकु श्रीवास्तव

बिहार की राजनीति में सस्पेंस चरम पर है। राज्यसभा के लिए नामांकन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी 2 दशक से पुरानी मुख्यमंत्री की कुर्सी से मोह त्यागने का फैसला कर लिया है। यह बिहार में नीतीश युग के समापन का संकेतक है। 1 मार्च को ही नीतीश ने उम्र का 75 साल का पड़ाव पार किया।

भारतीय राजनीति में पिछले एक दशक से नेताओं के लिए 75वां वर्ष वानप्रस्थ के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। हालांकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश की राजनीति से अलग होने की इच्छा जताते समय अपनी उम्र का कोई उल्लेख नहीं किया, मगर उम्र का पड़ाव एक ऐसा सच है, जो किसी से छुपा भी नहीं है। वैसे भी नीतीश कुमार राज्यसभा में तो रहेंगे ही और उन्होंने अपने राज्यसभा जाने के फैसले में जो संदेश 'एक्स' पर जारी किया था, उसमें भी उल्लेख है कि उनकी सहयोगी की भूमिका बनी रहेगी। उधर भाजपा नेता और गृहमंत्री अमित शाह पिछले दिनों यह स्पष्ट कर चुके हैं कि पार्टी संविधान में ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। बिहार में विधानसभा चुनाव बीते अभी ठीक से 3 महीने से कुछ ज्यादा ही समय हुआ है। बिहार का विधानसभा चुनाव भाजपा-जद (यू) गठबंधन ने नीतीश के चेहरे पर ही जीता था। हालांकि चुनाव के दौरान कुछ लोग अटकलें लगा रहे थे कि बड़ी जीत के बाद भाजपा मुख्यमंत्री पद का दावा कर सकती थी लेकिन नीतीश के नेतृत्व में चुनाव जीता गया था, इसीलिए यह रिकार्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री भी बने।

नीतीश कुमार 2 दशक से ज्यादा समय से बिहार की राजनीति की धुरी माने जा रहे हैं। सीटें कम आईं, ज्यादा आईं, कुर्सी पर वही रहे (अपवादस्वरूप एक बार खुद उन्होंने ही जीतन राम मांझी को कुछ महीनों के लिए मुख्यमंत्री बनाया था)। इसी से उनकी यह छवि मजबूत हुई है कि वह बिहार के धुरी हैं। दलितों में महादलित बनाने के बड़े काम के अलावा कुर्मी-कुशवाहा पिछड़े और मछा पिछड़े का संतुलन बनाकर उन्होंने पिछड़ों का मसीहा बनने की कोशिश कर रहे लालू प्रसाद यादव और उनकी पार्टी को बिहार की राजनीति के उस कोने में बैठा दिया है, जो विपक्ष का कोना कहलाता है। नीतीश कुमार ने कभी मूल्यों की राजनीति से अपनी पहचान बनाई थी। अटल बिहारी वाजपेयी की राजग सरकार में उन्हें रेलमंत्री बनाया गया था, 1 अगस्त, 1999 को गैसल रेल हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। मार्च 2000 में वाजपेयी सरकार के समर्थन पर समता पार्टी के सदस्य के रूप में वह पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनका पहला कार्यकाल सिर्फ 7 दिन का था। सदन में बहुमत साबित करने से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद 2005 में उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर बहुमत से सरकार बनाई। उनका यही कार्यकाल बिहार और बिहार की राजनीति को बदलने वाला कहा जाता है।

मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने एक लाख से अधिक स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति की। कई गांवों में बिजली पहुंचाई, सड़कों का निर्माण किया, महिला निरक्षरता दर आधी कर दी, अपराध पर नकेल कसी, बिहार के लोगों की औसत आय भी तेजी से बढ़ी। अपने पहले पूर्ण कार्यकाल में उन्होंने कई बड़े काम किए। उन्होंने छात्राओं को साइकिल देने और स्कूल में भोजन कार्यक्रम शुरू किया।

इससे बड़ी संख्या में लड़कियों ने स्कूलों में दाखिला लेना शुरू किया और स्कूल छोड़ने की दर में भी कमी आई। 2010 के चुनाव में पहली बार बिहार में महिला और युवा मतदाताओं की उच्च भागीदारी देखने को भी मिली। यह नीतीश की बढ़ती लोकप्रियता का प्रतीक था। नीतीश कुमार को बिहार में सुशासन बाबू नाम मिला तो इसके पीछे उनके द्वारा किए गए कार्य ही थे। शराबबंदी ने महिलाओं के बीच उनकी लोकप्रियता को और बढ़ाया। नीतीश कुमार ने बिहार में जो किया है, उसके बाद अब उनकी जगह लेने वाले मुख्यमंत्री के लिए उससे आगे बढ़कर करने की चुनौती होगी। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, ढांचागत विकास और गरीबी अब भी बिहार की सबसे बड़ी समस्याएं हैं। झारखंड के अलग हो जाने के बाद बिहार पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है और कृषि आधारित व्यवस्था मौजूदा समय में लाभ का बड़ा सौदा नहीं है।

माना जा रहा है कि नया मुख्यमंत्री भाजपा से होगा। यह मानने के पीछे ठोस वजह है कि भाजपा सबसे बड़ा दल है और इसलिए मुख्यमंत्री उसका होना चाहिए। मगर बिहार में मुख्यमंत्री का पद कांटों का ताज भी है। इसके साथ चुनौतियां भी हैं।

वहां सिर्फ दलीय समीकरण ही मायने नहीं रखते, सामाजिक या कहें जातीय समीकरण भी साधने पड़ते हैं। नीतीश ने जातीय समीकरण बड़े सलीके से साधे थे और जो वर्ग या जाति उनके साथ नहीं थी, वह भाजपा के साथ थी। अल्पसंख्यकों का एक वर्ग भी उनके साथ था। सीमैट मजबूत था। लेकिन अब भाजपा के नेतृत्व में चीजें आने से समीकरणों की रिसैटिंग होगी ही। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती जो दिख रही है, वह है पिछड़ों के अलावा अति पिछड़े और दलितों को साधे रखना। यूं तो ये वर्ग या तो जद (यू) के साथ हैं या फिर भाजपा के साथ लेकिन भाजपा के नेतृत्व में आते ही इन समीकरणों को पुख्ता करना नए मुख्यमंत्री की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

बिहार की राजनीति के मद्देनजर यह तय है कि मुख्यमंत्री पिछड़े/अति पिछड़े वर्ग का ही होगा। लेकिन सबको साधना आसान काम नहीं होगा। यह जरूर है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद बहुत दिन बाद उसका मूल वोटर, जिसमें पिछड़ों का एक वर्ग और सवर्ण वोट है, उसकी बांछें खिल सकती हैं। लेकिन सबको लेकर चलना आसान नहीं होगा, खास तौर से जब जातीय हित भी टकराते हैं। वैसे नए मुख्यमंत्री के सामने शासन में कायाकल्प की चुनौती भी होगी, क्योंकि उसे कुछ नया कर दिखाना होगा, नीति के तौर पर भी और सामने दिखने के तौर पर भी। उम्मीद है कि नई सरकार कुछ नए रास्ते बनाने वाली होगी।

राज्यपाल पद पर फेरबदल कर दिये बड़े सियासी संकेत...

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर आरएन रवि की नियुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से वे चकित और चिंतित हैं। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार से इस बारे में पहले कोई परामर्श नही किया गया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित परंपरा के अनुरूप नही है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कुछ राजनीतिक हितों के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है।

नीरज कुमार दुबे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल तथा उपराज्यपालों की नई नियुक्तियों की घोषणा की। इस फैसले को व्यापक प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। इस बदलाव के तहत पश्चिम बंगाल, तमिल नाडु, महाराष्ट्र, तेलंगाना, नागालैंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और लद्दाख सहित कई स्थानों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सबसे प्रमुख बदलाव तमिल नाडु के राज्यपाल आरएन रवि के स्थानांतरण के रूप में सामने आया है। उन्हें अब पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह सीवी आनंद बोस का स्थान लेंगे, जिन्होंने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बोस पिछले साढ़े तीन वर्ष से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे और उन्होंने दिल्ली में राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंपा।तमिल नाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को वहां का नया राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले वह केरल में राज्यपाल के रूप में कार्यरत रहे थे। चुनावी माहौल को देखते हुए इस नियुक्ति को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली और लद्दाख में भी अहम बदलाव हुए हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना

को अब लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। संधू लंबे समय तक कूटनीतिक सेवा में रहे हैं और विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी राज्यपाल बदले गए हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को अब तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं तेलंगाना के राज्यपाल रहे जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। नागालैंड के नए राज्यपाल के रूप में बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को जिम्मेदारी दी गई है। बिहार में भी नई नियुक्ति की गई है। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। सेना में लंबे अनुभव वाले हसनैन सुरक्षा और रणनीति के मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान की जगह ली है।

इस फेरबदल में हिमाचल प्रदेश के लिए भी नई नियुक्ति की गई है। लद्दाख के उपराज्यपाल रहे कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। कविंदर गुप्ता ने गुरुवार को लद्दाख के उपराज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल हालांकि काफी चर्चा में रहा। हम आपको याद दिला दें कि कविंदर गुप्ता को जुलाई 2025 में लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह शहर में हिंसक घटना हुई थी। उस दिन क्षेत्र को संवैधानिक सुरक्षा देने की मांग को लेकर चल रहा प्रदर्शन हिंसक हो गया था। हालात बिगड़ने पर पुलिस की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें करगिल युद्ध का एक पूर्व सैनिक भी शामिल था। इस घटना ने देश भर में व्यापक चर्चा को जन्म दिया था।

तमिल नाडु में आर एन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सरकार के बीच संबंध भी काफी तनावपूर्ण रहे। सत्तारुढ़ डीएमके ने कई बार आरोप लगाया कि राज्यपाल निर्वाचित सरकार के समानांतर राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल रवि ने कई विधेयकों को मंजूरी देने में देर की थी। इसके बाद अप्रैल 2025 में उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और दस विधेयकों को प्रभावी रूप से स्वीकृत मान लिया गया।

राज्यपाल रवि कई बार विधानसभा में सरकार के तैयार भाषण को पढ़े बिना ही बाहर चले गए या फिर अपने विचारों के अनुसार भाषण में बदलाव किया। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि निर्णय उन पर होता तो वे नीट से छूट देने वाले विधेयक को कभी मंजूरी नहीं देते। इन घटनाओं के कारण राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रही।

आरएन रवि का प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। वह भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं और खुफिया ब्यूरो में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2014 से 2021 के बीच वे नागा शांति वार्ता के लिए केंद्र सरकार के वार्ताकार भी रहे थे। उधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर आरएन रवि की नियुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से वे चकित और चिंतित हैं। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि राज्य सरकार से इस बारे में पहले कोई परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित परंपरा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कुछ राजनीतिक हितों के कारण यह कदम उठाया गया हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो यह संविधान की भावना और देश की संघीय संरचना के लिए चिंताजनक स्थिति होगी। बहरहाल, मोदी सरकार जल्द ही अपने तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे करने वाली है। ऐसे में माना जा रहा है कि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों और बदलावों का दौर शुरू हो चुका है। देखना होगा कि आने वाले समय में मोदी मंत्रिमंडल में क्या फेरबदल होते हैं या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर क्या बदलाव देखने को मिलते हैं।

डीआईजी ने पुलिस मुठभेड़ समेत बंगाल चुनाव, रामनवमी व ईद को लेकर दिया दिशा निर्देश

धनबाद (कासं) : बोकारो (कोयला प्रक्षेत्र) रेंज के डीआईजी आनंद प्रकाश धनबाद और तेज करने का निर्देश भी दिया, ताकि शहर में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बनी रहे।

समाहरणालय स्थित एसएसपी कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने बीते शाम गैंगस्टर प्रिंस खान के शूटर के साथ हुए पुलिस मुठभेड़ मामले में जानकारी प्राप्त कर इसपर विस्तृत समीक्षात्मक बैठक की। इस दौरान डीआईजी ने पूरे घटनाक्रम पर एसएसपी को आवश्यक दिशानिर्देश भी दिया।

बैठक में मुठभेड़ के बाद की स्थिति, फरार अपराधी की तलाश, तथा गैंग से जुड़े अन्य लोगों पर सख्त कार्रवाई को लेकर भी चर्चा की गई। डीआईजी ने अपराधियों के खिलाफ अभियान तेज करने का निर्देश भी दिया, ताकि शहर में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बनी रहे।

वहीं, बैठक में आगामी बंगाल विधानसभा चुनाव, ईद और रामनवमी को लेकर भी डीआईजी ने जिले के पुलिस अधिकारियों जरूरी दिशा निर्देश दिया। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, तथा चुनाव के दौरान सीमावर्ती इलाकों में विशेष चौकसी रखने पर जोर दिया गया।

डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरत के मुताबिक पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए, सीमावर्ती इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जाए, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। बैठक में एसएसपी प्रभात कुमार सहित ग्रामीण एसपी, डीएसपी विधिव्यवस्था, डीएसपी हेडक्वार्टर१, बैंकमोड़ थाना प्रभारी समेत कई अन्य पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रिंस खान गिरोह पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, फरार अपराधकर्मी गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रिंस खान गिरोह से जुड़े एक अपराधकर्मी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। विगत रात्रि की गई इस कार्रवाई में गोविंदपुर थाना कांड संख्या ८९/२०२६ के नामजद अभियुक्त दिलीप सिंह को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को अग्रतर कार्रवाई के लिए न्यायालय मनीष कुमार मिश्रा, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, धनबाद के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध गोविंदपुर थाना में गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इस कांड में भारतीय न्याय संहिता की धारा १११(२)(बी), १११(३), १११(४), १०९, १३२, १३३, ३०८(३), ६१(२) के अलावा ३/४ एक्सप्लोसिव एक्ट तथा २५(१बी) ए, २६/२७/३५ आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। इन धाराओं के तहत संगठित अपराध, आपराधिक षड्यंत्र, हथियार और विस्फोटक पदार्थ से जुड़े गंभीर आरोप शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिलीप सिंह (५०), पिता नारायण सिंह, निवासी बारामुड़ी, लिटिल फ्लावर स्कूल के समीप, थाना भूली ओपी (बैंक मोड़), जिला धनबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रिंस खान गिरोह से जुड़ा हुआ है और उक्त कांड में उसकी सक्रिय संलिप्तता पाई गई है।

पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ भी की गई, जिसके आधार पर मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। धनबाद पुलिस का कहना है कि जिले में संगठित अपराध और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। फिलहाल आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

धार्मिक बनना है तो भगवान के प्रति विश्वास होना चाहिए : सुरेंद्र हरिदास

गोविंदपुर (सस) : कुम्हारडीह रोड गोविंदपुर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन प्रवचन करते हुए कथा व्यास सुरेंद्र हरिदास जी महाराज ने कहा कि आज मातापिता स्वयं शास्त्रों के विरुद्ध आचरण करते हैं, लेकिन अपेक्षा करते हैं कि उनकी संतान धर्मपरायण, संस्कारी और सफल बने। जैसे शास्त्रों में कहा गया है कि बाढ़े पुत पिता के धर्मे, खेती उपजे अपने कर्मे। अर्थात जैसे खेती अपने परिश्रम से लहलहाती है, वैसे ही संतान अपने माता-पिता के धर्म और कर्मों से आगे बढ़ती है।

मातापिता स्वयं मदिरापान, मांसाहार और अशोभनीय व्यवहार में लिप्त रहते हैं, परंतु चाहते हैं कि उनका पुत्र या पुत्री आदर्श, धर्मात्मा और सफल बने। जब तक जीवन में धर्म अर्थात सदाचार और कर्तव्य बोध को स्थान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल भौतिक समृद्धि परिवार को एक नहीं रख सकती। आवश्यकता है घर में पुनः संस्कारों का दीप जलाया जाए। जब धर्म जीवन का आधार बनेगा, तब ही परिवारों में प्रेम, एकता और स्थायी सुख का वातावरण स्थापित होगा। श्री हरिदास ने कहा कि धार्मिक बनना है तो भगवान के प्रति अटूट विश्वास होना चाहिए। विश्वास ही भक्ति की नींव है, क्योंकि बिना विश्वास के की गई भक्ति केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाती है। जब भगवान पर ही भरोसा न हो तो पूजा, पाठ और साधना का कोई वास्तविक अर्थ नहीं रह जाता। हमें निरंतर नाम जाप करना चाहिए, क्योंकि नाम जाप में अद्भुत शक्ति समाहित है।

कथा व्यास ने कहा कि जहां नाम जाप होता है, वहां नकारात्मकता ठहर नहीं पाती और भीतर छिपी दिव्य शक्ति जागृत हो जाती है। श्रीमद्भागवत कथा को श्रद्धा और भाव से ग्रहण करना चाहिए। श्रीमद्भागवत कथा से हृदय में भक्ति का संचार होता है। यह कथा आत्मा में उतारने की साधना है।

इस दिव्य रस को प्राप्त करें और अपने जीवन को भक्तिरस से परिपूर्ण करें। कथा सुनने दूरदराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए थे। कथा को सफल बनाने में विमल चन्द्र दे पट्टा दे, संजय अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, प्रदीप बंसल, कांता बंसल, सचिन दे, सुमित अग्रवाल, अजय कुमार दास आदि समेत समस्त नगरवासी सहयोग कर रहे हैं।

भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

धनबाद (कासं) : राजधानी रांची स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बाबूलाल मरांण्डी ने की, जबकि इसमें प्रदेश महामंत्री (संगठन) कर्मवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से आए भाजपा विधायक शामिल हुए, जिनमें रागिनी सिंह भी मौजूद रहीं। इस दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, राज्यहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों तथा आम जनता से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा और विचारविमर्श किया गया। बैठक में आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों की रणनीति पर भी मंथन किया गया। साथ ही जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से सदन और सरकार के समक्ष उठाने को लेकर भी विधायकों के बीच विचार साझा किए गए। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि भाजपा हमेशा जनता की आवाज़ को प्राथमिकता देती है और संगठन की मजबूती के साथ जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा विधायक दल लगातार सक्रिय और प्रतिबद्ध है।

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कार्यशाला आयोजित

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए जिले के सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक, दिव्यांग बच्चों के अभिभावक एवं शैक्षिक प्रशंसकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस क्रम में गोविंदपुर एवं झरिया प्रखंड के शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यशाला प्रबंध संसाधन केंद्र गोविंदपुर (राजकीय बुनियादी विद्यालय गोविंदपुर) के सभागार एवं झरिया एकेडमी हाई स्कूल झरिया के सभागार में आयोजन किया गया।

इसमें प्रशिक्षक के रूप में रूपा चक्रवर्ती, रिसोर्स शिक्षक गोविंदपुर एवं मोहम्मद मुस्तफा अंसारी, फिजियोथैरेपिस्ट गोविंदपुर ने मुख्य रूप से आरपीडब्ल्यूडी एक्ट २०१६ के अंतर्गत परिभाषित दिव्यांगता के विभिन्न श्रेणियों की चर्चा की। दिव्यांगता के आधार पर बच्चों को शैक्षणिक माहौल प्रदान करने के लिए विभिन्न प्राविधियां पर भी चर्चा की गई, ताकि ऐसे बच्चे विद्यालयों के साथसाथ घर पर भी गृह आधारित प्रशिक्षण से आच्छादित कर शिक्षा के मुख्य धारा में बने रहे। जिला समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण प्रभारी अशोक कुमार पडिया ने उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय अपने पोषक क्षेत्र में रहने वाले सभी बच्चों का सर्वे कर दिव्यांग बच्चों को चिन्हित करें। उसकी सूची प्रखंड संसाधन केंद्रों में जमा करें ताकि उनके लिए भी विभागीय योजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्हें सहायक उपकरण एवं सामग्रियां आवश्यकता अनुसार उपलब्ध कराई जा सके। कहा विद्यालय में उनका शत् प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें। कहा कि ऐसे बच्चे जो बिना किसी सहायता के स्कूल नहीं जा पा रहे हो, उन बच्चों के लिए एस्कॉर्ट भत्ता, ट्रांसपोर्ट भत्ता एवं रीडर भत्ता उपलब्ध कराने हेतु विभागीय योजना में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

वहीं दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को यूनिक डिसेबिलिटी आइडेंटिफिकेशन कार्ड बनाने के लिए पास के प्रज्ञा केंद्रो में भेजने, दिव्यांग बच्चों का चिकित्सा प्रमाण पत्र बनाने का अनुरोध किया।

जबकि झरिया प्रखंड में अखलाक अहमद रिसोर्स शिक्षक एवं मनोज कुमार सिंह फिजियोथैरेपिस्ट ने सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक तथा दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों का उन्मुखीकरण किया।

परंपरागत धोक पूजन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सिंदरी (सस) : गौशाला स्थित शिव मंदिर प्रांगण में माता शीतला की प्राचीन प्रतिमा पर परंपरागत धोक पूजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ने लगी। भक्तों ने बारीबारी से माता शीतला के चरणों में धोक लगाकर पूजाअर्चना की तथा बासी भोजन का प्रसाद ग्रहण कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक मान्यता है कि जो श्रद्धालु माता शीतला की कथा सुनते हैं और बासी भोजन रूपी प्रसाद माता को भोग लगाकर ग्रहण करते हैं, उन पर माता की विशेष कृपा बनी रहती है। इससे परिवार और समाज में सुखशांति बनी रहती है तथा चेचक जैसी भयानक बीमारियों से भी रक्षा होती है। इस पावन अवसर पर मंजू अग्रवाल, रेशमी अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, अंकिता अग्रवाल, नीलम गोयल, सुनैना अग्रवाल, लीलावती देवी, पिंकी अग्रवाल, रजनी शर्मा, राजेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल, रामनिवास अग्रवाल, अशोक गोयल, रमेश शर्मा, राजेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

पीएचईडी मंत्री से मिले विधायक शत्रुघ्न, सौंपा ज्ञापन

कतरास (सस) : आगामी ग्रीष्म ऋतु में आम जनमानस को जल की समस्या से निजात मिले, इसके लिए बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने पीएचईडी मंत्री से मुलाकात कर पेयजल की समस्या से अवगत कराया। तेलमच्चो/महुदा जलापूर्ति योजना बंद होने के कारण बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने विधानसभा सत्र के दौरान मंत्री को ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने संबंधित समस्या पर अतिशीघ्र संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही के साथ जनहित में सहयोग प्रदान करने का भरोसा विधायक को दिया।

मायुमं ने किया निःशुल्क कान जांच शिविर का आयोजन

धनबाद (कासं) : महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों से प्रेरित होकर मारवाड़ी युवा मंच -सरायढेला शाखा द्वारा निःशुल्क कान जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। समाज सेवा और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए मारवाड़ी युवा मंच -सरायढेला शाखा द्वारा शिव शक्ति अपार्टमेंट (ग्राउंड फ्लोर), शांतिनिकेतन कॉलोनी, सरायढेला में सुबह १० बजे से शाम ४ बजे तक निःशुल्क कान जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य सेवा शिविर में आसपास के क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लगभग ५५ लोगों ने इस शिविर का लाभ प्राप्त किया।

शिविर का उद्देश्य समाज के लोगों को कान से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में आए लोगों की कान की विशेषज्ञ जांच, सुनने से संबंधित समस्याओं पर मार्गदर्शन तथा आवश्यकता अनुसार ईयर वैक्स रिमूवल (कान की सफाई) की सुविधा प्रदान की गई। कई लोगों को कान की सफाई, सुनने में कमी तथा अन्य समस्याओं के संबंध में सही जानकारी और उपचार संबंधी सलाह भी दी गई।

यह स्वास्थ्य शिविर इनसोनों हियरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया, जिनकी विशेषज्ञ टीम ने पूरे शिविर के दौरान उपस्थित रहकर लोगों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह प्रदान की। शिविर में आए लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच सरायढेला शाखा के अध्यक्ष एवं समाजसेवक अभिषेक अग्रवाला ने कहा कि मंच सदैव महाराजा अग्रसेन जी के पदचिन्हों पर चलते हुए समाजसेवा, सहयोग और जनकल्याण के कार्यों के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से मंच समयसमय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। कहा कि आज के समय में लोग अक्सर छोटीछोटी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे आगे चलकर गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लोगों को समय पर जांच और विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभिषेक अग्रवाला ने यह भी कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शसहयोग, सेवा और समानता को ध्यान में रखते हुए मंच समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।

इस शिविर के सफल आयोजन में मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष विकास अग्रवाल, आईपीपी प्रवीण केजरीवाल तथा निकिल, नेहा, नीलिमा और प्रिया अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रामलीला का आयोजन 19 से

गोविंदपुर (सस) : वासंतिक नवरात्र एवं जगत जननी मां दुर्गा मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर रामलीला का आयोजन किया जाएगा। जगत जननी मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष किशन अग्रवाल एवं सचिव बाबू भगत ने बताया कि श्री हरे कृष्ण रासलीला संस्थान श्री वृंदावन धाम द्वारा किया जाएगा। रामलीला सांचालक गोकुल शर्मा के नेतृत्व में २१ सदस्यीय टीम गोविंदपुर पहुंचेगी और नवरात्र कलश स्थापन १९ से २७ मार्च तक शाम ६ से रात ९ बजे तक लीला का प्रदर्शन करेगी। २८ को भंडारा का आयोजन किया जाएगा। वृंदावन की रामलीला का प्रदर्शन यहां पहली बार होगा। उन्होंने कहा कि इसकी सारी तैयारियां शुरू कर दी गई है।

तालाब में डूबने से एक की मौत

पुटकी (सस) : मुनीडीह ओपी क्षेत्र के गरमूडीह बस्ती स्थित पावना तालाब में ३० वर्षीय व्यक्ति के डूबने से मौत हो गया है। घटना के संबंध में मृतक की पत्नी भारती कालिंदी ने पुलिस को बताया कि चार दिन पहले अपने ससुराल पूरूलिया से गरमूडीह, मुनीडीह बस्ती शादी में आयी थी, सुबह ९ बजे नहाने के लिए घर से तालाब गया था। उन्हें मिर्गी का रोग था। नहाने के क्रम में डूबने के कारण मौत हो गया है। मृतक का नाम समीर कार्लिंदी पिता बरारी बताया जाता है, उसका दो बच्चे हैं। मुनीडीह पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। परिजनों का रोसे कर बुरा हाल है।

बीसीसीएल में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

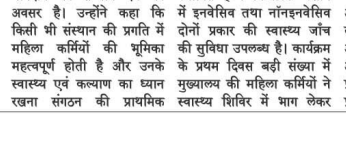

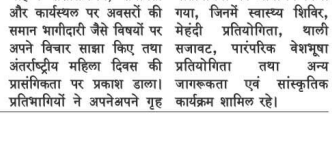

धनबाद (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वीमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस), बीसीसीएल के तत्वावधान में आज कोयला भवन मुख्यालय में कंपनी में कार्यरत सभी महिला कर्मियों के लिए दो दिवसीय (९१० मार्च) स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट, एनीमिया तथा स्तन कैंसर स्क्रीनिंग से संबंधित जाँच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस पहल का उद्देश्य महिला कर्मियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय पर आवश्यक जाँच, परामर्श और उपचार संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उनके समग्र स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करना है।

स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन सीएमएस, बीसीसीएल, डॉ. पूनम दुबे ने किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (वित्त) एम.एस. राजू, विभागाध्यक्ष (सीएसआर/औद्योगिक संबंध) सुरेन्द्र भूषण, विभागाध्यक्ष (वीआईपी सेल)सहसमन्वयक (डब्ल्यूआईपीएस, बीसीसीएल), निर्मला किरण, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) शोभा जे. कुजूर, विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक तथा विभागाध्यक्ष (कर्मचारी स्थापना) मधुस्मिता लकड़ा सहित कोयला भवन मुख्यालय के अन्य सभी महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष, महिला अधिकारीकर्मी उपस्थित रहे।

अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. पूनम दुबे ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों, उनकी क्षमता और समाज के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति में महिला कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण का ध्यान रखना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महिला कर्मियों को नियमित स्वास्थ्य जाँच कराने, संतुलित आहार अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। डॉ. दुबे ने कहा कि समय पर स्वास्थ्य परीक्षण से अनेक गंभीर बीमारियों का प्रारंभिक चरण में ही पता लगाया जा सकता है, जिससे उपचार अधिक प्रभावी और सफल हो पाता है। उन्होंने इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों को कर्मचारियों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

उल्लेखनीय है कि शिविर में स्थापित हेल्थ किओस्क मशीन में इनवेसिव तथा नॉनइनवेसिव दोनों प्रकार की स्वास्थ्य जाँच की सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में मुख्यालय की महिला कर्मियों ने स्वास्थ्य शिविर में भाग लेकर अपनी आवश्यक स्वास्थ्य जाँच कराई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया।

इसी क्रम में कार्यक्रम के दूसरे सत्र में तृतीय तल स्थित सभागार में महिला कर्मियों के लिए पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यालय की महिला अधिकारियों एवं कर्मियों ने विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर अपनी सांस्कृतिक विरासत और विविधता का आकर्षक प्रदर्शन किया।

इस दौरान महिला अधिकारियों एवं कर्मियों ने महिला सशक्तिकरण, समानता और कार्यस्थल पर अवसरों की समान भागीदारी जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए तथा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने अपनेअपने गृह राज्यों की पारंपरिक पोशाकों और सांस्कृतिक पहचान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिसकी सभी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

अवसर पर सीएमएस डॉ. पूनम दुबे, निर्मला किरण सहित मुख्यालय की सभी महिला अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की सफलता में डब्ल्यूआईपीएस, बीसीसीएल की सभी महिला सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

इसके अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सीएचडी सहित बीसीसीएल के सभी क्षेत्रों में भी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें स्वास्थ्य शिविर, मेहंदी प्रतियोगिता, थाली सजावट, पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता तथा अन्य जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे।

उपायुक्त ने की जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान जिला समन्वय समिति की बैठक में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को उपायुक्त द्वारा दिया गया। साथ ही *वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा किए गए निकासी एवं व्यय का प्रतिवेदन १२ मार्च तक जिला कार्यालय में समर्पित करने को भी संबंधित विभागों को दिया।

मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन योजनाओं का कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें बंद कर उसकी रिपोर्ट संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) द्वारा जिला को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए।

बैठक में विभिन्न योजनाओं के लगभग ३५०० सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) के शेष एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित एटीआर को अविलंब पोर्टल पर अपलोड किया जाए ताकि पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत ६,७८८ लाभुकों के आधार सीडिंग कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया, ताकि पात्र लाभुकों को सम्मान राशि का भुगतान समय पर किया जा सके। इसके अलावा केंद्र प्रायोजित पेंशन योजनाओं के लाभुकों का डीएलसी अद्यतन करने का निर्देश अंचलाधिकारियों को दिया गया।

बैठक में सखी मंडल के सदस्यों को मुद्रा ऋण उपलब्ध कराने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बैंकों को इस दिशा में तत्परता दिखाने का निर्देश देते हुए लंबित २७५६ आवेदनों के शीघ्र निष्पादन पर बल दिया। साथ ही एलडीएम को इस प्रक्रिया में समन्वय एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में गोट बैंक योजना, आपदा मुआवजा, धान अधिप्राप्ति तथा आंगनबाड़ी भवन निर्माण एवं शौचालय निर्माण से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने इन सभी योजनाओं के कार्यों को गति देने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, आपदा मुआवजा से संबंधित दस्तावेज अंचल से जिला स्पष्ट दस्तावेज भेजने का निर्देश अंचलाधिकारियों को दिया।

बैठक में उपस्थित उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को १५वें वित्त आयोग के अंतर्गत टाइड एवं अनटाइड फंड के व्यय को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने खराब प्रदर्शन वाले प्रखंडों की जानकारी देते हुए प्रखंड स्तर पर अविलंब समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा कार्यों में सुधार लाने को कहा।

उपायुक्त ने अंचलाधिकारियों को लंबित दाखिल-खारिज आवेदनों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी आवेदन को रद्द किया जाता है तो उसका स्पष्ट कारण दर्ज किया जाना चाहिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और आवेदकों को सही जानकारी मिल सके।

बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, डीडीएमओ शक्ति कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दुबे समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

एक नए सफ़र की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र से मार्च २०२६ में सेवानिवृत्त होने वाले कुल ४० कार्मिकों को सेवानिवृत्ति के उपरांत आने वाले संभावित परिवर्तनों के प्रबंधन तथा इससे जुड़ी औपचारिकताओं की जानकारी देने के उद्देश्य से एक नए सफ़र की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त होने वाले इस्पात कर्मियों को वित्तीय, स्वास्थ्य और प्रशासनिक पहलुओं के प्रति जागरूक करना था.

कार्यक्रम के आरंभ में वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना ने सभी आगंतुकों एवं सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों का स्वागत किया. उन्होंने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सेवानिवृत्ति की विभिन्न प्रक्रियाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की. कार्यक्रम के प्रथम सत्र में वरीय प्रबंधक (वित्त एवं लेखा-वेतन खाता) विनीता ने सेवानिवृत्ति के पश्चात मिलने वाली विभिन्न निधियों और उनके भुगतान की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी.

वित्तीय जागरूकता सत्र के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया, आईटीआई शाखा, चास के शाखा प्रबंधक श्री प्रमोद कुमार एवं उनकी टीम ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध निवेश योजनाओं और वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की. इसके पश्चात, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग की चिकित्सा अधिकारी डॉ. जया लक्ष्मी ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों को स्वास्थ्य प्रबंधन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए.

नगर प्रशासन विभाग से कनीय प्रबंधक श्री प्रणव कुमार विद्रोही ने आवास प्रतिधारण नीति और नगर प्रशासन से संबंधित अन्य गतिविधियों की जानकारी साझा की. एनपीएस (छ्झड) से बाहर निकलने की प्रक्रिया पर एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के की-अकाउंट मैनेजर राजीव कुमार ने विस्तार से प्रकाश डाला. शारीरिक और मानसिक कल्याण की दिशा में योग गुरु श्री के.बी. मिश्रा ने विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया और जीवन में योग की महत्ता से प्रतिभागियों को अवगत कराया.

कार्यक्रम के अंतिम चरण में मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ की वरीय मास्टर सुश्री अनीता झा ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया. पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) कल्पना के नेतृत्व में टीम मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम के अंत में सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन भी प्रस्तुत किया.

एक नए सफ़र की शुरुआत पहल बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने कार्मिकों के कल्याण के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है. सेवानिवृत्ति से पूर्व आयोजित यह मार्गदर्शन सत्र न केवल कार्मिकों के भीतर भविष्य के प्रति सुरक्षा का भाव जागृत करता है, बल्कि उन्हें एक स्वस्थ, आर्थिक रूप से सुदृढ़ और गरिमापूर्ण जीवन की नई पारी शुरू करने के लिए भी सशक्त बनाता है.

सुबह से देर रात तक पुलिस की कार्रवाई, 1792 वाहनों की जांच

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार जिले के सभी थाना क्षेत्रों में औचक एंटी क्राइम अभियान चलाया गया। अपराध नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के उद्देश्य से पुलिस की टीमों ने अलग-अलग इलाकों में व्यापक जांच अभियान संचालित किया। इस अभियान के तहत सुबह से लेकर देर रात तक पुलिस लगातार जगह बदल-बदलकर विभिन्न चौक-चौराहों, मुख्य सड़कों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर वाहन जांच करती रही। पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल १७९२ वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान वाहन चालकों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई।

इसके साथ ही पुलिस ने अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली और उनकी पहचान का सत्यापन भी किया। कई स्थानों पर पुलिस ने राहगीरों से पूछताछ कर उनकी गतिविधियों की जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अभियान का उद्देश्य अपराधियों में भय पैदा करना और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करना है। इस एंटी क्राइम अभियान में जिले के सभी थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी और पुलिस बल सक्रिय रूप से शामिल रहे। सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों में टीम के साथ लगातार गश्ती और जांच अभियान चलाया।

एसएसपी ने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर सख्त नजर रखने के लिए इस तरह के औचक एंटी क्राइम अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। इससे अपराध पर नियंत्रण रखने के साथ-साथ कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

चार नए ग्रेड्स को मिला बीआईएस प्रमाणन

बोकारो (ससे): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की प्रमुख इकाई, बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने अपने मूल्य संवर्धित इस्पात पोर्टफोलियो को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. आईएस ५१३ (भाग २) के तहत आईएससी ४१० ग्रेड तक उपलब्ध मौजूदा बीआईएस लाइसेंस का विस्तार करते हुए, संयंत्र को अब इसी मानक के अंतर्गत आईएससी ४४० एलए, आईएससी ४७० एलए, आईएससी ५१० एलए और आईएससी ५५० एलए ग्रेड को शामिल करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), जमशेदपुर से औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हुई है.

यह स्वीकृति बोकारो इस्पात संयंत्र में उत्पादित हाई स्ट्रेंथ लो अलॉय (एचएसएलए) कोल्ड रोल्ड स्टील ग्रेड के मानकीकरण की दिशा में एक बड़ी प्रगति है. आईएस ५१३ (भाग २) में इन विशिष्ट ग्रेड्स के शामिल होने से यह सुनिश्चित होगा कि ये अब राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हैं, जिससे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में इनकी स्वीकार्यता और मांग में वृद्धि होगी. आईएससी एलए सीरीज के इन ग्रेड्स को उच्च तन्य शक्ति , बेहतर फॉर्मेबिलिटी और उत्कृष्ट वेल्डेबिलिटी प्रदान करने के लिए तकनीकी रूप से उन्नत बनाया गया है. ये विशेषताएं उन्हें ऑटोमोटिव और हैवी इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती हैं, जहाँ संरचनात्मक मजबूती और वजन अनुकूलन जैसे मानक अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं.

बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी, प्रिय रंजन ने संबंधित सभी विभागों के समन्वित प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह गौरवपूर्ण उपलब्धि उत्पाद की गुणवत्ता और प्रोडक्ट मिक्स में सुधार लाने के सेल के रणनीतिक विजन के अनुरूप है.

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे घरेलू इस्पात बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने और ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी. अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त ने इस सफलता के लिए संयंत्र की बहु-विषयक टीमों के समर्पित प्रयासों की सराहना की. उन्होंने जोर देकर कहा कि यह उपलब्धि मूल्य संवर्धित इस्पात उत्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के प्रति बीएसएल के केंद्रित और सकारात्मक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है. इस विकास के साथ, बोकारो इस्पात संयंत्र ने न केवल अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को मजबूत किया है, बल्कि उन्नत स्टील ग्रेड के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं.बीआईएस की यह स्वीकृति आयात पर निर्भरता कम करने और भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों के अंतर्गत स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी.

यह उपलब्धि बोकारो इस्पात संयंत्र की गुणवत्ता और तकनीकी नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है. उच्च प्रदर्शन वाले इन नए स्टील ग्रेड्स का प्रमाणीकरण न केवल संयंत्र की बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को बढ़ाएगा, बल्कि ग्राहकों को विश्व स्तरीय समाधान उपलब्ध कराकर उत्पादकता और गुणवत्ता के क्षेत्र में बीएसएल की अग्रणी भूमिका को और सुदृढ़ करेगा.

जैन उच्च विद्यालय में करियर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

डुमरी (ससे): राह पकड तू एक चला चल,पा जायेगा मधुशाला कवि हरिवंश राय बच्चन की इन पंक्तियों को साध्य बनाकर जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने का संदेश सोमवार को पीएनडी जैन उच्च विद्यालय के सभागार में दसवीं बोर्ड के छात्र छात्राओं के लिए करियर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन की अध्यक्षता में बच्चों की इच्छा को ध्यान में रखते हुऐ करियर काउन्सेलिंग की गई।कार्यक्रम का विषय प्रवेश कराते हुए विज्ञान शिक्षक देवेश कुमार देव ने कहा दसवीं कक्षा के बाद करियर चुनाव के साथ-साथ उपयुक्त विषयों का चयन कर सधे कदमों से आगे बढने के लिए बच्चों को प्रेरित करना इस कार्यक्रम का उद्देश्य है।

कार्यक्रम में डा श्याम कुमार सिंह,संगीता जैन,देवेश कुमार देव, रूपलाल प्रसाद मंडल, सुब्रत कुमार सामंत, दयानंद कुमार, डा विवेक जैन, संजीव जैन, वैभव रानी ने संबंधित विषयों पर बच्चों के सवालों एवं समस्याओं का निराकरण किया एवं विषय चयन की शंकाओं को दूर किया।डा श्याम कुमार सिंह ने हिन्दी भाषा एवं साहित्य में करियर की दिशा पर प्रकाश डाला।जबकि रूपलाल मंडल ने नीट मेडिकल एवं इंजीनियरिंग के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया।

पार्षद को किया गया सम्मानित

सिंदरी (ससे) : धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या ५४ के नवनिर्वाचित पार्षद नीरज कुमार सिंह उर्फ धीरज सिंह को भाजपा जिला महामंत्री मनोज मिश्रा ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया तथा मिठाई खिलाकर उनकी जीत पर बधाई दी। मनोज मिश्रा ने कहा कि २१ प्रत्याशियों के बीच मिली यह जीत उनकी लोकप्रियता और जनसेवा के प्रति निष्ठा का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में वार्ड ५४ में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और लोगों को बुनियादी सुविधाओं का लाभ बेहतर तरीके से मिलेगा।

मौके पर भाजपा नेता रवि कुमार, विदेशी सिंह, दिलीप मिश्रा, शंभू सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे। सभी ने नवनिर्वाचित पार्षद को शुभकामनाएँ देते हुए वार्ड के विकास की उम्मीद जताई।

गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण कराया जाए : कांग्रेस जिला महासचिव

गोविंदपुर (ससे) : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गोविंदपुर और निरसा में एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए ११३० करोड रुपए की स्वीकृति दी थी पर प्रतिस्पर्धा में यह काम ४३ प्रतिशत कम दर पर ५५४.९८ करोड़ में एसपी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ले लिया। यही कारण है कि एलिवेटेड रोड का निर्माण काम गुणवत्तापूर्ण नहीं हो रहा है। उक्त जानकारी देते हुए कांग्रेस के जिला महासचिव मोइन अंसारी ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष, क्षेत्रीय अधिकारी कोलकाता तथा दुर्गापुर के परियोजना निदेशक को पत्र लिखा है और निगरानी कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने की अपील की है।

उन्होंने लिखा है कि कंपनी जैसे तैसे काम कर निकल जाना चाहती है और पिछले दिसंबर माह में राजगंज में जीटी रोड पर फ्लाईओवर में पड़ी दरार से सबक लेने की आवश्यकता है। इस संबंध में संपर्क करने पर निर्माण कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर एसके चौधरी ने कहा कि यह सही बात है कि ४३ कम दर पर काम लिया गया है।

इससे कंपनी को लाभ नहीं होगा पर इस कार्य में जो लोग लगे हैं और जो पूंजी लगेगी, वह आ जाएगी। कंपनी को मुनाफा नहीं हो तो कोई बात नहीं परंतु एलिवेटेड रोड निर्माण में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माण काम मजबूती के साथ किया जा रहा है।

आवंटित आवास को रद्द करने के विरोध में राकोमस का हंगामा

जोड़ापोखर (ससे) : बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र में कंपनी की एक आवास को मो. हसनैन अंसारी को आवंटित करने के मुद्दे पर विवाद उत्पन्न हो गया है। आवास आवंटन से बढ़ते विवाद को देखते हुए लोदना कोलियरी प्रबंधन ने हसनैन की आवंटित आवास का आवंटन रद्द कर दिया है। आवास आवंटन रद्द करने के प्रबंधन के निर्णय से भड़के राकोमस के क्षेत्रीय सचिव धर्मेंद्र सिंह एवं वरीय नेता राजीव रंजन चौबे ने समर्थकों के साथ क्षेत्रीय कार्यालय में एपीएम डीके सिंह के कक्ष के बाहर हंगामा करते हुए धरना दिया। इस दौरान संघ समर्थकों ने धर्म के आड़ में आपस में लड़ाना बंद करो,रिश्वत लेकर आवास आवंटन करना बंद करो आदि नारे लगाए।लगभग दो घंटे तक चली आंदोलन के बाद प्रबंधन ने नेताओं से वार्ता कर दो दिनों के अंदर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया ,जिसके बाद संघ का आंदोलन खत्म हो गया। मामले को लेकर जीएम कार्यालय में अधिकारियों ने संघ के नेताओं से वार्ता कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है। वार्ता में एपीएम डीके सिंह, पीओ, प्रबंधक एस शील, संघ के संजय यादव, रोहित कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

बकाया मानदेय भुगतान की मांग को ले मनरेगा कर्मियों का धरना

बलियापुर (ससे) : बकाया मानदेय भुगतान की मांग को लेकर मनरेगा कर्मचारी संघ ने बलियापुर प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना दिया। धरनार्थियों का कहना है कि ७ महीने से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। जिससे कर्मचारियों का आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है। पिछले वर्ष हड़ताल के दौरान मानदेय ३० बढ़ोतरी का आश्वासन दिया गया था लेकिन सरकार ने अब तक कोई नहीं की है। सरकार के इस वादा खिलाफी को लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। धरनार्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ के आव्हान पर सभी मनरेगा कर्मचारी १२ मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को विवश होंगे। धरनार्थियों में बीपीओ विशाल कुमार,नीरज कुमार सिंह, राजेंद्र प्रसाद महतो, सबल चंद्र महतो, कार्तिक गोराय, जय दत्त, हरे राम, सुनील सोरेन, कैलाश महतो, तस्लीम अंसारी, भीम सेन, देवेंद्र कुमार, संजय साहू आदि मौजूद थे।

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है : डीडीसी

बोकारो (ससे): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२६ के तहत आज दिनांक ०९ मार्च २०२६ को चास महिला कॉलेज, चास में एक जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के अधिकार, सम्मान, आत्मनिर्भरता और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार सहित अन्य उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्राओं ने महिलाओं के योगदान और उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना समाज और राष्ट्र का समग्र विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, खेल और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। साथ ही उपस्थित अन्य अतिथियों ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं और समाज के विकास में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं, कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा भाषण, कविता पाठ, सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, शिक्षा का महत्व, लैंगिक समानता तथा महिलाओं के अधिकारों से संबंधित संदेश दिया गया एवं उपस्थित सभी लोगों ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया।

उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ उठाकर महिलाएं अपने जीवन को बेहतर बना सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करने का संकल्प लेने का अवसर है। समाज के हर वर्ग को महिलाओं के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना रखनी चाहिए, तभी सशक्त और समतामूलक समाज का निर्माण संभव होगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे ने छात्राओं को शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देने के साथ-साथ समाज में समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करने का संदेश भी देता है।

कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, सार्जेंट मेजर प्रणव कुमार, कॉलेज की प्राचार्या लीना नायक, डॉ पूजा वर्मा, एडीआईओ अमरेश कुमार सहित शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्थापना दिवस को लेकर की गई चर्चा

डुमरी (ससे): झामुमो गिरिडीह जिला का २४ मार्च को ५३वें स्थापना दिवस मनाया जाएगा।जिसकी तैयारी एवं झामुमो कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को डुमरी में झामुमो कार्यकर्ताओं के संग झामुमो केन्द्रीय समिति सदस्य अखिलेश महतो उर्फ राजु महतो ने चर्चा की।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

स्कूटी रैली निकालकर महिलाओं ने दिया नारी शक्ति का संदेश

धनबाद (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर समाहरणालय से २ सौ से अधिक महिलाओं ने स्कूटी रैली निकालकर नारी शक्ति का संदेश दिया। साथ ही नशा मुक्त व बाल विवाह मुक्त झारखंड बनाने का संकल्प लिया। रैली को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली समाहरणालय से सिटी सेंटर होते हुए रणधीर वर्मा चौक तक पहुंची।

रैली को रवाना करने के बाद उपायुक्त ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस नारी के अधिकारों, समानता तथा उनके सामाजिक, आर्थिक योगदान के सम्मान और सशक्तिकरण का वैश्विक प्रतीक बन गया है। आज हर क्षेत्र में महिलाओं का संघर्ष, उनकी उपलब्धियां, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक सहित अन्य क्षेत्र में उनके योगदान को पहचान मिली है। उपायुक्त ने कहा कि जिले में भी महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चल रही है। महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्वयं सहायता समूह बनाकर उनको प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं बेलगड़िया में ८०८० महिलाओं का समूह बनाकर उन्हें मशरूम की खेती, बांस व जुट की सामग्री बनाने सहित अन्य क्षेत्र में हुनरमंद बनाया जा रहा है।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के बराबर योगदान दे रही है। महिला सशक्त होगी तो परिवार तथा समाज सशक्त बनेगा। रैली को रवाना करने से पूर्व सभी को नशा मुक्त झारखंड व बाल विवाह मुक्त झारखंड की शपथ दिलाई गई।

स्कूटी रैली में महिला पुलिसकर्मी, सुपरवाइजर, सीडीपीओ, आंगनबाड़ी सेविका, पोषण सखी सहित २ सौ से अधिक महिलाएं शामिल थी।

मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी के अलावा बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों की महिलाएं शामिल रहीं।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश से डीसी व एसएसपी ने की मुलाकात

धनबाद (कासं) : धनबाद में नव पदस्थापित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा से उनके चैंबर में उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर न्यायाधीश का अभिनंदन किया तथा जिले में उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान जिला प्रशासन, न्यायिक व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि न्यायपालिका और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से जिले में न्यायिक प्रक्रियाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा तथा आम लोगों को समय पर न्याय दिलाने में सहायता मिलेगी।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि जिला प्रशासन न्यायालय से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों में पूरा सहयोग प्रदान करेगा। वहीं एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए न्यायालय के मार्गदर्शन में पुलिस प्रशासन सदैव तत्पर है।

नव पदस्थापित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा ने भी दोनों अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायपालिका, प्रशासन और पुलिस के बेहतर समन्वय से जिले में कानून का शासन और मजबूत होगा तथा न्यायिक कार्यों को पारदर्शी और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा।

होल्ला मुहल्ला गुरू पर्व धूमधाम से मनाया गया

कालीमेला (ससे) : डुमरी तीन नंबर गुरुद्वारा के प्रांगण में होल्ला मुहल्ला गुरु पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मौके पर बाबा का दीवान फूल मालाओं से आकर्षक ढंग से सजाया गया। बाबा के नाम की अरदास करने के बाद गुरु पर्व होला मोहल्ला की शुरुआत किया गया।

डुमरी की स्त्री सत्संग ने शब्द कीर्तन कर संगत को निहाल किया। लुधियाना से आए कथा वाचक बाबा बेअंत सिंह जी ने गुरु गोबिंद सिंह जी के बारे में विस्तृत बताया कि होली को होल्ला मोहल्ला के रूप में मनाने की शुरुआत वर्ष १६८० में किला आनंद पुर साहिब में गुरु गोबिंद सिंह जी ने स्वयं शुरुआत की थी जिसका मुख्य उद्देश्य सिख समुदाय को तन और मन से मजबूत बनाते हुए उनमे विजय और वीरता के जज्बे को दृढ़ करना था।

१७वीं शताब्दी में दसवें गुरु गोबिंद सिंह जी के द्वारा भाई चारे और वीरता को लेकर होल्ला मुहल्ला का जश्न मनाने वाला एक त्योहार की शुरू किया था। १६९९ ईं में गुरु गोबिंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में पंथ खालसा की स्थापना की, जब पूरा देश होली खेल रहा था तब पंजाब में होल्ला मोहल्ला मनाया जा रहा था। होल्ला मुहल्ला शब्द की उत्पत्ति हल्ला शब्द से हुई है जिसका मतबल होता आक्रमण करना और मुहल्ला का मतलब होता है संगठित या एकत्रित होना। गुरु गोबिंद सिंह जी ने इसकी शुरुआत ७ मार्च १७०१ करतारपुर जिला रोपड़ के स्थित किला लोहगढ़ से की थी। इस दिन कवि प्रतियोगिता और युद्ध का अभ्यास किया जाता था।

उन्होंने तमाम जातियों को संगठित करते हुये तमाम भेदभाव तोड़ते हुए सत्ता के जुल्म खिलाफ सघर्ष का बिगुल बजाया था। उन्होंने एक ही कढ़ाई में अमृत तैयार कर सभी को बिना जाति भेदभाव के नीचली जातियों और महिलाओं को समान अधिकार दिया। हर सिख को हुक्म हे गुरु मान्ययो ग्रन्थ, बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारों से गूंजा बाबा का दरबार, बाबा की पालकी फूलों से सजाई, गुरु पर्व में आए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सतपाल सिंह बिट्टू, मंगल सिंह, गुरमुख सिंह, जीत सिंह, जसवंत सिंह आदि शामिल थे।

अखण्ड हरि कीर्तन का शुभारंभ

पुटकी (ससे) : पुटकी करकेन्द पारबाद पुल स्थित गांधीग्राम दिव्यांग कॉलोनी में २४ घंटे का अखंड हरी कीर्तन का शुभारंभ हुआ। हरि कीर्तन करने गोलक ठाकुर हरि कृष्ण टोली तेलमाड़िया, रोहित बाउरी चांडीपुर पुरुलिया, महिला कीर्तन मंडली बलरामपुर बंगाल रतन मंडली के द्वारा एक से एक झांकी निकाली गई। लाइटों से आकर्षक रूप में मंदिर को सजाया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड ९ की पार्षद सुनैना पासवान उपस्थित थी। समाजसेवी व आयोजनकर्ता रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह ने बताया कि २३वां वार्षिक उत्सव मनाया जा रहा। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से गांधी गांधीग्राम के त्रिलोकी यादव, शालिग्राम कुंभकार, ललन बाउरी, तरौनी महतो, खेदन रजवार, अन्तू रजवार, नूतन शर्मा, मोदीराम महतो, झगरू तुरी, अनीशा बाउरी आदि का अहम योगदान रहा।

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद थाना क्षेत्र के बरटांड़ के समीप पांडे मीट हाउस में विगत २७ को रंगदारी को लेकर संचालक से जमकर मारपीट की गई थी। जिसमे दुकान संचालक गम्भीर रूप से घायल हो गया था, जिसे इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया था। वहीं मारपीट का पूरा घटनाक्रम वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। घटना के बाद पीड़ित दुकानदार मंगल सिंह के बयान पर धनबाद थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इस मामले में पुलिस ने कुल पांच लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें से एक आरोपी को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

वहीं, मारपीट के उक्त घटना का मुख्य आरोपी रौशन सिंह की गिरफ्तारी के लिये पुलिस छापेमारी कर रही थी। रौशन सिंह आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गिरफ्तारी के बाद शाम पुलिस ने रौशन सिंह की सरेआम परेड कराई। पुलिस ने उसे सिटी सेंटर से मधुलिका होटल तक पैदल घुमाया।

धनबाद थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि इस कार्रवाई का उद्देश्य यह संदेश देना है कि कोई भी अपराधी अपराध कर के बच नहीं सकता। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भी तलाश जारी है और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

परेशान झरिया के सदस्य दूषित पानी सप्लाई को ले मेयर संजीव से मिले

धनबाद (कासं) : झरिया क्षेत्र में दूषित पानी की आपूर्ति को लेकर लोगों में बढ़ती नाराजगी के बीच सामाजिक समूह 'परेशान झरिया' के सदस्यों ने सोमवार को धनबाद के महापौर संजीव सिंह से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया।

टीम के सदस्यों ने महापौर को बताया कि झरिया क्षेत्र के कई इलाकों में पिछले कुछ दिनों से गंदा और दूषित पानी की सप्लाई की जा रही है। इससे स्थानीय लोगों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूषित पानी के कारण क्षेत्र में बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे आम जनता में चिंता का माहौल है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए महापौर संजीव सिंह ने तुरंत संज्ञान लिया और वहीं से झमाडा के संबंधित अधिकारियों को फोन कर जलापूर्ति व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने

अधिकारियों से कहा कि झरिया क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा पाइपलाइन और जल स्रोत की जांच कर समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

महापौर ने भरोसा दिलाया कि झरिया की जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी दूषित पानी की शिकायत मिलती है तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। वहीं 'परेशान झरिया' टीम के सदस्यों ने कहा कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जनहित में अपनी आवाज आगे भी उठाते रहेंगे। टीम ने उम्मीद जताई कि महापौर के हस्तक्षेप के बाद झरिया क्षेत्र में पानी की सप्लाई जल्द ही सामान्य और स्वच्छ हो जाएगी।

डीआरएम ने किया बटालियन रिक्रिएशन रूम व यूनिट कैंटीन का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल की १०वीं बटालियन परिसर में मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा जवानों एवं

कल्याण एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए बटालियन रिक्रिएशन रूम तथा यूनिट कैंटीन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली के आईजीकम-पीसीएससी/सुमति शांडिल्य वर्चुअल माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने परिसर में वृक्षारोपण किया। नव स्थापित बटालियन रिक्रिएशन रूम जवानों को अवकाश के समय में मानसिक विश्राम की सुविधा प्रदान करेगा, वहीं यूनिट कैंटीन के माध्यम से उन्हें दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं सहज रूप से उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं जवान भी उपस्थित थे।

चापाकल में लगाया ताला, ग्रामीणों में आक्रोश

बलियापुर (ससे) : बलियापुर पूर्वी पंचायत के पाल टोला स्थित सरकारी चापाकल में ताला लगा दिया गया है। परिणामस्वरूप

लोगों को पानी के लिए काफी दिक्कतें हो रही है। उक्त चापाकल विधायक मद से लगाया गया था। उसी टोला के एक व्यक्ति द्वारा उक्त चापाकल में बारबार लोहे की जंजीर लगाकर ताला जड़ दिया जा रहा है। पानी का लाभ नहीं मिलने से ग्रामीणों में भारी रोष है। इस संबंध में पूछे जाने पर पंचायत समिति सदस्य सह उप प्रमुख आशा देवी ने चापाकल से पानी लेने से वंचित करने की इस हरकत को गलत बताया। उन्होंने मामले को संज्ञान में लेकर निदान करने का भरोसा दिया।

लेबर सेल विस्तार को ले लोजपा (आर) की बनी सहमति

धनबाद (कासं) : लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की ओर से धनबाद परिसदन में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान पार्टी के लेबर सेल के विस्तार को लेकर सहमति बनी और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई। लोजपा (आर) लेबर सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पासवान ने

मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करते हुए श्रमिकों के हित में लगातार काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी का उद्देश्य मजदूरों की समस्याओं को उठाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि लेबर सेल के विस्तार से संगठन जमीनी स्तर तक पहुंचेगा और श्रमिकों की आवाज को मजबूती मिलेगी। साथ ही मजदूरों से जुड़े मुद्दों को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

सिंदरी (ससे) : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सिंदरीबलियापुर लोकल कमेटी की ओर से वरिष्ठ किसान नेता एवं लोकल कमेटी सदस्य कॉमरेड सुबल मल्लिक के प्रथम स्मरण दिवस पर ग्राम कुल्हुडीह, निपनिया में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मौके पर सीपीएम के धनबाद जिला सचिव विकास कुमार ठाकुर, लोकल कमेटी सचिव गौतम प्रसाद, वरिष्ठ किसान नेता संतोष कुमार महतो सहित परिजनों व कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।सभा को संबोधित करते हुए विकास कुमार ठाकुर ने कहा कि ९ मार्च २०२५ को सुबल दा के निधन से पार्टी और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

ग्रामीण एकता मंच ने किया ओबी कटिंग पर रोक लगाने की मांग

पुटकी (ससे) : ग्रामीण एकता मंच के केंद्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह ने बीसीसीएल के सीएमडी को पत्र लिख पीबी एरिया संख्या७ के अंतर्गत गोपालीचक नंबर२, खैरा व पुटकी क्षेत्र में आउटसोर्सिंग कंपनियों के द्वारा की जा रही ओबी कटिंग से लगातार उड़ रही धूलमर्दा पर अभिलंब रोक लगाने की मांग किया। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा कि गोपालीचक क्षेत्र रमणीय स्थल हुआ करता था, लोगों सुबह शाम टहलने आते थे। हरियाली की अलग ही मनमोहक दृश्य हुआ करता था। बीसीसीएल और आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा, मनमानी और मानवता व पर्यावरण के संवेदनहीनता के कारण आज क्षेत्र उजड़ा चमन बना गया है। जिसका मुख्य कारण नियम विरूद्ध उत्खनन, ओबी कटिंग है, पूरे इलाके में २४ घंटे धूलमर्दा का गुबार

छाया रहता है। बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वहीं आसपास के पेड़पौधे जो की जीवन रक्षक हेतु ऑक्सीजन देता है उन्ही पेड़ पौधे पर इतना घुल गर्दा बैठ गया है जो स्वयं ही अपनी अस्तित्व को बचाने हेतु ऑक्सीजन खोज रहे हैं,पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। श्री सिंह ने बीसीसीएल प्रबंधन व जिला प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द प्रभावी कदम उठाकर धूलमर्दा पर नियंत्रण किया जाए, अन्यथा बाध्य होकर हमारी संस्था के द्वारा चरणबद्ध आंदोलन करते हुए आउटसोर्सिंग कंपनी का चक्का जाम करने के कार्रवाई करने को बाध्य होंगी जिसकी सारी जवाबदेही आउटसोर्सिंग कंपनी और बीसीसीएलव पर होगी। मंच ने आवेदन की प्रतिलिपि खान सुरक्षा निदेशक, डीजीएमएस धनबाद, क्षेत्रिय पदाधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, धनबाद, डीसी धनबाद, जीएम पीबी एरिया, एसएसपी धनबाद को भी दिया हैं।

सीएचडी ने जीआई एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी सेवाओं का किया शुभारंभ

धनबाद (कासं) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्रीय अस्पताल, बीसीसीएल (सीएचडी) द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई। अस्पताल द्वारा अपर जीआई एंडोस्कोपी सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया, साथ ही कोलोनोस्कोपी सेवाओं की भी शुरुआत की गई। इन आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के शुरू होने से अस्पताल को रोगों की जांच एवं उपचार संबंधी क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी तथा मरीजों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

केंद्रीय अस्पताल में इन नई चिकित्सा सेवाओं की शुरुआत सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल तथा निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया के निरंतर मार्गदर्शन, समर्थन एवं दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसके तहत बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा कंपनी

में कार्यरत कर्मचारियों, उनके परिवारों तथा आसपास के समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

इस सेवा की शुरुआत डॉ. वंदना, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी तथा डॉ. अनीश कुमार गांधी, विभागाध्यक्ष (सर्जरी) के मार्गदर्शन में की गई। यह पहल अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे बीसीसीएल के कर्मचारियों, उनके परिवारों तथा आसपास के क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्रीय अस्पताल में अपर जीआई एंडोस्कोपी और कोलोनोस्कोपी जैसी आधुनिक जांच सेवाओं की शुरुआत स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों की समय पर पहचान और उपचार संभव होगा, बल्कि क्षेत्र के लोगों को भी उन्नत चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इन सेवाओं के माध्यम से पेट एवं आंत से संबंधित विभिन्न रोगों की सटीक जांच और आवश्यक चिकित्सकीय सहायता इत्यादि अब स्थानीय स्तर पर ही संभव होगा। इससे मरीजों को बेहतर, त्वरित और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

इसके साथ ही आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में केंद्रीय अस्पताल में ९, १० एवं ११ मार्च तक चलने वाले तीन दिवसीय विशेष स्वास्थ्य शिविर का भी शुभारंभ किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में एनीमिया जांच, बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट तथा सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण जागरूकता शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन आयोजित हीमोग्लोबिन जांच में कुल ८८ लाभार्थियों की जांच की गई। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समय रहते आवश्यक चिकित्सकीय जांच और परामर्श उपलब्ध कराना है।

बीसीसीएल प्रबंधन ने दोहराया कि कंपनी अपने स्वास्थ्य ढांचे को निरंतर मजबूत करने तथा कर्मचारियों, उनके परिवारों और स्थानीय समुदाय को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाने के लिए सपा असम में उतारेगी प्रत्याशी

लखनऊ (ईएमएस): असम के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी भी भाग्य आजमाएगी। राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त करने की रणनीति के तहत पांच विधानसभा सीटों पर लड़ने का फैसला किया है। इस बारे में शीघ्र ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

एसटी विद्यार्थियों के लिए आईटी व कंप्यूटर स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

धनबाद (कासं) : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यालय) धनबाद के प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा झारखंड के जनजातीय विद्यार्थियों के लिए बेसिक और एडवांस स्तर के सूचना प्रौद्योगिकी एवं कंप्यूटर कौशल पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा समर्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहल के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के तहत ९ से ११ के बीच कक्षा १०वीं, ११वीं और १२वीं के विद्यार्थियों के लिए मिड-सेमेस्टर परीक्षा और प्रायोगिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। यह गतिविधियाँ एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) तोरसिंदुरी, पश्चिम सिंहभूम तथा ईएमआरएस सलगाडीह, रांची में आयोजित हो रही हैं।

इस पहल का उद्देश्य जनजातीय विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना, तकनीकी कौशल को मजबूत करना और उनके लिए भविष्य में बेहतर करियर के अवसर तैयार करना है। नियमित कक्षा शिक्षण, प्रायोगिक अभ्यास और शैक्षणिक मूल्यांकन के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल टूल्स और तकनीकों की जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण के दौरान बेसिक बैच के विद्यार्थियों को पायथन प्रोग्रामिंग की शुरुआती जानकारी दी जा रही है, जिससे वे कोडिंग के बुनियादी सिद्धांत समझ सकें। वहीं एडवांस बैच के विद्यार्थियों को पावर बीआई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उन्हें डेटा एनालिसिस और डेटा विजुअलाइजेशन से जुड़े आधुनिक टूल्स का व्यावहारिक अनुभव मिल सके। यह कार्यक्रम प्रो. रश्मि सिंह और प्रो. निलाद्रि दास के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है, जबकि प्रशिक्षण और मूल्यांकन टीम में निलेश कुमार और फिरदौस अंसारी शामिल हैं। इस पहल के माध्यम से आईआईटी-आईएसएम धनबाद जनजातीय समुदायों के बीच डिजिटल समावेशन और कौशल विकास को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है, जो जनजातीय कार्य मंत्रालय की उस सोच के अनुरूप है जिसमें शिक्षा और तकनीक के जरिए जनजातीय युवाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है।

नाराज लोगों ने महंत के साथ मारपीट की

कानपुर (ईएमएस) : उत्तरप्रदेश के कानपुर के भूतेश्वर मंदिर के महंत का नॉनवेज खाते हुए कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद विवाद खड़ा हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र के कई लोग नाराज हुए और महंत के साथ जमकर मारपीट की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें भीड़ से निकालकर मंहत को थाने ले गई। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक फोटो और वीडियो वायरल हुआ था, इसमें मंदिर के महंत को नॉनवेज खाते हुए दिखाया गया। इसके बाद इलाके के लोगों में नाराजगी फैल गई।

कार्यालय
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

अतिअल्पकालिन निविदा आमत्रंण सूचना सं0 30/2025–26

1. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम :– विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।
2. विभाग का नाम :– ऊर्जा विभाग
3. परिमाण विपत्र की बिकी की अंतिम तिथि :– दिनांक 16.03.26 के 12:00 बजे अपराह्न तक
4. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 17.03.26 के 02:00 बजे अपराह्न तक
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 17.03.26 के 02:30 बजे अपराह्न में
6. परिमाण विपत्र बिकी का स्थान :– विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत कार्य अंचल,राँची का कार्यालय/विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद/जिला नियंत्रण कक्ष धनबाद।
7. निविदा खोलने का स्थान :– विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

कार्य की विवरणी :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र की राशि रू0	अग्रधन की राशि रू0	अवधि
1	Annual Repair of internal Electical wiring in the residence of Principal Judge of Family Court, Hazaribagh.	2,37,475.00	500.00	2 % of the Estimated value	7 days
2	S/R to E.I of PDJ Court Building, Bokaro	9,81,359.00	1250.00	2 % of the Estimated value	10 days
3	Annual Repair to EI of 10 Nos PO Qtr. (A2,A4, B1, B2,B4,B5,B6, C3, C4 &C5) at Judge Colony Camp 2 Bokaro.	2,57,308.00	750.00	2 % of the Estimated value	7 days
4	S/R to E.I. of Internal house wiring and external lighting in civil Judge Qtr. no. C-35 in Sirsia Block at Giridih.	2,56,890.00	750.00	2 % of the Estimated value	7 days
5	Annual Repair to E.I in the Confidential office Barrack Guard Room D.C Residence, Dhanbad.	6,84,697.00	1250.00	2 % of the Estimated value	7 days
6	Annual Repair to E.I in Civil Court of Tenughat, Bokaro.	6,09,937.00	1250.00	2 % of the Estimated value	7 days
7	Annual Repair to EI of 8 Nos PO Qtr. (A1,A2,B1, B2,B3,C2,C3 &C4) at Tenughat Sub Division court Bokaro.	2,54,651.00	750.00	2 % of the Estimated value	7 days
8	Replacement of flood light of one nos high mast at bal samprekshan Grih, Bokaro	2,96,595.00	750.00	2 % of the Estimated value	7 days

निविदा के नियम एवं शर्ते कार्यालय के सूचना पट एवं वेबसाइट www.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।

PR 374542 Energy(25-26).D

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

कार्यालय,
धनबाद नगर निगम, धनबाद।

टोल फ्री नं0 :–18008904160 ई–मेल : dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

पत्रांक– 621 दिनांक –07.03.2026

–: अतिअल्पकालीन बन्दोबस्ती नीलामी सूचना :–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद नगर निगम अन्तर्गत कुल **08 विवाह भवन** की बन्दोबस्ती 01.04.2026 से माह 31.03.2031 तक के लिए खुली निलामी बन्दोबस्ती प्रक्रिया के द्वारा दिनांक 27.03.2026 को 3:00 PM में सम्पन्न की जानी है।

आवेदन /पंजीकरण शुल्क :–

इच्छुक डाक वक्ता दिनांक 27.03.2026 तक बंद लिफाफे में आवेदन के साथ मांगे गये दस्तावेज, जमानत राशि और पंजीकरण शुल्क 5000/- (पाँच हजार) रूपया डिमांड ड्राफ्ट **धनबाद नगर निगम** के नाम से बनाकर धनबाद नगर निगम कार्यालय के भू–तल में रखे गये ड्राप बॉक्स में अपराहन् 3:00 बजे तक जमा करें। पंजीकरण शुल्क पूर्ण रूप से Non Refundable होगा।

जमानत राशि :–

डाक वक्ता को जमानत राशि **धनबाद नगर निगम** के नाम से बन्दोबस्ती राशि का दस प्रतिशत (10%) भुगतेय डिमांड ड्राफ्ट के रूप में आवेदन के साथ ड्राप बाक्स में जमा करना होगा। असफल डाक वक्ता की जमानत की राशि एकरारनामा के पश्चात् लौटा दी जाएगी।

क्र0सं0	अंचल	विवाह भवन का नाम एवं वार्ड संख्या	न्युनतम बन्दोबस्ती राशि (प्रथम वर्ष के लिए)	जमानत राशि का 10%
1.	धनबाद	बाबुडीह, वार्ड 20	40,00,000.00	4,00,000.00
2.	धनबाद	चीरागोड़ा, वार्ड 26	18,00,000.00	1,80,000.00
3.	धनबाद	बरमसीया, वार्ड 29	18,00,000.00	1,80,000.00
4.	धनबाद	तेलीपाड़ा, वार्ड 25	10,00,000.00	1,00,000.00
5.	धनबाद	कोलाकुसूमा, वार्ड 23	10,00,000.00	1,00,000.00
6.	छाताटॉड	बलिहारी, वार्ड 10	10,00,000.00	1,00,000.00
7.	सिंदरी	चासनाला, वार्ड 52	10,00,000.00	1,00,000.00
8.	सिंदरी	नुनुडीह, वार्ड 49	5,00,000.00	50,000.00

नोटः– 1. आवेदन तथा पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 27.03.2026 अपराह्न 3:00 बजे तक।
2. खुली नीलामी बंदोबस्ती प्रक्रिया दिनांक 27.03.2026 अपराह्न 3:00 बजे नगर आयुक्त, धनबाद के कार्यालय कक्ष में की जाएगी।
3. नियम एवं शर्तें बेवसाइट www.udhd.jharkhand.gov.in पर एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित है।

PR 374508 (Urban Development) 25-26 (D)

अपर नगर आयुक्त,
धनबाद नगर निगम।

जिला परिषद, धनबाद

पत्रांक /जि0प0, धनबाद, दिनांक–

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–25/2025-26/DE/ZPDH/DHANBAD/2nd Call

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	तोपचाँची	**जिला परिशद (आंतरिक निधि)** ढाँगी पंचायत अन्तर्गत देवानथान के बगल में शेड का निर्माण	3,38,700	750	B.O.Q. का 2%	3 माह
2	बाघमारा	**15वें वित्त आयोग मद** बाघमारा प्रखण्ड अन्तर्गत तारागा पंचायत के भुरूगिंया में ऋषिकेश रवानी के घर से लेकर बासुदेव रवानी के घर तक 70 फीट नाली निर्माण	1,10,000	500	B.O.Q. का 2%	2 माह
3	गोविन्दपुर	गोविन्दपुर प्रखण्ड अन्तर्गत मोरंगा पंचायत अन्तर्गत टोला चाराईडीह लखी मराण्डी के तालाब से ईमली पेड़ तक 200 फीट नाली निर्माण	4,14,300	750	B.O.Q. का 2%	2 माह
4	गोविन्दपुर	गोविन्दपुर प्रखण्ड अन्तर्गत कालाडाबर पंचायत अन्तर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय से कासीटाँड़ टोला की ओर गरगोरो में 300 फीट पीसीसी पथ निर्माण	3,56,900	750	B.O.Q. का 2%	2 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक **10-03-2026**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक **17-03-2026** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक **19-03-2026** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– **9431396945**
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद।

PR 374515 (Rural Development) 25-26 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट।

शुद्धि पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि कोटेशन आमंत्रण दिनांक 27.02.2026 जिसका PR no. :- 373868 में निम्न प्रकार पढ़ा जाय।

1	कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या	01/2025–26
2	कोटेशन समर्पित करने की अंतिम तिथि एवं समय	10.03.2026 से 16.03.2026 तक शाम 05.00 बजे कार्यालय अवधि में।
4	नोट	केवल सील बंद लिफाफे ही प्राप्त कोटेशन मान्य होंगी।
5a	Quantity (M^3)	1,09,241.50 (M^3) लगभग।
5b	Quantity (M^3)	1,09,241.50 (M^3) लगभग।

शेष नियम एवं शर्ते अथावत रहेगी।

ह०/–
कार्यपालक अभियंता
तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट।

PR 374440 (Water Resource) 25-26 (D)

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा
DISTRICT LEVEL OFFICE BLOCK-C NEW COMBINED BUILDING
DISTRICT- JAMTARA, PHONE/ FAX- 06433-223342, Email –ssajmt1@gmail.com

इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित सूचना

राज्य परियोजना निदेशक, झा0शि0प0परि0, राँची के पत्रांक 5094 दिनांक 27.11.2025 एवं पत्रांक 6251 दिनांक 10.12.2025 के आदेश के आलोक में जिले के प्रारंभिक कक्षाओं के 200 छात्र/छात्राओं को प्रमंडल से बाहर किसी दूसरे प्रमंडल के जिला में विज्ञान केन्द्रों, दर्शनीय स्थलों, तकनीकि कॉलेजों आदि का भ्रमण कराया जाना है। भ्रमण से पंजीकृत विस्तृत जानकारी (नियम व शर्तें) झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा कार्यालय से कार्यालय अवधि में दिनांक 11.03.2026 से 17.03.2026 तक अपराह्न 03:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक ट्रेवल्स एजेंसी/एजेंसी/फर्म जिनके पास GST No. हो, इण्डियन टूरिज्म या झारखण्ड पर्यटन से संबंधित हो अपना प्रस्ताव/निविदा झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा कार्यालय, कम्बाईण्ड बिल्डिंग ब्लॉक–सी, तृतीय तल्ला, समाहरणालय, जामताड़ा में दिनांक 17.03.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक निबंधित डाक अथवा हाथों हाथ जमा कर सकते हैं। उक्त तिथि एवं निर्धारित समय के बाद कोई भी प्रस्ताव/निविदा मान्य नहीं होगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, जामताड़ा

PR 374509 District (25-26)_D

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, धनबाद
प्रेस विज्ञप्ति
(मृतक अज्ञात पुरूश का शव)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद जिला के बलियापुर थाना ज्ञापांक सं0–510/2025, दि0–05.03.2026, को बलियापुर थाना अन्तर्गत धोखरा रेलवे ट्रेक के पास एक अज्ञात पुरूश का शव लावारीश हालत में बरामद किया गया है। उक्त शव का अभीतक पहचान नही हो पाया। अज्ञात पुरूश का उम्र करीब–25वर्श है, मृतक पुरूश का हुलिया–ऊँचाई–लगभग 05 फीट 02 इंच, पहनावा– भूरा रंग का हाफ टी शर्ट एवं काला रंग का फूल जंधिया पहना हुआ है।

अतः आप सभी से अनुरोध है कि अज्ञात पुरूश का शव के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो तो, कृपया निम्न अंकित नंबर पर सूचित करने की कृपा की जाय।

0326–2220802 (वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, धनबाद)
094317–06376 (अनु0पु0पदा0 सिन्दरी, धनबाद)
94317–06414 (थाना प्रभारी,बलियापुर, धनबाद)

वरीय पुलिस अधीक्षक,
धनबाद।

PR 374507 Police(25-26)D

जिला परिषद, धनबाद

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–22/2025-26/DE/ZPDH/DHANBAD/2nd Call

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	निरसा	मदनडीह पंचायत के यशपुर मंडल टोला अरूप मंडल के घर से लेकर डोभा तक नाली निर्माण	1,65,350	500	B.O.Q. का 2%	3 माह
2	बाघमारा	मान्द्रा पंचायत अन्तर्गत बिहार कुँआ में चाहरदिवारी का निर्माण	4,96,200	750	B.O.Q. का 2%	3 माह
3	बाघमारा	पाथरगड़िया पंचायत अन्तर्गत नगदा बस्ती में मुकेश ठाकुर के घर के बगल में शेड निर्माण	3,68,700	750	B.O.Q. का 2%	3 माह
4	कलियासोल	एलाकेन्द्र पंचायत अन्तर्गत काटाजानी ग्राम में एक शेड का निर्माण (2) एलाकेन्द्र पंचायत अन्तर्गत काटाजानी ग्राम में दो कमरा का निर्माण	9,75,500	1,250	B.O.Q. का 2%	3 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक **10-03-2026**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक **17-03-2026** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय :– दिनांक **19-03-2026** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी :– जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या :– **9431396945**
7. जिला परिशद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, धनबाद।

PR.NO.374520 Rural Development(25-26):D

e-Proccurement Cell
ENERGY DEPARTMENT, GOVT.OF JHARKHAND
Electrical Executive Engineer,
Electric Works Division, Dhanbad

e- Procurement cell

Very Short E-Tender Reference No- Energy/EWD/Dhanbad/**31/2025-26**

Sl. No	Name of work	Estimated Cost (Rs)	Tender Fee (BID Document Fee)	Bid Security (EMD Fee 2%)	Completion Date
1	Provision of underground service cable for Hostels of BIT Sindri, Dhanbad.	1,15,80,382.00	10000.00	232000.00	10 days
2	Date of Publication of tender on website	11.03.2026			
3	Online bid submission period	From 12.03.2026 at 10:30 am to 17.03.2026 at 2:00 pm			
4	Technical Bid Opening Date	18.03.2026 at 3:00 pm			
5	Name and address of the office inviting tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Dhanbad.			
6	Contact no. of Procurement officer	0326-2311382			
7	Helpline number of e- Procurement cell	0651-2490069			

Note- Only online tender will be accepted.
Any change in B.O.Q can be see on website http://jharkhandtenders.gov.in
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division, Dhanbad

PR 374545 Energy (25-26)_D

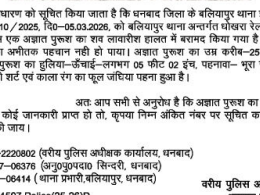

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो

ई-प्रोक्युरमेंट सूचना
(एस0बी0डी0 आधारित ई-निविदा)

ई–निविदा प्रसंग संख्या– RCD/BOKARO/311/F.Y. 2025-26
दिनांक– 07.03.2026

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमण्डल, बोकारो अन्तर्गत "तेलीडीह–विक्रमडीह–पश्चिम बंगाल बॉर्डर पथ (कुल लम्बाई–15.82 कि0मी0) का राईडिंग क्वालिटी में सुधार (Improvement of Riding Quality) IRQP कार्य" वर्ष 2025–26
2.	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रू0 9,46,44,900.00 (नौ करोड़ छियालीस लाख चौवालीस हजार नौ सौ रूपये) मात्र।
3.	कार्य पूर्ण होने की अवधि	04 (चार) माह।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन होने की तिथि एवं समय	17.03.2026, 12.00 बजे दोपहर।
5.	बिड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	06.04.2026, 12.00 बजे दोपहर तक।
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यालय, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो
7.	प्रोक्युरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	06542–265569
8.	ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2400210

नोट :– प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकती है।
विस्तृत ब्यौरा के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमण्डल, बोकारो

PR 374444 Road (25-26)_D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल धनबाद

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–11/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एमं पदनाम :–कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमण्डल, धनबाद।
2. परिमाण विपत्र विक्री की अन्तिम तिथि एवं समयः– दिनांक–17.03.2026 को 1.00 बजे अपराहन तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–18.03.2026 को 3.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–18.03.2026 को 3.30 बजे अपराहन।
5. निविदा बिक्री का स्थान :– (i) सदर थाना, धनबाद का कार्यालय। (ii) अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग का कार्यालय।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (i) सदर थाना, धनबाद का कार्यालय। (ii) अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग का कार्यालय।
7. **कार्यो की सूची :–**

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि (माह में)
1	Renovation of "B" Type (1 to 6) Quarter in Officer's Colony Dhanbad	23,93,000.00	47,900.00	5,000.00	03 माह।
2	Construction of Gents Toilet/Bathroom for Block A & B (barrack at Mandal Kara, Dhanbad.	11,13,650.00	22,300.00	2,500.00	2.5 माह।
3	Emergent Repair of C/23 Judiciary Quarter Officer's Colony Bekar Bandh Dhanbad.	6,14,500.00	12,300.00	1,250.00	45 दिन।
4	Emergent Repair of C/24 Judiciary Quarter Officer's Colony Bekar bandh Dhanbad.	3,25,900.00	6,600.00	750.00	20 दिन।
5	Construction of 50 Feet Outer Boundary Wall & concertina Coil Fencing and PCC in front of 50 Feet Boundary Wall at Mandal Kara, Dhanabd.	2,79,350.00	5,600.00	750.00	15 दिन।
6	Roof Treatment of Kitchen Building Part 01 in SNMMCH Dhanbad.	2,49,300.00	5,000.00	500.00	07 दिन।
7	Roof Treatment of Kitchen Building Part 02 in SNMMCH Dhanbad.	2,41,800.00	4,900.00	500.00	07 दिन।
8	Roof Treatment of Kitchen Building Part 03 in SNMMCH Dhanbad.	2,29,100.0	4,600.00	500.00	07 दिन।
9	Roof Treatment of Kitchen Building Part 04 in SNMMCH Dhanbad.	1,47,500.00	3,000.00	500.00	07 दिन।

नोट :– 1) निविदा की शर्ते :– www.iprdjharkhand.in/iprd123@gmail.com/iprd@sify.com/jharkhandiprd@yahoo.com एवं सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
2) परिमाण विपत्र दिनांक 17.03.2026 को 3:00 PM से 6:00 PM तक सदर थाना धनबाद में दिया जायेगा।
3) जिन संवेदकों को पूर्व में कार्य आवंटित किया जा चुका है एवं उनके द्वारा अकारण एकरारनामा नहीं कराया गया है, ऐसे संवेदकों को परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, धनबाद

PR 374537 (Building)25-26*D

कार्यालय नगर परिषद मिहिजाम

nagarpanchayatmihijam@yahoo.in

सैरात बन्दोबस्ती आमंत्रण सूचना संख्या–UDHD/NPM/2025-26/12

नगर विकास एवं आवास विभाग झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या–07/न0वि0/अधि0/संशो0–101/2010 4125, दिनांक–10.10.13 के कंडिका–5 में लिये गये निर्णयोपरान्त "सैरात, सार्वजनिक भूमि, हाट, बाजार, तालाब एवं घाटो के अतिरिक्त निकायों में अवस्थित अन्य सार्वजनिक सम्पत्तियों का हस्तान्तरण करने के उपरान्त अथवा हस्तांतरण नहीं करने की स्थिति में छः माह के बाद नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा–126 के अन्तर्गत संबंधित परिसम्पत्तियाँ संबंधित नगर निकायों में स्वतः निहित हो जायेगी।"

विभागीय संकल्प एवं उपायुक्त महोदय द्वारा प्राप्त निदेश के अनुपालन के आलोक में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित हाट/सैरातों की डाक बन्दोबस्ती दिनांक–24.03.2026 को अपराह्न 03:00 बजे से नगर परिशद मिहिजाम नया कार्यालय भवन के सभागार में प्रोक्यूरमेन्ट कमिटि की बैठक में आम डाक (उच्चतम डाक) द्वारा किया जायेगा।

डाक में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति/फर्म/कम्पनी बन्दोबस्ती हेतु आवेदन विहित प्रपत्र में जमा करना आवश्यक है, जो इस कार्यालय से 5000.00 (पाँच हजार) रुपये मात्र – (Not Refundable) जमा कर पावती रशीद प्राप्त कर दिनांक–16.03.2026 से दिनांक–22.03.2026 तक (कार्यालय अवधि में) नगर परिशद मिहिजाम नया कार्यालय भवन से प्राप्त किया जा सकता है एवं दिनांक–24.03.2026 के अपराह्न 01:00 बजे तक अपना प्रस्ताव/आवेदन (अग्रधन की राशि एवं आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ) नगर परिशद मिहिजाम नया कार्यालय भवन के निविदा पेटी में जमा कर सकते है।

डाक बन्दोबस्ती की जानेवाली हाट/सैरातों की सूची :–

क्र0 सं0	वसूली/कार्य का प्रकार	दाग नम्बर	सैरात का क्षेत्रफल (एकड़ में)	बन्दोबस्ती की अवधि	न्यूनत्तम डाक बोली की राशि (रुपये में)	डाक में भाग लेने हेतु सुरक्षित जमा राशि (रुपये में)
1	मंगलवार एवं शनिवार को लगनेवाले साप्ताहिक हाट में अस्थायी हाट दुकानदारों से वसूली डाक बन्दोबस्ती	3106/B & 846/B	1.40	वित्तीय वर्ष 2026–27 की अवधि (दिनांक–01.04.2026 से दिनांक–31.03.2027) तक के लिए	825893.00	206473.00

नोट – 1. अग्रधन राशि का मूल्य **Miscellaneous Collection Nagar Parishad Mihijam** के नाम से निर्गत एवं मिहिजाम में भुगतेय बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2. सैरात बन्दोबस्ती आमंत्रण सूचना संख्या–UDHD/NPM/2025-26/12 से संबंधित नियम, शर्तो एवं अन्य विस्तृत जानकारी नगर परिशद मिहिजाम कार्यालय के सूचना पट्ट से प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही जिले के वेबसाईट **www.jamtara.nic.in** पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद, मिहिजाम।

PR 374400 Urban Development and Housing(25-26)D

नीतीश कुमार का परिवारवाद पर यू-टर्न, बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री से उठे सवाल

पटना (ईएमएस): बिहार की राजनीति में दशकों तक वंशवाद के प्रखर विरोधी रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने उनके राजनीतिक सिद्धांतों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। अपने पूरे संसदीय जीवन में लालू यादव और कांग्रेस के परिवारवाद की आलोचना करने वाले नीतीश ने आखिरकार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीति के मैदान में उतारने की अनुमति दे दी है। निशांत ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण कर ली, जिसके बाद बिहार के सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश भी अब उसी राह पर चल पड़े हैं, जिसका वे विरोध करते आए थे।

आज वही नीतीश कुमार अपने ही पुराने बयानों के घेरे में हैं। आलोचकों का कहना है कि बेटे के मोह में नीतीश ने अपने जीवन भर की राजनीतिक शुचिता और सिद्धांतों की कमाई को एक झटके में दांव पर लगा दिया है। अब उनके पास राजद या कांग्रेस के परिवारवाद पर हमला करने का नैतिक आधार कम होता दिख रहा है। निशांत कुमार की जेडीयू में एंट्री केवल एक नए नेता का आगमन नहीं है, बल्कि बिहार की उस एंटी-फैमिली राजनीति के एक बड़े अध्याय का अंत भी माना जा रहा है, जिसकी कमान कभी नीतीश कुमार ने संभाली थी। नीतीश कुमार हमेशा से खुद को जननायक कर्पूरी ठाकुर का सच्चा अनुयायी बताते रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर ने अपने जीवनकाल में परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में आने नहीं दिया था। नीतीश ने भी सालों तक इसी उसूल का पालन किया और अपने परिवार को सत्ता के गलियारों से दूर रखा। पिछले एक साल से निशांत को राजनीति में लाने की मांग उठ रही थी, लेकिन नीतीश की चुप्पी को उनकी ना माना जा रहा था। मगर अचानक खुद राज्यसभा जाने की चर्चा और बेटे को बिहार की सियासत में सक्रिय करने के फैसले ने विरोधियों को आलोचना का बड़ा अवसर दे दिया है।

समाजवादी विचारधारा के ध्वजवाहक माने जाने वाले नीतीश कुमार अक्सर यह कहते रहे हैं कि परिवारवाद लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से कई बार कांग्रेस और राजद पर तीखे प्रहार किए। साल २०१७ में जब राहुल गांधी ने अमेरिका में वंशवाद को भारतीय राजनीति की वास्तविकता बताया था, तब नीतीश ने इसका पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि राजनीतिक परिवार में जन्म लेने मात्र से कोई शासन के योग्य नहीं हो जाता और गैर-परिवारवादी नेता हमेशा बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

ट्रेलर की टक्कर से ऑटो सवार तीन लोगों की मौत

बस्ती,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में एक अनियंत्रित ट्रेलर के कहर ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बस्ती-बांसी मार्ग पर स्थित हरदिया चौराहे के पास यह दर्दनाक हादसा तब हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने अपना नियंत्रण खो दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क पर जा रहे एक ऑटो रिक्शा और कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद ट्रेलर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया।

इस दुखद घटना में ऑटो रिक्शा में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भिजवाया।

डीएसपी और थानाध्यक्ष समेत 12 पुलिसकर्मियों पर गैर जमानती वारंट

पटना (एजेंसी): बिहार में अदालत की अवहेलना करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। विशेष एनडीपीएस कोर्ट-२ ने तत्कालीन पुलिस लाइन के डीएसपी, एक थानाध्यक्ष समेत कुल १२ पुलिसकर्मियों के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी आरोपित पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर ९ मार्च को अदालत में पेश किया जाए।

यह आदेश विशेष एनडीपीएस कोर्ट-२ के न्यायाधीश नरेंद्र पाल सिंह ने जारी किया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि गवाहों की अनुपस्थिति से न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होती है और मामलों के निपटारे में अनावश्यक देरी होती है। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, और अदालत के आदेश की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल अदालत ने दो अलग-अलग मामलों में इन पुलिसकर्मियों को गवाही देने के लिए कई बार समन जारी किया था। इसके बावजूद संबंधित पुलिस अधिकारी और कर्मी अदालत में उपस्थित नहीं हुए। अदालत ने इसे न्यायालय की अवहेलना मानते हुए सभी के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

पहला मामला कुढ़नी थाना क्षेत्र के गरहुआ चौक से जुड़ा है। करीब चार साल पहले पुलिस ने रौशन कुमार नाम के युवक को लोडेड कट्टा और १.९२० मिलीग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था। इस मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और गवाही की प्रक्रिया चल रही है।

लेकिन गवाही के लिए बुलाए जाने के बावजूद पुलिसकर्मी अदालत में पेश नहीं हुए। इस कारण कोर्ट ने तत्कालीन कुढ़नी थानाध्यक्ष अरविंद पासवान, तत्कालीन डीएसपी विपिन नारायण शर्मा, जांच अधिकारी विवेकानंद सिंह, एएसआई प्रकाश कुमार और दो गृहरक्षकों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया।

दूसरा मामला सदर थाना क्षेत्र के खबरा भेल कॉलोनी का है। अगस्त २०२० में पुलिस ने एटीएम फ्रॉड करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया था। छापेमारी के दौरान आरोपियों के पास से एक किलो चरस, एटीएम क्लोनिंग मशीन और नकदी बरामद की गई थी। लेकिन इस मामले में भी लगभग पांच साल बीत जाने के बावजूद संबंधित पुलिसकर्मी गवाही देने अदालत में उपस्थित नहीं हुए। अदालत ने इसे गंभीर मानते हुए इस मामले में भी छह पुलिसकर्मियों के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि गवाहों की अनुपस्थिति से न्यायिक प्रक्रिया बाधित होती है और इससे न्याय मिलने में देरी होती है। अदालत ने कहा कि यदि सरकारी अधिकारी ही अदालत के आदेशों का पालन नहीं करेंगे तो न्याय व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

फिलहाल अदालत के आदेश के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई है और संबंधित पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है।

मोकामा में ट्रक कंटेनर से 80 लाख का 400 किलो गांजा जब्त

पटना (एजेंसी): पटना के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत मोकामा थाना क्षेत्र में पुलिस को गांजा तस्करी मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। सूत्रों के मुताबिक, एक कंटेनर से ८० लाख रू. का ४०० किलो गांजा बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि पुलिसकर्मी के बेटा सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। मोकामा थाना प्रभारी कुणाल कुमार गुप्ता को इसकी सूचना मिली थी। एक ट्रक कंटेनर के जरिए दूसरे राज्य से बख्तियारपुर की ओर भारी मात्रा में गांजे की खेप लाई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी ने तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया और मोकामा-बख्तियारपुर फोरलेन मोड़ के पास धर दबोचा।

जांच के दौरान ट्रक के भीतर छुपाकर रखा गया लगभग ४०० किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से ट्रक को जब्त कर लिया है और तस्करी में प्रयुक्त कंटेनर को थाने ले आई है। इस मामले में पुलिस ने ट्रक चालक सहित तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्करों से पूछताछ में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। अपराधियों ने बताया कि वे दूसरे राज्यों से गांजा लाकर बिहार के विभिन्न जिलों में सप्लाई करते थे। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है ताकि इस धंधे के मास्टरमाइंड तक पहुंचा जा सके।

कोसी नदी में नहाने गए 3 युवकों की डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

भागलपुर (एजेंसी): भागलपुर के बिहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत त्रिमुहान घाट पर सोमवार को कोसी नदी में नहा रहे तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। गोताखोरों की मदद से तीनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। घटना के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई। गांव में मातम पसर हुआ है। दरअसल यह घटना तब हुई जब तीनों युवक नहा रहे थे और इसी दौरान वे गहरे पानी की चपेट में आ गए। देखते ही देखते तीनों लहरों के बीच ओझल हो गए।

तीनों युवकों की पहचान हरियो गांव के ही निवासी के रूप में हुई है। मृतकों में लक्ष्मण कुमार जिसकी उम्र १३ वर्ष, युवराज कुमार उर्फ प्रीतम जिसकी उम्र १४ वर्ष और नयन कुमार जिसकी उम्र १२ वर्ष है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण और परिजन रोते-बिलखते घाट की ओर दौड़ पड़े। वहीं, सूचना पाते ही डब्ठक्त्र की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में काफी मशक्कत के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया और तीनों किशोरों के शवों को पानी से बाहर निकाला गया।

भाजपा तलाश रही नया सीएम, नीतीश से नहीं छोड़ा जा रहा है पटना

पटना,(ईएमएस) : बिहार की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली की डगर पर चल पड़े हैं, पर उन्हे बिहार बहुत प्रिय है। शायद यही वजह है कि उन्होंने भावुक होकर कहा कि वे भले ही दिल्ली जा रहे है लेकिन पैनी नजर बिहार पर रखेंगे। सियासी पंडित इसके मायने निकाल रहे हैं। उनका मानना है कि नीतीश का बिहार में दखल रहेगा। आए दिन विवादों की झलक देखने को मिल सकती है। वहीं भाजपा ऐसे सीएम की तलाश में है जो बिहार को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले सके।

सबसे अहम सवाल बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार होगा जब भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री राज्य की कमान संभालेगा। जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता की भागीदारी का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है, जिसके तहत दोनों दलों को मंत्रिमंडल में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के थिंक टैंक में सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, संजीव चौरसिया और दिलीप जायसवाल जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। पार्टी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो संगठन और सरकार चलाने के अनुभव के साथ-साथ बिहार के जटिल जातीय समीकरणों में भी पूरी तरह फिट बैठ सके।

बीजेपी के लिए यह फैसला चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उसे नीतीश कुमार जैसे कद्दावर व्यक्तित्व का विकल्प पेश करना है। पार्टी को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो हिंदुत्व के एजेंडे और गठबंधन की राजनीति के बीच संतुलन बना सके। सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद राज्य में एक बड़े सर्वमान्य चेहरे की कमी खली है, जिसे भरने के लिए बीजेपी अब किसी लंबी रेस के घोड़े पर दांव लगाना चाहती है। सम्राट चौधरी, जो ओबीसी समाज से आते हैं, वर्तमान में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

बिहार की राजनीति एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिख दी है। नीतीश कुमार के इस कदम के साथ ही उनके पुत्र निशांत कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में आधिकारिक तौर पर एंट्री हो गई है। रविवार को जेडीयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद यह माना जा रहा है कि नीतीश कुमार ने निशांत को अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया है और उन्हें भविष्य की सरकार में उपमुख्यमंत्री के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नीतीश कुमार के इस फैसले का जेडीयू के भीतर काफी विरोध भी हुआ, लेकिन उन्होंने भावुक होकर पार्टी विधायकों को समझाया कि वे भले ही दिल्ली जा रहे हैं, परंतु बिहार की हर गतिविधि पर उनकी पैनी नजर बनी रहेगी। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और निशांत कुमार के राजनीति में आने से बिहार के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। अब सबकी निगाहें दिल्ली और पटना के बीच होने वाली अंतिम दौर की बैठकों पर टिकी हैं कि आखिर वह कौन सा चेहरा होगा जो बिहार की सत्ता की कमान संभालेगा। बीजेपी के लिए यह न केवल सरकार बनाने का अवसर है, बल्कि २०३० तक अपनी राजनीतिक जमीन को अटूट बनाने की एक बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।

तेजस्वी यादव ने बुलाई आज बड़ी बैठक

पटना (एजेंसी): नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने की घोषणा के बाद बिहार में सियासी फेरबदल जारी है। आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को पार्टी की अहम बैठक बुलाई है। इस बैठक में सभी विधायकों को बुलाया गया है। ऐसा अंदेशा लगाया जा रहा है कि बैठक में तेजस्वी यादव कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। बता दें कि रविवार को ही सीएम नीतीश के बेटे निशांत कुमार ने आधिकारिक रुप से जदयू पार्टी की सद्स्यता ग्रहण की। जिसके बाद से प्रदेश की राजनीति में सियासी हलचलें और तेज हो गई है। इस बीच तेजस्वी भी एक्शन में आ गए हैं।गौरतलब है कि, राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन विपक्ष ने अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा की। राजद की ओर से अमरेंद्र धारी सिंह को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया गया। अमरेंद्र धारी सिंह वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं। ९ अप्रैल को उनका कार्यकाल ख़त्म हो रहा है। पार्टी ने उनको दुबारा मौका दिया है। १६ मार्च को राज्यसभा के ३७ सीटों पर चुनाव होना है। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार के इस बैठक में पार्टी के विधायकों के साथ मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की जाएगी। साथ ही आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर भी रणनीति तय की जाएगी। वहीं, नीतीश कुमार के भविष्य के राजनीतिक कदमों और जदयू में संभावित बदलावों को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

अंचलाधिकारी और कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर, डिप्टी सीएम ने दी ये चेतावनी

पटना (एजेंसी): बिहार में राजस्व प्रशासन से जुड़ी सेवाएं सोमवार से पूरी तरह प्रभावित हो गई हैं। राज्य के सभी अंचलाधिकारी बिहार राजस्व सेवा संघ और बिरसा यूनाइटेड के आह्वान पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। पहले से ही राजस्व कर्मचारी पिछले १७ दिनों से हड़ताल पर हैं, ऐसे में अधिकारियों और कर्मचारियों के एक साथ काम बंद कर देने से राज्य भर के अंचल कार्यालयों में कामकाज लगभग ठप हो गया है। अधिकारियों का कहना है कि सरकार डीसीएलआर (भूमि सुधार उप समाहर्ता) पद पर तैनाती को लेकर लगातार वादाखिलाफी कर रही है और पटना हाई कोर्ट के आदेश का भी पालन नहीं किया जा रहा है। इसी के विरोध में अंचलाधिकारियों ने कार्य बहिष्कार करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है।

बिहार राजस्व सेवा संघ का आरोप है कि लंबे समय से राजस्व सेवा के अधिकारियों को डीसीएलआर पद पर तैनात करने की मांग लंबित है। संघ का कहना है कि इस मामले में अदालत ने भी स्पष्ट निर्देश दिया था, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसी वजह से अधिकारियों में नाराजगी बढ़ती गई और आखिरकार उन्होंने हड़ताल का रास्ता चुन लिया।

राज्य में हालात पहले से ही तनावपूर्ण थे, क्योंकि राजस्व कर्मचारी पिछले १७ दिनों से कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। कर्मचारी प्रोन्नति, स्थानांतरण, वेतन विसंगति समेत अपनी १७ सूत्री मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। अब अधिकारियों के भी हड़ताल में शामिल हो जाने से अंचल कार्यालयों में पूरी तरह सन्नाटा छा गया है।

इस हड़ताल का सबसे बड़ा असर जमीन से जुड़े कामों पर पड़ा है। दाखिल-खारिज, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जमीन विवादों के निपटारे और राजस्व वसूली जैसे कई महत्वपूर्ण काम ठप पड़ गए हैं। इसके अलावा राज्य में चल रहे विशेष भूमि सर्वे और चकबंदी कार्यक्रम भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में किसानों और आम लोगों की परेशानियां तेजी से बढ़ने लगी हैं।

उधर, बिहार सरकार ने इस हड़ताल पर कड़ा रुख अपनाया है। राज्य के डिप्टी सीएम और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने हड़ताल पर गए अंचलाधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों को नौकरी करनी है तो उन्हें जनसेवक बनकर काम करना होगा, अन्यथा सरकार उन्हें सेवा से हटाने की व्यवस्था करेगी।

विजय सिन्हा ने कहा कि विभाग में पारदर्शिता लाने के बाद कुछ लोगों की बेचैनी बढ़ गई है। पहले ऐसी व्यवस्था थी कि जनता अधिकारियों के पीछे घूमती थी, लेकिन अब उस संस्कृति को खत्म किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार हड़ताल की अवधि की गिनती कर रही है और यदि कर्मचारी जल्द काम पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ निलंबन से लेकर नई बहाली तक की कार्रवाई की जा सकती है।

बंगाल की जनता अपने राष्ट्रपति के अपमान का बदला लेगी : दानिश आजाद अंसारी

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पर दिए बयान पर पलटवार किया। अंसारी ने कहा कि बंगाल की जनता अपने राष्ट्रपति के अपमान का बदला लेगी।

लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में जिस तरह से राज्य सरकार लगातार इस तरह का तानाशाही रवैया अपना रही है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रपति के साथ जो व्यवहार टीएमसी सरकार ने किया, वह किसी भी तरह से ठीक नहीं है। सीएम का यह व्यवहार दर्शाता है कि उन्हें लोकतांत्रिक ढांचे की मजबूती से कोई लेना-देना है और न ही संविधान पर आस्था है। उनकी ओर से जिस तरह से राष्ट्रपति मुर्मु का अपमान किया गया, उससे पूरा देश दुखी है।

सीएम ममता सरकार को माफी मांगनी चाहिए।

जिला परिषद, धनबाद

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–

20/2025-26/DE/ZPDH/DHANBAD/2nd Call

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	तोपचाँची	चैता में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण	55,50,000	10,000	B.O.Q. का 2%	9 माह
2	कलियासोल	असनलिया कांजीडीह में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण	55,50,000	10,000	B.O.Q. का 2%	9 माह
3	एग्यारकुण्ड	चाँच में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण	55,50,000	10,000	B.O.Q. का 2%	9 माह
4	बाघमारा	डुमरा दक्षिण में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण	55,50,000	10,000	B.O.Q. का 2%	9 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक **11-03-2026**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक **18-03-2026** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक **20-03-2026** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– **9431396945**
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में **अग्रधन की राशि** वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विस्तृत विवरणी एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद।

PR 374517 (Rural Development) 25-26 (D)

झारखण्ड सरकार।
अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग।

कार्यालय : समेकित जनजाति विकास अभिकरण, जामताड़ा

आम सूचना

वित्तीय वर्श 2021–22, 2022–23, 2023–24 एवं 2024–25 में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत जिन–जिन लाभुकों को योजना की स्वीकृति दी गयी है उन सभी लाभुकों कों सूचित किया जाता है कि प्रतिमाह निर्धारित E.M.I की राशि एवं अबतक नहीं जमा किये कुल E.M.I की राशि को निम्न खाता में जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

क्र0सं0	कोटि	खाता संख्या	शाखा का नाम एवं आई.एफ.सी. कोड
1	अनुसूचित जनजाति (ST) Loan Recovery Child Account Dwo Jamtara	476521110000025	Bank of India, Jamtara BKID0004765
2	पिछड़ी जाति (BC) Loan Recovery Child Account Dwo Jamtara	476521110000026	
3	अनुसूचित जाति (SC) Loan Recovery Child Account Dwo Jamtara	476510210000023	
4	अल्पसंख्यक कोटि (MIN) JSMFDC Loan Recovery Child Account Dwo Jamtara	664302010009561	Union Bank, Jamtara UBIN0566438

प्रतिमाह निर्धारित E.M.I की राशि/अबतक नहीं जमा किये गये कुल E.M.I की राशि को जमा नहीं करने की स्थिति में विधि–सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

PR 374399 Godda(25-26)D

उपायुक्त,जामताड़ा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद

शुद्धि पत्र

दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित निविदा संख्या 10/2025–26 पी0आर0 सं0 374164 Building (2025-26) :D का ग्रुप सं0 24 Emergent repair of D type quarter no11 in officer colony dhanbad को अप्रिहार्य कारणो से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, धनबाद

PR 374535 Building(25-26)#D

घंटी आधारित शिक्षकों की नियुक्ति पर सुदिव्य सोनू का करारा जवाब, कहा- राज्य सरकार ने प्रक्रिया में कोई गलती नहीं की

रांची (एजेंसी): राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में घंटी आधारित कार्यगत शिक्षकों को प्राथमिकता देने के मुद्दे पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू ने विधानसभा में सोमवार को करारा जवाब दिया। यह जवाब उन्होंने विधायक प्रदीप यादव के सवाल पर दिया। सुदिव्य सोनू ने कहा कि विभाग ने तकनीकी रूप से नियुक्ति प्रक्रिया में कोई गलती नहीं की है। उनका कहना था कि सरकार चाहती है कि खुली प्रतिस्पर्धा में अच्छे शिक्षक आएं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों को न्यायालय जाना है, वे जा सकते हैं। जिन्हें लगता है कि उनके साथ अन्याय हो रहा है, उन्हें न्यायालय जाने का अधिकार है, लेकिन राज्य सरकार लेक्चररों की नियुक्ति में कहीं भी प्रक्रियात्मक त्रुटि नहीं कर रही है।

प्रदीप यादव ने कहा था कि सरकार ने नीड बेस्ट लेक्चररों को जो अंक आधारित प्राथमिकता दी है, वह बहुत कम है, जिसके कारण वे आवेदन ही नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही सरकार इसे मानने को तैयार नहीं है, लेकिन हाईकोर्ट का आदेश आने पर नियम लागू हो जाएगा। इस पर सुदिव्य सोनू ने कहा कि जिनको न्यायालय जाना है, वे जाएं। प्रदीप यादव द्वारा बिहार और हरियाणा में हुई बहाली का उदाहरण देने पर सुदिव्य सोनू ने कहा कि जरूरी नहीं कि बिहार के नियम झारखंड में भी लागू किए जाएं। अगर ऐसा होता, तो बिहार से झारखंड के अलग होने की जरूरत ही क्या थी।

जामताड़ा के हांसी पहाड़ी में असामाजिक तत्वों ने घरों पर चिपकाए धमकी भरे पत्र, लोगों में दहशत, जांच में जुटी पुलिस

रांची (एजेंसी): जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के हांसी पहाड़ी (वार्ड संख्या २०) में पिछले कुछ दिनों से असामाजिक तत्वों की हरकतों ने स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा लोगों के घरों के मुख्य द्वार पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी लिखे पत्र चिपकाए जा रहे हैं, जिससे पूरे इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विशेष रूप से स्थानीय निवासी डी.एन. ओझा और हाफिज मियां के घरों को निशाना बनाया गया है। उनके घरों के दरवाजों पर आपत्तिजनक भाषा और जानलेवा धमकी वाले पत्र चिपकाए गए हैं।

पीड़ित हाफिज मियां ने बताया कि इस तरह की घटनाएं नगर निकाय चुनाव के परिणाम आने के बाद से शुरू हुई हैं। हालांकि, इन धमकियों के पीछे की असली वजह और इसमें शामिल व्यक्तियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना तुरंत मिहिजाम थाना को दी गई। सूचना मिलने के बाद सोमवार को एएसआई किशन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ितों सहित आसपास के लोगों से गहन पूछताछ की।

मिहिजाम थाना पुलिस ने बताया, पुलिस मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय इनपुट के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

शांति व्यवस्था भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं यह चुनावी रंजिश का परिणाम तो नहीं है।

राज्यसभा की दोनों सीटों पर झामुमो उतारेगा उम्मीदवार : हेमलाल मुर्मू

रांची (एजेंसी): झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर ही खींचतान शुरू हो गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस दोनों ही दल इन सीटों पर अपना दावा जता रहे हैं। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय के बाद विधायक हेमलाल मुर्मू ने भी कहा है कि राज्यसभा की दोनों सीटों पर झामुमो अपने उम्मीदवार उतारेगा। उनका कहना है कि पार्टी इस चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस भी इन सीटों पर दावा कर रही है। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा है कि राज्यसभा की एक सीट पर कांग्रेस का उम्मीदवार होना चाहिए। इसके साथ ही कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने भी मांग की है कि उनके पिता और वरिष्ठ नेता फुरकान अंसारी को राज्यसभा भेजा जाना चाहिए। दरअसल, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद एक राज्यसभा सीट खाली हो गई है। वहीं भाजपा सांसद दीपक प्रकाश का कार्यकाल भी २१ जून को समाप्त होने वाला है। ऐसे में मई-जून में इन दोनों सीटों के लिए चुनाव होने की संभावना है। इसी को लेकर झामुमो और कांग्रेस के बीच अभी से राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है और दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान खुलकर सामने आने लगी है।

पप्पू सिंह को अखिल राजपुताना कल्याण न्यास ने किया सम्मानित

रांची (एजेंसी) : अखिल राजपुताना कल्याण न्यास की नामकुम इकाई द्वारा समाज में एकता, परंपरा और सेवा भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नामकुम स्थित उद्यैन भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें वार्ड संख्या ३२ से विजयी पप्पू सिंह को मंच पर आमंत्रित कर अंगवस्त्र एवं पारंपरिक तलवार भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया। समारोह में स्वर्ण समाज के प्रदेश अध्यक्ष तथा अखिल राजपुताना कल्याण न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष सिंह ने समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर सामाजिक विकास, भाईचारा और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बिपिन सिंह, सुभाष सिंह, आर.के. सिंह, अजय कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह और अखिलेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जबकि इस अवसर पर श्रीराम सिंह, संतोष सिंह, विनोद सिंह, सुबोध सिंह, राकेश सिंह, विनोद कुमार सिंह, प्रकाश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सूरज झा, राहुल पाठक, राहुल बिहारी, आकाश, वीरू सिंह, सुभाष सिंह, वक्त भाई, अमरेंद्र सिंह, अजय सिंह सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और समाज में एकता, सम्मान तथा सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

मुख्यमंत्री से झारखंड विधानसभा की महिला सदस्यों ने की मुलाकात

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में झारखंड विधानसभा की महिला सदस्यों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी सदस्यों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित सभी महिला सदस्यों को सम्मानित किया और राज्य के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इस दौरान विधानसभा की महिला सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दीं और राज्य में महिलाओं के उत्थान, सुरक्षा और सशक्तिकरण से संबंधित विषयों पर अपने सुझाव साझा किए।

आरसीडी के प्रधान सचिव ने की शिष्टाचार भेंट

मुख्यमंत्री से झारखंड विधानसभा में पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को विभाग के आगामी वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के बजट की प्रति भेंट की। प्रधान सचिव ने मुख्यमंत्री को वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के दौरान विभागीय कार्यों के प्रगति प्रतिवेदन, वर्ष २०२६-२७ के लिए तैयार की गई योजनाओं व कार्यक्रमों की रूपरेखा से अवगत कराया।

कपाली में हुआ बम विस्फोट, बाल-बाल बचे घर में सो रहे लोग

सराबकेला (एजेंसी): खरसावां जिले के कपाली ओपी क्षेत्र में देर रात अज्ञात बदमाशों द्वारा एक घर की दीवार पर बम लगाकर विस्फोट कर देने की घटना सामने आयी है। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का महौल है। घटना कपाली ओपी क्षेत्र के गौस नगर फुटबॉल मैदान के पास की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार मेहरून बीबी के मकान की दीवार पर अज्ञात युवकों द्वारा बम लगाकर विस्फोट कर दिया। घटना बीते रात करीब २ बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही कपाली ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा पूछताछ में प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद जसिम अशरफी ने बताया कि देर रात अचानक एक जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरा कमरा धुएं से भर गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि कमरे में रखा कूलर भी अपनी जगह से दूर जा गिरा।

पृष्ठ एक का शेषांश

ईरान जंग पर---

मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने पश्चिम एशिया संकट और भारत पर इसके प्रभाव को लेकर सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश हितों के साथ समझौता करने का आरोप लगाया। संसद भवन के निकट हुए इस विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कुछ अन्य दलों के नेता शामिल हुए।

अध्यक्ष का पद एक---

से नहीं कर रहे हैं और सत्ताधारी दल के पक्ष में झुकाव दिखा रहे हैं। हालांकि, लोकसभा में संख्या बल को देखते हुए इस अविश्वास प्रस्ताव को राजनीतिक तौर पर अधिकतर प्रतीकात्मक माना जा रहा है क्योंकि इसके पारित होने की संभावना कम है। कांग्रेस के मुताबिक इस प्रस्ताव पर कुल ११८ सांसदों के हस्ताक्षर हैं। कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम समेत कई विपक्षी दलों ने इसका समर्थन किया है। टीएमसी ने अब तक इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया है कि लोकसभा अध्यक्ष ने बार-बार उन्हें सदन में जनहित से जुड़े अहम मुद्दे उठाने का अवसर नहीं दिया। विपक्ष का कहना है कि इसके चलते ही उन्हें लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का कदम उठाया गया है।

सीएम हेमंत सोरेन को---

आदिवासी संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे पूरे राज्य में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष रंजीत टोप्पो, सचिव सूरज टोप्पो, संरक्षक सुमित टोप्पो, फूलमनी टोप्पो, मोहन उरांव, पेपला पहान, गुड़िया टोप्पो तथा मनीष कुमार मौजूद थे। मुलाकात के दौरान विधायक राजेश कच्छप और सुरेश कुमार बैठा भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री दो दिवसीय---

यहां मालूम हो कि फरवरी में भी मुख्यमंत्री असम दौरे पर गए थे। असम के चाय बागानों में रहने वाले लगभग ७० लाख आदिवासियों (विशेषकर मुंडा, उरांव और संथाल समुदायों) के अधिकारों और उन्हें अनुसूचित जनजाति (डब) का दर्जा दिलाने की मांग पर जोर दिया था। वहां रह रहे आदिवासियों की समस्याओं को दूर कराने का भरोसा दिलाया था। कहा था कि जरूरत पड़ी तो झारखंड के आदिवासी भी उनके पक्ष में असम आएंगे। हालांकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का लगातार हो रहे दौरे के केंद्र में अप्रैल-मई में असम में संभावित विधानसभा चुनाव है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र---

अदालत को बताया गया कि एसिड अटैक पीड़िताओं को बैंक खाता खोलने, आधार कार्ड बनवाने, संपत्ति की रजिस्ट्री कराने या मोबाइल सिम कार्ड लेने जैसी प्रक्रियाओं में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। डिजिटल केवाईसी प्रक्रिया में पलकें झपकाने या उंगलियों के निशान देने जैसी बायोमेट्रिक प्रक्रियाएं कई बार उनके लिए संभव नहीं होतीं। इस पर पीड़िताओं ने अदालत से अनुरोध किया कि केंद्र सरकार को निर्देश दिए जाएं कि डिजिटल केवाईसी के लिए समावेशी और वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जाए। अदालत ने कहा कि सरकार का जवाब आने के बाद मामले की आगे सुनवाई की जाएगी।

कोर्ट को बम से---

परिसर खाली कराने की चेतावनी भी दी गई थी। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि इस धमकी की जानकारी सोमवार सुबह करीब ९ बजे न्यायिक पदाधिकारी के माध्यम से पुलिस को मिली। इसके बाद तत्काल पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर को खाली करा दिया गया। बम और डॉग स्क्वायड की टीम ने भी जांच शुरू कर दी है। न्यायालय परिसर के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई है, ताकि आम लोगों की आवाजाही नियंत्रित की जा सके।

केंद्र संवैधानिक अदालतों में---

लैंगिक समानता को बनाए रखने में बड़ी बाधा है। रमना के अनुसार, अदालतों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए न केवल सरकारी इरादों में सुधार जरूरी है, बल्कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और सक्रिय प्रयास भी आवश्यक हैं। उनका बयान महिलाओं के न्यायिक क्षेत्र में बढ़ते योगदान को उजागर करने के साथ ही उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट में लैंगिक समानता की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर देता है।

अब सुप्रीम कोर्ट के---

कॉलेजियम सिस्टम को न संसद ने कानून पास करके बनाया है और न ही यह संवैधानिक प्रावधान है। कॉलेजियम सिस्टम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से आकार लिया है, जिसमें पांच वरिष्ठ जज शामिल होते हैं। कॉलेजियम सिस्टम की अगुवाई भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) करते हैं।

मनरेगा कर्मियों की सांकेतिक हड़ताल शुरू, 6 महीने से नहीं हुआ मानदेय का भुगतान

रांची (एजेंसी): लंबित मांगों के समर्थन में झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वान पर राज्यभर के मनरेगा कर्मियों की तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल सोमवार से शुरू हो गई। हड़ताल के पहले दिन ९ मार्च को राज्य के विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों के समक्ष मनरेगा कर्मियों ने शांतिपूर्ण ढंग से धरना-प्रदर्शन किया। धरना-प्रदर्शन में ग्राम रोजगार सेवक, कनीय अभियंता, लेखा सहायक, कंप्यूटर सहायक, सहायक अभियंता और प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी समेत मनरेगा से जुड़े कर्मियों ने भाग लिया।

कर्मियों ने कहा कि वे लंबे समय से कई तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। लेकिन अब तक समाधान के लिए ठोस पहल नहीं की गई है। धरना के दौरान वक्ताओं ने कहा कि राज्य के मनरेगा कर्मियों को छह माह से अधिक समय से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। इसके अलावा नियमितीकरण नीति का अभाव, असमान वेतन संरचना और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण कर्मियों को गंभीर आर्थिक और मानसिक परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। इसके बावजूद वे वर्षों से ग्रामीण विकास की इस महत्वपूर्ण योजना को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ संचालित कर रहे हैं।

सकारात्मक पहल करने की मांग

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से समस्याओं का न्यायसंगत समाधान प्राप्त करना है। उन्होंने राज्य सरकार से मनरेगा कर्मियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द सकारात्मक पहल करने की मांग की।

संघ के अनुसार पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत १० मार्च को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जबकि ११ मार्च को प्रदेश मुख्यालय में राज्यस्तरीय धरना आयोजित किया जाएगा। इसके बाद भी सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जाती है तो १२ मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिरुद्ध पाण्डेय ने कहा कि संगठन कर्मचारियों की गरिमा, सुरक्षा और न्यायसंगत अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मांगों के समाधान तक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन जारी रहेगा।

को-टर्मिनस कर्मियों को भी मिलेगी जीवन और दुर्घटना बीमा सहित कई सुविधाएं

रांची (एजेंसी): झारखंड विधान सभा में को-टर्मिनस कर्मियों को मिलने वाली सुविधाओं का मुद्दा उठाया गया। भाजपा विधायक अमित कुमार यादव के सवाल के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि इन कर्मियों को भी राज्य कर्मियों की तरह कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मंत्री ने बताया कि को-टर्मिनस कर्मियों को जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, आवास ऋण, शिक्षा ऋण सहित अन्य सुविधाएं देने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इन सुविधाओं के लिए बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू किया है। अमित कुमार यादव ने सवाल किया था कि मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ कार्य करने वाले बाह्य कोटा के निजी सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर, अनुसेवक, चालक और अन्य को-टर्मिनस कर्मियों को भी क्या यह सुविधाएं मिलेंगी।

रजरप्पा मंदिर में दिखी पुलिस की दहशतगर्दी, श्रद्धालु युवक को मां और पत्नी के सामने पीटा, वीडियो वायरल होने के बाद 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

रामगढ़ (एजेंसी): झारखंड के रामगढ़ जिले स्थित प्रसिद्ध रजरप्पा मंदिर परिसर से पुलिस की कथित गुंडागर्दी का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

घटना की जांच खुद पुलिस अधीक्षक ने की और मिली खबर के मुताबिक आरोपी पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

वीडियो में पुलिसकर्मी एक युवक को बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना मंदिर परिसर की है, जहां श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच युवक की पिटाई की गई।

सबसे हैरान करने वाली बात यह बताई जा रही है कि जिस युवक को पुलिस पीट रही है, उसकी मां और पत्नी भी मौके पर मौजूद थीं।

दोनों महिलाओं के सामने ही युवक को डंडों और लात-घूंसों से पीटा गया।

महिलाएं लगातार पुलिस से युवक को छोड़ने की गुहार लगाती रहीं, लेकिन पुलिसकर्मी उन पर ध्यान दिए बिना मारपीट करते रहे।

घटना का वीडियो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है और पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर कई लोग इस घटना की निंदा करते हुए पूछ रहे हैं कि आखिर मंदिर परिसर में श्रद्धालु के साथ इस तरह की कार्रवाई क्यों की गई। लोगों का कहना है कि अगर युवक से कोई गलती हुई भी थी, तो पुलिस को कानून के दायरे में कार्रवाई करनी चाहिए थी, न कि इस तरह सार्वजनिक रूप से पिटाई करनी चाहिए थी।

फिलहाल इस मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि वीडियो के वायरल होने के बाद पूरे मामले की जांच की मांग तेज हो गई है और लोगों का कहना है कि दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

जादुई टीवी : आर्यन और सुपरहीरो की सीख

एक खूबसूरत शहर 'आनंदनगर' में आर्यन नाम का एक बहुत ही नटखट लड़का रहता था। आर्यन कक्षा दो में पढ़ता था, लेकिन उसके नखरे किसी राजा-महाराजा से कम नहीं थे। स्कूल जाने के नाम पर वह पूरे घर को सिर पर उठा लेता था। लंच बॉक्स में भी उसे रोज नए पकवान चाहिए होते थे—कभी पास्ता, तो कभी चीज सैंडविच। लेकिन आर्यन की सबसे बड़ी बीमारी कुछ और ही थी, और वह थी टेलीविजन देखने की बुरी लत।

आर्यन की दो बड़ी बहनें भी थीं—रिया और सिया। ये तीनों भाई-बहन जब घर में होते, तो घर किसी युद्ध के मैदान जैसा लगता था। स्कूल से आते ही आर्यन का बस्ता सोफे पर उड़ता हुआ जाता और वह सीधा टीवी के सामने रिमोट लेकर बैठ जाता। उसका सबसे पसंदीदा कार्टून था—'सुपरहीरो वायु'।

घर वालों की परेशानी

आर्यन और उसकी बहनों को टीवी देखने का इतना शौक था कि उन्हें खाने-पीने की भी सुध नहीं रहती थी। टीवी का रिमोट हमेशा आर्यन के हाथ में होता, जैसे वह कोई बंदूक लेकर सीमा पर पहरा दे रहा हो।

इस जादुई टीवी के चक्कर में पूरे घर वाले परेशान थे:

पापा: बेचारे दिन भर ऑफिस में काम करते और शाम को समाचार या क्रिकेट मैच देखना चाहते, लेकिन आर्यन उन्हें रिमोट छूने भी नहीं देता।

मम्मी: मम्मी का पसंदीदा कुकिंग शो हमेशा छूट जाता था।

दादा-दादी: दादाजी को देश-दुनिया की खबरें देखनी होती थीं और दादीजी को शाम के वक्त भजन सुनने होते थे, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं था। जब आर्यन अपने मम्मी-पापा की ही नहीं सुनता था, तो दादा-दादी की बात तो बहुत दूर थी।

जब भी कोई आर्यन से रिमोट माँगता, वह जोर-जोर से रोने का नाटक शुरू कर देता। उसकी कान फाड़ू रुलाई से डरकर सब हार मान लेते थे। घर में अक्सर मजेदार कहानियां पढ़ने के बजाय, सिर्फ टीवी का ही शोर गूंजता रहता था।

दादाजी झुंझला कर कहते, 'पता नहीं इन बच्चों को इस टीवी में क्या मजा आता है। हमारी तो भजन सुनने की किस्मत ही फूट गई है।'

एक अनोखी घटना: टीवी से बाहर आया हाथ!

रविवार का दिन था। आर्यन, रिया और सिया, तीनों एक साथ टीवी से चिपक कर 'सुपरहीरो वायु' का शो देख रहे थे। आर्यन के हाथ में पॉपकॉर्न का बड़ा सा बाउल था और उसकी आँखें बिना झपकाए स्क्रीन पर गड़ी थीं।

अचानक टीवी की स्क्रीन में एक अजीब सी चमक उठी। स्क्रीन की नीली रोशनी बहुत तेज हो गई और कमरे में हवा चलने लगी। आर्यन ने अपनी आँखें मलीं। उसे लगा शायद उसकी आँखें थक गई हैं।

लेकिन तभी कुछ ऐसा हुआ जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। जादुई टीवी की स्क्रीन पानी की तरह हिलने लगी और उसमें से 'सुपरहीरो वायु' का एक बड़ा सा हाथ बाहर निकल आया। उस हाथ ने आर्यन के हाथ से पॉपकॉर्न का बाउल छीन लिया और फिर हल्के से आर्यन का कान पकड़ लिया।

'अरे-अरे! यह क्या हो रहा है! बचाओ!' आर्यन डर के मारे सोफे के पीछे दुबकने लगा। रिया और सिया भी डर कर चिल्लाने लगीं।

सुपरहीरो की फटकार और सीख

सुपरहीरो वायु का पूरा चेहरा टीवी की स्क्रीन से बाहर झांकने लगा। वह आर्यन को घूरते हुए बोला, 'आर्यन! मैं तुमसे बहुत नाराज हूँ। मैं तुम्हारा दोस्त नहीं हूँ!'

आर्यन कांपते हुए बोला, 'प.प.पर वायु भैया, मैंने क्या किया है? मैं तो आपका सबसे बड़ा फैन हूँ। मैं तो दिन भर आपका ही शो देखता हूँ।'

वायु ने कड़क आवाज में कहा, 'यही तो तुम्हारी सबसे बड़ी गलती है। तुम दिन भर टीवी से चिपके रहते हो। बाहर जाकर मैदान में पसीना नहीं बहाते। क्या तुम्हें पता है, असली सुपरहीरो वो होता है जो बाहर जाकर खेलता है, स्वस्थ खाना खाता है और अपने बड़ों की बात मानता है।'

रिया और सिया भी डर कर खड़ी थीं। वायु ने उनकी तरफ देखते हुए कहा, 'और तुम दोनों भी सुन लो। टीवी ज्यादा देखने से तुम्हारी आँखें खराब हो रही हैं। तुम अपने मम्मी-पापा और दादा-दादी को बहुत परेशान करती हो। क्या तुम्हें नहीं लगता कि उन्हें भी अपना पसंदीदा कार्यक्रम देखने का हक है?'

यह एक ऐसी शिक्षाप्रद कहानी बन रही थी जिसे बच्चे कभी भूलने वाले नहीं थे।

बच्चों का वादा

आर्यन को अपनी गलती का अहसास होने लगा। उसने सिर झुकाकर कहा, 'सॉरी वायु भैया। हमें टीवी देखने में बहुत मजा आता है, इसलिए हम रिमोट नहीं छोड़ते।'

वायु ने मुस्कुराते हुए समझाया, 'मजा आना अच्छी बात है बच्चों, लेकिन हर चीज की एक सीमा होती है। हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है कि 'अति' किसी भी चीज की बुरी होती है। अगर तुम सारा दिन सिर्फ कार्टून देखोगे, तो तुम्हारी बुद्धि का विकास कैसे होगा? तुम्हें लोटपोट की अच्छी-अच्छी हिंदी कहानियां पढ़नी चाहिए और बड़ों का सम्मान करना चाहिए।'

'अब तुम तीनों मुझसे प्रॉमिस करो,' वायु ने अपना हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा, 'कि आज से तुम टीवी देखने का एक समय तय करोगे। पापा को न्यूज देखने दोगे और शाम को दादी को भजन जरूर सुनने दोगे।'

'प्रॉमिस वायु भैया। पक्का वाला प्रॉमिस!' आर्यन, रिया और सिया ने एक साथ चिल्लाकर कहा।

'और हाँ,' वायु ने टीवी के अंदर जाते-जाते शरारत से कहा, 'अगर तुमने अपना वादा तोड़ा, तो अगली बार मैं अपने साथ 'भयंकर दानव' को भी ले आऊँगा!'

'नहीं-नहीं! हम वादा निभाएंगे।' तीनों बच्चे घबराकर बोले।

निष्कर्ष : सुधर गया आर्यन

उस दिन के बाद से आनंदनगर के उस घर का नजारा पूरी तरह बदल गया। आर्यन ने अपना स्क्रीन टाइम बहुत कम कर दिया। अब वह शाम को पार्क में फुटबॉल खेलने जाता था।

शाम के सात बजते ही आर्यन खुद टीवी का रिमोट अपनी दादी के हाथों में थमा देता और कहता, 'दादीजी, जल्दी से अपने भजन लगा लीजिए।' पापा भी आराम से न्यूज देखते और मम्मी अपने कुकिंग शो देखकर आर्यन के लिए नए-नए पकवान बनातीं।

यह जादुई टीवी का कमाल था या सुपरहीरो की सीख, लेकिन अब घर में शांति थी। कभी-कभी आर्यन का मन ज्यादा टीवी देखने को करता, लेकिन उसे तुरंत 'भयंकर दानव' की याद आ जाती और वह टीवी बंद करके अपनी किताबों में लग जाता।

सीख

समय सीमा : हमें टीवी, मोबाइल या वीडियो गेम्स एक निश्चित समय तक ही देखने चाहिए। ज्यादा टीवी देखने से आँखें और दिमाग दोनों कमजोर होते हैं।

बड़ों का सम्मान : घर की चीजों पर सबका समान अधिकार है। हमें अपने माता-पिता और दादा-दादी की पसंद का भी सम्मान करना चाहिए।

मैदानी खेल : शारीरिक और मानसिक विकास के लिए टीवी के सामने बैठने से ज्यादा अच्छा बाहर मैदान में खेलना है।

छोटे बच्चों के आंखों के चेकअप को लेकर कभी ना करना ये गलती

बहुत से माता-पिता सोचते हैं कि बच्चों की आंखों की जांच तब करानी चाहिए जब उन्हें साफ दिखाई न दे या वे शिकायत करें। लेकिन आंखों के विशेषज्ञों के अनुसार जल्दी और नियमित आई चेक-अप बच्चों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। आइए समझते हैं क्यों और किन आम गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है।

जल्दी आंखों की जांच क्यों जरूरी है?

बच्चे हमेशा अपनी परेशानी बता नहीं पाते। छोटे बच्चे अक्सर यह समझ ही नहीं पाते कि उन्हें धुंधला दिखाई दे रहा है। उन्हें लगता है कि सबको ऐसा ही दिखता है। ऐसे में समस्या देर से पकड़ में आती है।

'आलसी आंख' का खतरा: अगर एक आंख कमजोर है और समय पर इलाज न हो, तो दिमाग उस आंख को नजरअंदाज करने लगता है। इसे एम्ब्लायोपिया कहा जाता है। यह समस्या 7-8 साल की उम्र के बाद ठीक करना मुश्किल हो सकती है।

पढ़ाई और व्यवहार पर असर: धुंधली नजर के कारण बच्चा पढ़ाई में पीछे रह सकता है, जल्दी थक सकता है, सिरदर्द की शिकायत कर सकता है। ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो सकती है

बच्चों की आंखों से जुड़े आम मिथक (और सच्चाई)

मिथक 1: 'अगर बच्चा टीवी पास से देखता है तो नजर खराब हो गई है।'

सच्चाई: कभी-कभी आदत या जिज्ञासा भी कारण हो सकती है। लेकिन बार-बार ऐसा हो तो जांच जरूरी है।

मिथक 2: 'आंखों की जांच सिर्फ स्कूल जाने के बाद जरूरी है।'

सच्चाई: विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि जन्म के बाद बेसिक जांच, 6 महीने की उम्र में, 3 साल की उम्र में और फिर स्कूल शुरू होने से पहले जांच करानी चाहिए।

मिथक 3: 'चश्मा लगाने से आंखें और कमजोर हो जाती हैं।'

सच्चाई: सही नंबर का चश्मा आंखों को आराम देता है और नजर सुधारने में मदद करता है। यह कमजोरी नहीं बढ़ाता।

मिथक 4: 'बच्चे बड़े होकर खुद ठीक हो जाएंगे।'

सच्चाई: कुछ समस्याएं समय के साथ ठीक नहीं होतीं, बल्कि बढ़ सकती हैं।

इन संकेतों पर रखें नजर

-बार-बार आंखें मिचमिचाना
-सिर झुकाकर देखना
-किताब बहुत पास लाकर पढ़ना
-बार-बार सिरदर्द
-आंखों में पानी आना या लाल रहना

स्क्रीन टाइम और आंखों की सेहत

आजकल मोबाइल और टैबलेट का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों की आंखों पर असर डाल सकता है। 20-20-20 नियम अपनाएं (हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखें)। बाहर खेलने का समय बढ़ाएं। स्क्रीन का समय सीमित रखें। बच्चों की आंखें उनके सीखने और विकास का अहम हिस्सा हैं। जल्दी जांच = समय पर पहचान = बेहतर इलाज है। अगर आपका बच्चा बिल्कुल ठीक भी दिख रहा हो, तब भी नियमित आंखों की जांच करवाना समझदारी है। छोटी सी सावधानी, भविष्य की बड़ी समस्या से बचा सकती है।

रंगीन थाली : इंद्रधनुष जैसे भोजन से बढ़े सेहत, चमके जिंदगी

रंगीन थाली) के फायदे — क्यों हर रंग का फल और सब्जी सेहत के लिए जरूरी है। यह डाइट हृदय, हड्डियों, त्वचा और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है।

रंगीन थाली क्या है?

रंगीन थाली का मतलब सिर्फ प्लेट को सुंदर बनाना नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ और संतुलित आहार का वैज्ञानिक तरीका है। इस अवधारणा के अनुसार, हमारी थाली में इंद्रधनुष के हर रंग वाले फल और सब्जियाँ शामिल होनी चाहिए।

हर रंग अपने साथ कुछ अलग विटामिन, खनिज, और एंटीऑक्सीडेंट लेकर आता है जो शरीर के अलग-अलग हिस्सों के लिए फायदेमंद होते हैं।

पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, जितनी रंगीन आपकी थाली होगी, उतनी ही आपकी सेहत बेहतर होगी — क्योंकि हर रंग शरीर के किसी खास अंग की रक्षा करता है।

लाल रंग के फायदे

लाल रंग के फल और सब्जियाँ जैसे टमाटर, तरबूज, स्ट्रॉबेरी, अनार, लाल शिमला मिर्च आदि में लाइकोपीन और एंथोसायनिन पाए जाते हैं।

ये तत्व हृदय के स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं, कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखते हैं और कैंसर से भी बचाव में मदद करते हैं।

फायदे:

दिल की धड़कन और रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं

त्वचा को चमकदार बनाते हैं

उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं

हरा रंग के फायदे

हरे रंग की सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, ब्रोकली, लौकी, खीरा, हरी मटर, धनिया आदि क्लोरोफिल, विटामिन के, फोलेट और मैग्नीशियम का बेहतरीन स्रोत हैं।

फायदे:

ये पोषक तत्व हड्डियों को मजबूत और खून के निर्माण में मदद करते हैं।

फायदे:

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं

डिटॉक्सिफिकेशन में सहायक

मानसिक शांति और नींद में सुधार

पीला और नारंगी रंग के फायदे

गाजर, कद्दू, आम, संतरा, पपीता, पीली शिमला मिर्च जैसी चीजों में बीटा-कैरोटीन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में होते हैं।

ये आँखों की रोशनी, त्वचा की चमक और इम्यूनिटी के लिए आवश्यक हैं।

दृष्टि को बेहतर करते हैं

संक्रमणों से बचाव करते हैं

थकान कम करते हैं और ऊर्जा बढ़ाते हैं

नीला और बैंगनी रंग के फायदे

जामुन, ब्लूबेरी, बैंगन, अंगूर जैसी चीजों में एंथोसायनिन और फ्लेवोनॉयड्स पाए जाते हैं।

ये मस्तिष्क के स्वास्थ्य और स्मरण शक्ति को मजबूत बनाते हैं।

फायदे:

दिमाग को तेज और सक्रिय रखते हैं

उम्र से जुड़ी भूलने की समस्या से बचाते हैं

नींद और मूड को संतुलित रखते हैं

सफेद रंग के फायदे

लहसुन, प्याज, मूली, फूलगोभी, केला, अदरक जैसे सफेद रंग के खाद्य पदार्थों में एलिसिन और पोटेशियम होता है।

ये तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, कोलेस्ट्रॉल कम करने और हड्डियों को मजबूत करने में मदद करते हैं।

फायदे:

संक्रमणों से सुरक्षा

ब्लड प्रेशर नियंत्रित

पाचन सुधार

रंगीन थाली के मुख्य लाभ

शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं

पाचन तंत्र मजबूत होता है

मोटापा और वजन नियंत्रित रहता है

डायबिटीज और हृदय रोग का खतरा घटता है

त्वचा और बालों की सेहत में सुधार

शरीर में सूजन कम होती है

कैसे बनाएं अपनी थाली रंगीन?

अपनी थाली में रोज पाँच रंगों के फल या सब्जियाँ शामिल करें

मौसमी फल और सब्जियों का चुनाव करें

जूस की बजाय पूरे फल खाएँ

बच्चों को रंगीन सलाद या फल प्लेट में परोसें ताकि खाने में रुचि बढ़े

निष्कर्ष

रंगीन थाली सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि सेहतमंद जीवन की दिशा है।

हर रंग आपके शरीर को अलग सुरक्षा कवच देता है — लाल से दिल मजबूत होता है, हरा शरीर को साफ रखता है, पीला ऊर्जा देता है, और नीला दिमाग को तेज बनाता है।

मजेदार जोक्स

पीने का पानी

पत्नी : तुम्हें पीने का पानी क्यों चाहिए?

पति :– वो बस मैं पानी डालकर चेक करना चाहता हूँ कि गला कहीं से लीक तो नहीं हो रहा।

जलेबी

यामुंडा : आप कितने साल से जलेबी बना रहे हो?

दुकानदार : 30 साल से।

यामुंडा : बड़ी शर्म की बात है।

दुकानदार : आपसे आज तक जलेबी सीधी नहीं बनी...

गरमा गरम पोहे

नटखट नीटू : आंटी जी पपीताराम है क्या घर पर?

आंटी : हाँ है। गरमा गरम पोहे खा रहा है। तुझे भी भूख लगी होगी न?

नटखट नीटू : हाँ

आंटी : तो फिर घर जाकर खा के आ

दाँत

चेलाराम : क्या आप बिना दर्द किए दाँत निकाल लेते हैं?

डॉक्टर : नहीं तो!

चेलाराम : मैं निकाल लेता हूँ। देखो...ही ही ही!

खाली पेट

पपीताराम : तुम खाली पेट होने पर कितने केले खा सकते हो..?

नटखट नीटू : 6 केले

पपीताराम : गलत जवाब दोस्त, पहला केला खा लेने के बाद तुम्हारा पेट खाली कहाँ रहेगा..?

उल्टा जवाब

माँ : मेरी सारी बात मानोगे, जरा सा भी उल्टा जवाब नहीं दोगे, तो मैं तुम्हें गिफ्ट दूँगी।

यामुंडा : लो, कर लो बात! इस तरह तो सारे गिफ्ट पापा ही ले जाएंगे।

शरीर के बेहतर विकास के लिए प्रोटीन का भरपूर मात्रा में करें सेवन

शरीर के बेहतर विकास के लिए प्रोटीन का भरपूर मात्रा में सेवन करें। प्रोटीन की कमी से शरीर में कई प्रकार के रोग लग जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर के अच्छे विकास के लिए प्रोटीन के सेवन पर जरूर ध्यान देना चाहिए पर इसकी अधिकता भी नुकसान देह है, इसलिए सही मात्रा लेना जरुरी है।

प्रोटीन युक्त आहार का कितनी मात्रा में सेवन करना चाहिए, इसे जानने के कई तरीके हैं। आजकल फिटनेस एप्लिकेशन मौजूद है, जो आपको प्रोटीन के सेवन की मात्रा संबंधी जानकारी दे सकते हैं।

प्रोटीन का सेवन करने का संबंध स्वस्थ व संतुलित आहार के सेवन से है। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि प्रोटीन एक बेहद जरूरी अवयव है, जिसका सेवन सभी के लिए जरूरी है, क्योंकि यह शरीर के उतकों की मरम्मत करने और उनका पुनर्निमाण करने में सहायक होता है, जबकि प्रोटीन का बहुत ज्यादा सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी साबित हो सकता है।

प्रोटीन के सेवन के साथ ही अन्य पोषक तत्वों के सेवन पर भी ध्यान दें, जो आमतौर पर शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं।

प्रोटीन युक्त आहार का बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन करने से वजन बढ़ने की संभावना होती है, इसलिए संतुलित मात्रा में ही इसका सेवन करें।

बहुत ज्यादा प्रोटीन युक्त आहार लेने से पाचन में दिक्कत हो सकती है, जिससे कब्ज और डायरिया जैसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

बढ़ती जा रही है कम उम्र में ही बाल झड़ने और गंजेपन की समस्या

आजकल कम उम्र में ही बाल झड़ने और गंजेपन की समस्या बढ़ती जा रही है। इससे सभी लोग विशेषकर युवा परेशान हैं। हर दूसरे युवा के लिए यह एक एक गंभीर समस्या बन गयी है। खाने पीने मे लापरवाही और बदलते मौसम के चलते बाल झड़ने की समस्या आम बात है हालांकि फैशनेबल और स्टाइलिश लुक की चाहत रखने वाले युवाओं के लिए यह परेशानी एक गंभीर समस्या है। अगर आप भी ऐसी ही किसी परेशानी से दो-चार हो रहे हैं और जल्द ही इसका उपाय चाहते हैं तो अदरक का ये नुस्खा आपकी मदद कर सकता है। अगर आप बाल घने करने के लिए कई तेल और दवा खाकर देख चुके हैं तो इसे भी अदरक आजमा कर देखिए। जानिए इस नुस्खे को बनाने का तरीका ताकि आप भी कम बालों या गंजेपन के चलते शर्मिंदा होने से बचे रह सकें।

अदरक एक एंटी बैक्टीरियल औषधि माना जाता है। अदरक एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने की वजह से इसके प्राकृतिक गुण बालों को झड़ने से भी रोकते हैं। गंजेपन की समस्या से निजात पाने के लिए आप अदरक के रस को नींबू के रस में मिलाकर बालों में लगाएं। ऐसा करने से बालों से डैंड्रफ की समस्या भी दूर होगी और बाल झड़ने बंद हो जाएंगे।

बालों में अदरक लगाते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि इसके रस का एसिडिक नेचर का होने की वजह से ये आपके बालों में खारिश कर सकता है, इसलिए अदरक का जूस लगाने के बाद हमेशा अपने बालों को अच्छी तरह से धोना चाहिए।

गर्मियों में फटाफट
बाथरूम की सफाई के लिए अपनाएं ये हैक्स

अगर आपको भी गर्मी के मौसम में साफ-सफाई का काम करने में काफी परेशानी होती है, तो आप यहां बताए गए क्लिनिंग हैक्स को फॉलो कर फटाफट काम निपटा सकती हैं।

गर्मी में अगर कोई घर में साफ-सफाई करने को कह दे, तो मानो आफत ही आ जाती है। खासकर बाथरूम की सफाई में तो बारिकियों से काम करना पड़ता है। अगर आपको भी गर्मी के मौसम में बाथरूम की सफाई करना एक मुश्किल काम लगता है, तो तो अब आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स और टिप्स बताएंगे, जिसकी मदद से आप गर्मियों में भी फटाफट काम निपटा सकती हैं।

बाथरूम को साफ करने के लिए सबसे पहले करें प्लान

बाथरूम को साफ करने के लिए आपको चाहिए कि आप सबसे पहले प्लानिंग कर लें कि आपको सबसे पहले किस चीज की सफाई करनी है, क्योंकि बाथरूम में बहुत सारी चीजें होती हैं, जिसे साफ करना होता है। ऐसे में अपनी सुविधा अनुसार काम जल्दी निपटाने की टेकनीक अपना सकती हैं।

बाथरुम की सफाई में शॉवर क्लीनर का करें उपयोग

बाथरुम में आप शॉवर क्लीनर का उपयोग करके फर्श और दीवारों को तेजी से और आसानी से साफ कर सकती हैं। आपको बार-बार मग या किसी बर्तन में पानी भरने और उसमें से निकालने की जरूर भी नहीं पड़ेगी।

बाथरूम के शीशे को करें साफ

बाथरूम में सबसे जल्दी साफ होने वाला एक मात्र चीज शीशे ही होते हैं। इसलिए, ऐसी चीजों की सफाई सबसे पहले करें। इसके लिए आप माइक्रोफाइबर कपड़े और सफाई करने वाले स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिंक और बाथटब को इस तरीके से करें क्लीन

सिंक और बाथटब को तेजी से साफ करने के लिए एक हल्के डिटर्जेंट और गर्म पानी का यूज कर सकती हैं। इसमें ज्यादा गंदगी बैठ गई है, तो इसे रगड़ने के लिए स्पंज या ब्रश का उपयोग कर सकती हैं।

बाथरुम के फर्श को फटाफट ऐसे करें साफ

गर्मी में फास्ट और अच्छे से बाथरूम के फर्श को साफ करने के लिए आप डिटर्जेंट और गर्म पानी का उपयोग कर सकती हैं। फर्श को पोछने के लिए मोप का इस्तेमाल कर सकती हैं।

टॉयलेट की सफाई में लें क्लीनर की मदद

बाथरुम की सफाई कर रही हैं, तो जाहिर सी बात है, कि टॉयलेट की सफाई की तो जरूरत पड़ेगी ही। पर गर्मी में झटपट काम निपटाने के लिए टॉयलेट क्लीनर की मदद ले सकती हैं। यह साफ करने का एक प्रभावी तरीका है।

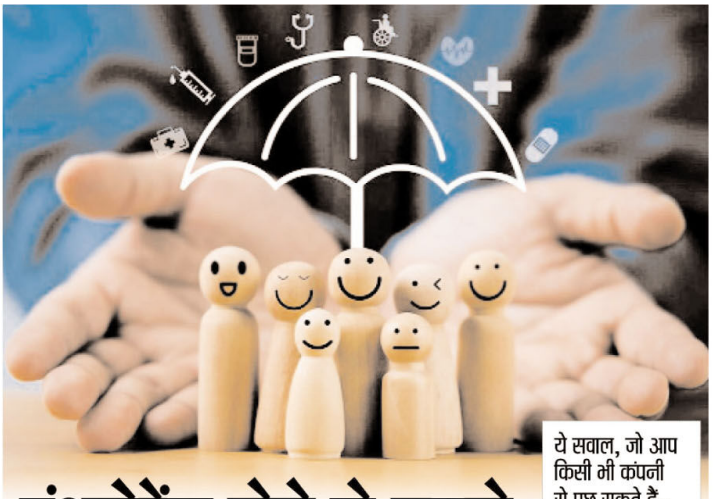

इंश्योरेंस लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

इंश्योरेंस खरीदने से पहले कई प्रकार की बातों का ध्यान का रखना चाहिए जैसे कि आप किस प्रकार का बीमा करवाना चाहते हैं। इसके अलावा क्या इसका चयन आपके लिए बेहतर साबित होगा।

लाइफ को बेहतर बनाने के लिए अक्सर लोग बीमा करवाने का रुख करते हैं ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी होने वाली स्थितिओं से सुरक्षित रह सकें। इसके अलावा उस दौरान उन्हें फाइनेंशियल सपोर्ट मिल सकें। वैसे तो कई प्रकार की बीमा योजनाएं जैसे लाइफ इंश्योरेंस, हेल्थ, ट्रेवल और कार इंश्योरेंस शामिल है। इन सभी चीजों का इंश्योरेंस कराना भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होता है। इससे जुड़ी जरूरते हर इंसान के लिए अलग-अलग होती है लेकिन उसे किस कराते समय किन बातों का ध्यान रखना है यह सामान होता है। हालांकि बाजार में तमाम प्रकार के बीमा प्रोडक्ट मौजूद होने के साथ इसके साथ होने वाले कागजी कार्रवाई कभी ताम-झाम भरी होती है। ऐसे में लोग इंश्योरेंस का सही चुनाव नहीं कर पाते हैं।

इंश्योरेंस करवाते समय रखें इन बातों का ध्यान

जैसा कि हमने ऊपर आपको बताया कि बीमा कई प्रकार के होते है। हम अपनी जरूरत के हिसाब से इसे कराना पसंद करते है। बता दें, कि जिस प्रकार से बीमा कई प्रकार के होते हैं उसी प्रकार से इंश्योरेंस कंपनिया भी कई प्रकार की होती है। ऐसे में सही इंश्योरेंस प्लान का चुनाव करना बहुत जरूरी होता है। अगर आप बीमा खरीदने का प्लान कर रहे है, तो कुछ खास बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है।

कंपनी का करें सही चयन

बीमा करवाते समय यह ध्यान रखें कि आप किस कंपनी से इश्योरेंस पॉलिसी ले रहे हैं। कंपनी पर रिसर्च करके उसका चुनाव करें। उस कंपनी से बीमा करवाएं, जिसका पुराना रिकॉर्ड अच्छा रहा हो। इसके साथ ही यह भी तय करें कि आप किस प्रकार का इंश्योरेंस करवाना चाहते हैं। उस बीमा पॉलिसी से जुड़ी हर एक प्रकार की जानकारी के बारे में कंपनी से बात करें।

कवर राशि का रखें ध्यान

अक्सर हम भविष्य की सुरक्षा और सेफ्टी के लिए बीमा करवाते हैं। ऐसे में आप इसे खरीदते समय यह ध्यान रखें कि वह प्लान आपकी जरूरतों को पूरा करता है या नहीं। कई बार या तो बहुत कम राशि वाला बीमाकरवाते या फिर बहुत ज्यादा वाला। लेकिन इसे करवाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कितने का बीमा करवाएंगे तो आपको फायदा होगा। अपने बजट को देखते हुए प्लान को चुनें।

उम्र का रखें खास ख्याल

बीमा करवाते समय यह भी मायने रखता है कि आप किस उम्र से बीमा करवा रहे हैं। वैसे आमतौर पर 80-85 साल तक का बीमा प्लान मौजूद होता है। हालांकि उस वक्त तक बीमा की जरूरत नहीं होती है। ऐसे में आप एक सही उम्र तक के लिए बीमा करवाएं।

ये सवाल, जो आप किसी भी कंपनी से पूछ सकते हैं -

- क्या पॉलिसी में कोई छूट उपलब्ध है?
- क्या पॉलिसी में कोई अलग से फायदा है?
- क्या पॉलिसी को ऑनलाइन या किसी एजेंट के माध्यम से खरीदा जा सकता है?
- एक ही पॉलिसी के लिए अलग-अलग कंपनियों के बीच प्रीमियम में काफी अंतर हो सकता है, इसलिए अंतर के बारे में जरूर जान लें।
- आपको किस प्रकार का पॉलिसी कवरेज चाहिए? आप कितना भुगतान करने को तैयार हैं? बजट के अनुसार आप इंश्योरेंस खरीद सकते हैं।
- इंश्योरेंस कंपनी से बात करते समय, आपके सभी सवालों के जवाब देने के लिए एजेंट को समय निकालने के लिए कह सकते हैं। यह आपको इंश्योरेंस पॉलिसी को समझने और सही निर्णय लेने में मदद कर सकता है। इंश्योरेंस लेने से पहले कंपनी से ये सवाल पूछने पर नुकसान होने का खतरा कम हो सकता है, इस मामले पर एक्सपर्ट क्या कहते हैं?

इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदते समय इन सवालों के जवाब जरूर लें

- आपको यह तय करना होगा कि आप किस प्रकार की इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदना चाहते हैं, जैसे कि जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, गाड़ी बीमा या किसी अन्य प्रकार की इंश्योरेंस।
- आपको यह भी तय करना होगा कि आपको कितना कवर चाहिए, अर्थात आपको कितनी इंश्योरेंस राशि की आवश्यकता है।
- आपको पॉलिसी की प्रीमियम की जानकारी होनी चाहिए, जिससे आपको पॉलिसी की कीमत और भुगतान की तारीख का पता चल सके।
- आपकी खास जरूरतों के आधार पर बनाई गई पॉलिसी की जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि क्या आपको मेडिकल कवर चाहिए, किस प्रकार की गाड़ी बीमा आवश्यक है, आदि।
- पॉलिसी के रिव्यू प्रोसेस के बारे में जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि पॉलिसी को कितने साल के लिए खरीदा गया है और क्या आपको नियमित अंतरालों में प्रीमियम भुगतान करना होगा।
- आपको यह देखना होगा कि आपकी इंश्योरेंस कंपनी विश्वासी है और उसका प्रिडिक्टिव रिटर्निंग क्या है।
- आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि क्लेम प्रक्रिया क्या है और कैसे क्लेम दर्ज किया जाता है।
- आपको यह देखना होगा कि पॉलिसी में छुट्टियों की विशेष शर्तें क्या हैं और कैसे वे कार्य करती हैं।
- आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि आप स्वयं से पॉलिसी को कैसे रद्द कर सकते हैं।

इंश्योरेंस लेने से पहले कंपनी से जरूर पूछें ये सवाल वर्ना होगा नुकसान

इंश्योरेंस एक बेहतर वित्तीय निर्णय हो सकता है। अपने विकल्पों को समझने और सही पॉलिसी चुनने के लिए आप इन तरीकों का पालन कर सकते हैं।

इंश्योरेंस आपको वित्तीय तौर पर सुरक्षित महसूस करने में मदद कर सकता है। अगर आपके साथ कोई दुर्घटना या आपदा होती है, तो इंश्योरेंस कंपनी आपको मुआवजा दे सकती है। इससे आपको अपने खर्चों को कवर करने और आपको फिर से काम शुरू करने में मदद मिल सकती है। क्योंकि, इंश्योरेंस आपको अपने परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकता है। अगर आपके साथ किसी तरह का हादसा हो जाता है, तो आपका जीवन बीमा आपके परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान कर सकता है। इससे उन्हें अपने जीवन को सुगम बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

कुछ प्रकार के इंश्योरेंस आपको टैक्स में लाभ दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप अपने जीवन बीमा प्रीमियम पर टैक्स के छूट का दावा कर सकते हैं। वहीं कुछ ऐसे प्रकार के इंश्योरेंस में अन्य लाभ भी शामिल हो सकते हैं, जैसे कि चिकित्सा बीमा में शामिल यात्रा चिकित्सा सहायता। इंश्योरेंस एक बेहतर वित्तीय निर्णय हो सकता है। अपने विकल्पों को समझने और सही पॉलिसी चुनने के लिए आप इन तरीकों का पालन कर सकते हैं।

पटियाला सूट के साथ इन इयररिंग्स को करें वियर, लगेंगी खूबसूरत

अगर आप पटियाला सूट पहन रही हैं और इसके साथ स्टाइल करने के लिए इयररिंग्स सर्च कर रही हैं तो ये डिजाइन आपको पसंद आ सकते हैं।

कई लड़कियां होती हैं जिन्हें अलग - अलग तरीके के सूट पहनने पसंद होते हैं। पटियाला सूट लड़कियों को पहनना काफी पसंद होता है। इसमें वो कई तरह के डिजाइन को ट्राई करती हैं। इसमे भी आजकल अलग-अलग तरह के डिजाइन देखने को मिलते हैं। जिन्हें हर कोई अपने तरीके से स्टाइल करता है। लेकिन लुक तब परफेक्ट बनता है आप इयररिंग्स को स्टाइल करती हैं। इसके लिए अलग-अलग डिजाइन वाले इयररिंग्स को ट्राई कर सकती हैं। जिसके डिजाइन ऑप्शन हम आपको बताएंगे ताकि आपका लुक परफेक्ट लगे।

झुमकियां

अगर आपको कुछ सिंपल और सोबर पहनने का मन है तो इसके लिए आप झुमकिया ट्राई कर सकती हैं। इन्हें आप पटियाला सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आप डोम स्टाइल झुमकियां भी ट्राई कर सकती हैं, साथ ही चेन स्टाइल झुमकियां भी आप ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की झुमकियां पहनने के बाद आपका लुक बिल्कुल ट्रेडिशनल लगेगा। इसके कलर और डिजाइन आपको मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएंगे।

चांद बालियां

कई सारी महिलाएं होती हैं जो ट्रेडिशनल लुक को काफी पसंद करती हैं। इसलिए वो सूट के साथ भी एंटीक या फिर ट्रेडिशनल ज्वेलरी पहनना पसंद करती हैं। अगर आपको भी पसंद है इस तरह की ज्वेलरी तो इस बार पटियाला सूट के साथ चांद बालियों को ट्राई करें इस तरह के इयररिंग्स डिजाइन काफी खूबसूरत लगते हैं साथ ही स्टाइल करने के बाद आपके लुक में चार चांद लगा देते हैं। इसमें आप गोल्ड, सिल्वर और स्टोन वर्क चांद वाली ट्राई कर सकती हैं।

हूप्स इयररिंग्स

अगर आपको सिंपल हूप्स पहनना पसंद है तो इसके लिए आप झुमकी के साथ हूप्स इयररिंग्स डिजाइन को स्टाइल कर सकतीहैं। इस तरह के इयररिंग्स के डिजाइन आपको ऑनलाइन और मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं। इनकी खास बात ये होती है कि अगर आपका पटियाला सूट हैवी है तो इस तरीके के इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं ये दिखने में और पहनने में सिंपल होते हैं और अच्छे लगते हैं।

स्टड इयररिंग्स

अगर आपको टॉप्स स्टाइल में इयररिंग्स पहनने पसंद है तो इस तरह के स्टड डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। ये दिखने में सिंपल होते हैं साथ ही पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। पटियाला सूट के साथ भी आप इन्हें स्टाइल कर सकती हैं। डिजाइन और कलर पैटर्न आपको ऑनलाइन और मार्केट में मिल जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

ईरान का दावा- ट्रम्प को युद्ध के लिए उकसाया गया: इरानी विदेश मंत्री

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाया गया। उनका दावा है कि अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मिलकर साजिश की।

अराघची के मुताबिक ग्राहम हाल के हफ्तों में कई बार इजराइल गए और वहां की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात की। इन बैठकों में ईरान से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। अराघची का कहना है कि ग्राहम ने कहा था कि उन्हें इजराइल से ऐसी खुफिया जानकारी मिलती है जो कभी-कभी अमेरिकी सरकार भी शेयर नहीं करती। इसी जानकारी के आधार पर ट्रम्प को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजी किया गया।

अराघची ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राहम ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को सलाह दी कि वे ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कदम उठाने के लिए कैसे मना सकते हैं। अराघची ने कहा कि किसी भी देश में ऐसा करना देशद्रोह जैसा माना जाएगा। सऊदी अरब के अल-खर्ज इलाके में रिहायशी परिसर पर मिसाइल गिरने से एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में 12 अन्य बांग्लादेशी घायल हुए हैं।

सऊदी सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक आवासीय परिसर पर मिसाइल गिरने से इससे इमारत को नुकसान पहुंचा और आसपास अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा था कि उसने अल-खर्ज समेत कई स्थानों पर रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। मिसाइल गिरने की घटना इसी इलाके में सामने आई है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत सरकार पहले ही सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

अमेरिका में तूफान से 12 साल के बच्चे समेत 6 लोगों की मौत, कई घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रविवार को तूफान और बवंडर की वजह से 12 साल के बच्चे समेत 6 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका के मिशिगन और ओक्लाहोमा में हुआ।

अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिणी मिशिगन में चार लोगों की मौत हुई। वहीं ओक्लाहोमा में दो लोगों की जान गई। इसके अलावा 12 लोगों के घायल होने की भी खबर है। अधिकारियों ने बताया कि कई घरों और इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

मिशिगन की गवर्नर ग्रेचैन विटमर ने इमरजेंसी घोषित कर दी है और कहा है कि प्रभावित लोगों की मदद के लिए रिसोर्स जुटाए जा रहे हैं। वहीं ओक्लाहोमा के गवर्नर केविन स्टीट ने भी कई जिलों में इमरजेंसी घोषित कर दी है ताकि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य तेजी से किए जा सकें। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी दी है कि ग्रेट प्लेन्स से लेकर टेक्सास तक चीकेंड तक भारी तूफान, आंधी और अचानक बाढ़ का खतरा बना रह सकता है।

ईरान में 175 बच्चों की मौत, स्कूल पर गिरी अमेरिका की टोमाहॉक मिसाइल

तेहरान, एजेंसी। ईरान के मिनाब शहर से एक रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है, जहां मासूम बच्चों की हंसी एक पल में मातम में बदल गई। ईरान के सरकारी मीडिया ने एक नया वीडियो जारी किया है, जिसमें कथित तौर पर एक अमेरिकी क्रूज मिसाइल को एक परिसर पर गिरते हुए दिखाया गया है। इस हमले में एक लड़कियों के स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं और स्टाफ सहित लगभग 175 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना लगभग एक सप्ताह पहले हुई थी। वीडियो, जो केवल सात सेकंड का है, ईरानी समाचार एजेंसी ने प्रकाशित किया। इसमें एक मिसाइल को दीवार से घिरे परिसर के भीतर स्थित एक इमारत से टकराते हुए देखा जा सकता है। माना जा रहा है कि यह इमारत एक स्वास्थ्य क्लिनिक थी, जो पहले एक नौसैनिक अड्डे के परिसर के भीतर स्थित था। वीडियो में यह भी दिखाई देता है कि जिस हिस्से में लड़कियों का स्कूल था, वहां से पहले से ही धुआं उठ रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि क्लिनिक पर हमला स्कूल पर हुए हमले के कुछ समय बाद हुआ होगा। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार इस बमबारी में 165 से 180 लोगों के बीच मौतें हुईं, जिनमें अधिकांश छात्राएँ थीं। हालांकि वीडियो की गुणवत्ता कम होने के कारण इसेमाल किए गए हथियार की सटीक पहचान करना मुश्किल है, लेकिन स्लोबल सिक्योरिटी प्रोफेसर के अनुसार यह मिसाइल अमेरिकी क्रूज मिसाइल जैसी दिखती है। टॉमहॉक मिसाइल फिलहाल केवल अमेरिका के पास ही होने की जानकारी है। हमले के बाद सोमवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष ने कहा कि समुद्र से पहली बार टॉमहॉक मिसाइलें अमेरिकी नौसेना द्वारा दागी गई थीं। हालांकि शनिवार को एयर फ़ोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में इस हमले के लिए ईरान को ही जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि ईरान के हथियार बहुत सटीक नहीं होते और उनके अनुसार यह हमला ईरान की ही कार्रवाई हो सकती है। दूसरी ओर विशेषज्ञ का कहना है कि वीडियो में दिखाई दे रही मिसाइल ईरान में बनी किसी ज्ञात क्रूज मिसाइल डिजाइन से मेल नहीं खाती। समाचार संगठन एनपीआर ने वीडियो की लोकेशन की पुष्टि की है। यह वीडियो परिसर के सामने बन रही एक हाउसिंग कॉलोनी से शूट किया गया प्रतीत होता है। वीडियो में दिखाई देने वाले कई विवरण, जैसे क्लिनिक के प्रवेश द्वार पर लगा बोर्ड, उस परिसर की पहचान से मेल खाते हैं। इस वीडियो की लोकेशन की सबसे पहले पुष्टि ऑनलाइन रिसर्च ग्रुप ने की थी। विशेषज्ञों के अनुसार वीडियो असली प्रतीत होता है। हाल के ईरान संघर्ष के दौरान कई AI-जनित वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, लेकिन उनमें अक्सर भौतिकी की गलतियाँ या स्थान संबंधी असंगतियाँ होती हैं, जो इस वीडियो में नहीं दिखतीं। इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उपग्रह इमेजिंग कंपनी की सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर पहले रिपोर्ट किया था कि इस हमले में केवल स्कूल ही नहीं बल्कि परिसर की कई अन्य इमारतें भी क्षतिग्रस्त हुई थीं। कुल मिलाकर इस परिसर की सात इमारतें प्रभावित हुईं। यह परिसर ईरान के दक्षिण-पूर्वी शहर में स्थित है और पहले यह एक छोटा नौसैनिक अड्डा था। 2010 के एक सैन्य अभ्यास के वीडियो में यहां से ड्रोन उड़ाते हुए भी देखा गया था। हालाँकि बाद के वर्षों में सैटेलाइट तस्वीरों से यहां गतिविधि कम दिखाई दी। कुछ रिपोर्टों के अनुसार यह बेस एक दशक से अधिक समय से निष्क्रिय था, लेकिन इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है। सैटेलाइट तस्वीरों से यह भी पता चलता है कि 2013 से 2016 के बीच स्कूल को इस सैन्य परिसर से अलग करने के लिए एक दीवार बनाई गई थी। 2024 में पास का एयरस्ट्रिप भी हटा दिया गया और उसकी जगह पर हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू किया गया। क्लिनिक को 2023-2024 के बीच घेरकर अलग किया गया और 2025 में खोला गया था। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार इस क्लिनिक का उद्घाटन प्रमुख ने किया था, जिनकी उसी वर्ष बाद में एक इजराइली हमले में मौत हो गई थी।

ईरान को मिला नया सुप्रीम लीडर: अली खामेनेई के बाद बेटे मोजतबा खामेनेई बने देश के सर्वोच्च नेता

तेहरान, एजेंसी। मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया है। उन्होंने अपने पिता अली खामेनेई की जगह ली है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ईरान का अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष जारी है और हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं।

सोमवार को ईरान मतदान के बाद मोजतबा खामेनेई को देश का नया सर्वोच्च नेता चुनने का ऐलान किया। यह परिषद 88 इस्लामी धर्मगुरुओं का एक समूह है, जिसका काम ईरान के सुप्रीम लीडर का चुनाव करना होता है। तेहरान समयानुसार आधी रात के बाद जारी बयान में असेंबली ने कहा कि 'निर्णायक वोटिंग के बाद आयतोल्लाह सैयद मोजतबा होसैनी खामेनेई को इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का तीसरा सर्वोच्च नेता नियुक्त किया जाता है।' सुप्रीम लीडर का पद ईरान में सबसे शक्तिशाली माना जाता है। इस पद पर बैठा व्यक्ति देश की सरकार, सेना और विदेश नीति सहित लगभग सभी बड़े फैसलों पर अंतिम अधिकार रखता है। मोजतबा खामेनेई एक मध्यम स्तर के धर्मगुरु माने जाते हैं, लेकिन ईरान के सुरक्षा तंत्र और अपने पिता से जुड़े बड़े कारोबारी नेटवर्क में उनका प्रभाव काफी मजबूत रहा है। इसी वजह से उन्हें पहले से ही सुप्रीम लीडर पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा था। मोजतबा की नियुक्ति से डोनाल्ड ट्रंप नाराज हो सकते हैं। ट्रंप ने रविवार को कहा था कि वॉशिंगटन को ईरान के नए नेता के चयन में भूमिका मिलनी चाहिए। उन्होंने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा, 'अगर उसे हमारी मंजूरी नहीं मिलेगी, तो वह ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएगा।' वहीं इजराइल ने पहले ही चेतावनी दी थी कि जो भी नया नेता चुना जाएगा, वह उसके निशाने पर हो सकता है। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत एक सप्ताह पहले हुए हमलों में हुई थी। यह हमला अमेरिका और इजराइल द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियान के शुरुआती चरण में हुआ था। इस युद्ध में अब तक भारी नुकसान हो चुका है। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत के मुताबिक, अमेरिकी-इजराइली हमलों में कम से कम 1,332 ईरानी नागरिकों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग घायल हुए हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी सेना ने बताया कि ईरान के जवाबी हमले में घायल हुए सैनिकों में से एक और अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई है। इस तरह अब तक 7 अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ़ ने कहा कि ईरान इस युद्ध में सीजफायर (युद्धविराम) नहीं चाहता और हमलावर देशों को सख्त सजा दी जाएगी।

खामेनेई के बाद आईआरजीसी ले रहा है बड़ा फैसले?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत ने देश की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा संकट पैदा कर दिया है। पिछले 36 सालों से खामेनेई ही ईरान में अंतिम निर्णय लेने वाले शख्स रहे हैं। उनके शासन में मतभेद सार्वजनिक नहीं होते थे, लेकिन अब उनके जाने के बाद सत्ता के भीतर दरारें और उभरते सामने आने लगे हैं। ईरान के संविधान के अनुसार अब एक तीन सदस्यीय अंतरिम परिषद बनाई गई है। इसमें राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, न्यायपालिका प्रमुख मोहसेनी-एजेई और धार्मिक विद्वान अलीरेजा अराफी शामिल हैं। हालांकि, युद्ध के इस कठिन दौर में यह संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह प्रभावी नहीं दिख रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस समय ईरान में नीतिगत निर्णयों से ज्यादा सैन्य ताकत हावी हो रही है। हाल ही में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के एक बयान ने ईरान में खलबली मचा दी। उन्होंने कहा कि अगर पड़ोसी खाड़ी देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ नहीं किया गया, तो ईरान हमला नहीं करेगा। इस नरम रुख से रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स और धार्मिक नेता नाराज हो गए। धार्मिक नेता हामिद रसाई ने राष्ट्रपति के बयान को कमजोर और अस्वीकार्य बताया। दबाव बढ़ने पर राष्ट्रपति को अपना बयान वापस लेना पड़ा। यह घटना साफ दर्शाती है कि ईरान की चुनी हुई सरकार और सैन्य संस्थाओं के बीच तालमेल की कमी है। खामेनेई की गैर-मौजूदगी में अब सुरक्षा और सैन्य रणनीति के अहम फैसले आईआरजीसी ले रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश की सुरक्षा का नियंत्रण अब पूरी तरह सेना के हाथ में है। इस मुश्किल घड़ी में अली लारिजानी, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव, एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरे हैं। वे सेना, सरकार और धार्मिक गुटों के बीच तालमेल बनाए रखने का काम कर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि उनके अनुभव से ईरान बिखरने से बच रहा है। युद्ध के मैदान में मिसाइलें कहां और कब दागी जाएंगी, इसमें अब जनरलों का दबदबा है। ईरान अब नए सुप्रीम लीडर की तलाश में है। उत्तराधिकार की दौड़ में सबसे प्रमुख नाम मोजतबा खामेनेई, अली खामेनेई के बेटे, का है। दूसरा बड़ा नाम वरिष्ठ धार्मिक नेता अलीरेजा अराफी का है, जिनका धार्मिक संस्थानों पर मजबूत प्रभाव माना जाता है। हालांकि, इजरायल ने चेतावनी दी है कि नया नेता उनके निशाने पर होगा।

लेबनान में भारी तबाही, इजराइली हमलों में मारे गए 350 से ज्यादा लोग, मरने वालों में 83 बच्चे भी शामिल

इजरायल, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच हिज्बुल्लाह और इजराइल के बीच जारी संघर्ष में भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री रकन नसरुद्दीन ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि 2 मार्च से अब तक इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 394 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में 83 बच्चे और 42 महिलाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा 1,130 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मंत्री रकन नसरुद्दीन ने बताया कि घायलों में 254 बच्चे और 274 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कई हमले रिहायशी इलाकों और आम नागरिकों की सुविधाओं पर भी हुए हैं, जिससे आम लोगों को भारी नुकसान हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार पिछले 48 घंटों में कई घातक घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन हमलों में कई कस्बों और गांवों को निशाना बनाया गया, जिससे कई लोगों की जान गई और कई घायल हो गए। सबसे दर्दनाक घटना में सामने आई। यहां एक हवाई हमले में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार छोटे बच्चे और उनके माता-पिता शामिल थे। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया।

नेपाल चुनाव में ऐतिहासिक उलटफेर: बालेंद्र शाह की पार्टी ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, पीएम मोदी ने जनता को दी बधाई

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के आम चुनाव में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है।बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है और अब सरकार बनाने की स्थिति में आ गई है। नेपाल के अनुसार प्रत्यक्ष मतदान के तहत 165 सीटों में से आरएसपी 117 सीट जीत चुकी है, जबकि कई अन्य सीटों पर भी आगे चल रही है। चुनाव का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब 35 वर्षीय बालेन शाह ने झापा-5 सीट से चार बार के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोटों के बड़े अंतर से हरा दिया।इस जीत के बाद बालेन शाह के नेपाल का अगला प्रधानमंत्री बनने की संभावना मजबूत हो गई है।

इस चुनाव में नेपाल की पुरानी पार्टियों को बड़ा झटका लगा। कई बड़े नेता भी चुनाव हार गए, जिनमें कई पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि यह परिणाम नेपाल में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और पुरानी राजनीति के खिलाफ जनता की नाराजगी को दिखाता है।विशेष रूप से युवाओं और नए मतदाताओं ने बदलाव के लिए बड़ी भूमिका निभाई। नेपाल में राजनीतिक बदलाव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के सफल आयोजन पर नेपाली जनता को बधाई दी। भारत ने उम्मीद जताई है कि नई सरकार के साथ दोनों देशों के विकासात्मक संबंध और मजबूत होंगे। नेपाल की राजनीति में नया अध्याय पिछले 18 वर्षों में 14 सरकारें देखने वाले नेपाल में यह चुनाव नई राजनीतिक दिशा की शुरुआत माना जा रहा है। यदि बालेन शाह प्रधानमंत्री बनते हैं तो वह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन सकते हैं। और देश में नई पीढ़ी के नेतृत्व का प्रतीक बनेंगे।

पेट्रोल पंप पर चली गोलियां, एक कर्मचारी की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब पाकिस्तान तक पहुंचने लगा है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति को लेकर पैदा हुई चिंताओं के बीच सीलकोट में एक पेट्रोल पंप पर विवाद के बाद गोलीबारी हो गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार को एक पेट्रोल पंप पर हुई। रिपोर्ट के अनुसार लोगों के बीच यह डर फैल गया है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। विशेष रूप से बंद होने की आशंका ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इस वजह से कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। पुलिस के अनुसार एक कार में आए दो लोग पेट्रोल भरवाने के बाद अपने साथ लाए दो डिब्बों में भी पेट्रोल भरवाना चाहते थे। लेकिन पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने सरकारी नियमों का हवाला देते हुए ऐसा करने से इनकार कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। पुलिस के मुताबिक कार सवार लोगों ने पहले कर्मचारियों को धमकी दी और वहां से चले गए। करीब एक घंटे बाद वे हथियारों के साथ वापस आए और पेट्रोल पंप कर्मचारियों पर हमला करते हुए गोलीबारी कर दी। इस हमले में तीन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां 25 वर्षीय मोहम्मद सिबतैन ने दम तोड़ दिया। बाकी दो घायलों की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है।

कनाडा में घास काटने वाली मशीन से बर्फ हटा रहा आदमी

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के शहर बैंपटन से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक शख्स ड्राइववे से बर्फ हटाने के लिए रेगुलर लॉन मूवर का इस्तेमाल कर रहा है। वीडियो में आदमी को ड्राइववे पर बर्फ की पतली परत पर इलेक्ट्रिक या गैस से चलने वाले मूवर को आगे-पीछे करते हुए देखा जा सकता है।

लॉन मूवर से बर्फ हटा रहा शख्स: वीडियो में आदमी लॉन मूवर से लगातार बर्फ हटाने की कोशिश करता दिख रहा है। मूवर के ब्लेड घूमते हैं लेकिन ज्यादातर गीली बर्फ को हटाने के बजाय बिखेर देते हैं। आदमी की कुछ देर की मशक्कत के बाद बर्फ कुछ हद तक हट भी जाती है। सोशल मीडिया पर लोग इस वीडियो को काफी लाइक कर रहे हैं। इस वीडियो को जर्नलिस्ट क्रिस ब्लनेट ने शेयर किया है। क्रिस ब्लनेट ने पोस्ट में लिखा, बैंपटन के एक आदमी का लॉनमूवर से अपने ड्राइववे से बर्फ हटाने का यह वीडियो कैनेडियन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लॉन मूवर का इस्तेमाल

लॉन मूवर का इस्तेमाल मुख्य रूप से लॉन, पार्क और खेल के मैदानों के लिए घास को एक जैसी, अच्छी ऊंचाई तक काटने के लिए किया जाता है, जिससे घास ज्यादा हेल्दी और घनी होती है। लॉन मूवर का इस्तेमाल बेसिक कटिंग के अलावा खरपतवार को कंट्रोल करने, पत्तियों को मल्च करने और ज्यादा उगी हुई जगहों को मैनेज करने के लिए भी किया जाता है।

भारत ने इतिहास बदलकर नया अध्याय लिखा

टीम इंडिया तीसरी बार टी20 चैंपियन, न्यूजीलैंड को 96 रन से दी शिकस्त

● एक टी-20 वर्ल्डकप में 100+ सिक्स लगाए, संजू ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा ● लगातार 2 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, पहली बार होम टीम ने टाइटल जीता

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। भारत ने इतिहास बदलकर नया अध्याय लिख दिया है। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 5 विकेट पर 255 रन बनाए, न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। साथ ही टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी, जबकि संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में एक एडिशन में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

3 इतिहास बदले

● **पहला-** पहली बार किसी होम टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इससे पहले कोई मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में चैंपियन नहीं बनी।

● **दूसरा-** पहली बार किसी टीम ने लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप जीते। इससे पहले कोई भी टीम अपना टाइटल डिफेंड नहीं कर सकी थी।

● **तीसरा-** पहली बार किसी टीम ने तीन बार टी-20 वर्ल्ड कप जीते। किसी अन्य टीम ने इस टूर्नामेंट के 3 टाइटल नहीं जीते हैं।

2024 का कारनामा 2026 में दोहराया

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। टीम ने बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को 7 रन के अंतर से हराया। आज टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का कारनामा 2026 में भी दोहरा दिया।

सूर्यकुमार यादव ने किया माटी का तिलक

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच पर घुटनों के बल बैठकर, मुट्ठी भर मिट्टी को अपने माथे से लगाते सूर्यकुमार यादव की तस्वीर ने करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया है। न्यूजीलैंड को 96 रनों से धूल चटाने के तुरंत बाद कप्तान सूर्या भावुक हो गए और उन्होंने उस मिट्टी को नमन किया जिसने भारत को ट्रिपल कराउन दिलाया। भारत अब दुनिया की पहली ऐसी टीम बन गई है जिसने लगातार दो बार (2024 और 2026) टी20 वर्ल्ड कप जीता है।

यूं पालथी मारकर बैठ गए, विश्व विजेता बनने पर रोहित शर्मा ने खाई थी घास

जब रोहित ने खाई थी पिच की घास

सूर्यकुमार यादव का यह मिट्टी को चूमने वाला अंदाज फैंस को साल 2024 की याद दिला गया, जब बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत चैंपियन बना था। उस वक्त टीम के कप्तान रोहित शर्मा जीत के बाद इतने भावुक हो गए थे कि उन्होंने पिच पर जाकर वहां की घास का एक टुकड़ा उखाड़कर खाया था। रोहित ने बाद में बताया था कि वह उस मैदान और उस पिच को हमेशा के लिए अपने अंदर बसा लेना चाहते थे जिसने भारत का 11 साल का सूखा खत्म किया था। सूर्या ने भी आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अपनी कर्मभूमि और माटी के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

शिवम दुबे जीत की गारंटी, ऐसा अद्भुत रिकॉर्ड किसी का नहीं, यूं ही नहीं कहते हैं भारत का साइलेंट हीरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हराकर लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। हालांकि दुबे पिछले कुछ सालों से टी20 फॉर्मेट में भारत के अहम प्लेयर बन गए हैं। वह टीम इंडिया की जीत की गारंटी बन गए हैं। दुबे के रहते भारत न के बराबर हारा है।

अद्भुत रिकॉर्ड

भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे के नाम एक अद्भुत रिकॉर्ड है, जो पिछले साल ही टूटा था। 2019 से लेकर 2025 1 नवंबर तक शिवम दुबे के प्लेइंग 11 में रहते हुए टीम इंडिया ने जो टी20 मुकाबला खेला है, वो कभी नहीं हारा। ऑस्ट्रेलिया में जाकर यह स्ट्रीक टूटी। शिवम दुबे ने लगातार 37 मुकाबले जीते थे। वह अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए न के बराबर मुकाबले हारे हैं।

● **बल्ले और गेंद दोनों से मचाते हैं तबाही -** 32 साल के शिवम दुबे ने भारत के लिए 2019 में डेब्यू किया था। उसके बाद से उन्होंने 64 टी20 मुकाबले खेले हैं और 154.1 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 991 रन बनाए। दुबे के नाम टी20 इंटरनेशनल में 31 विकेट हैं। दुबे ने टीम इंडिया के लिए 4 वनडे भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने 43 रन बनाए और 1 विकेट लिया।

● **टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी किया कमाल -** टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शिवम दुबे की पारियां काफी इम्पेक्टफुल रहीं। उन्होंने मुश्किल समय में आकर भारतीय टीम के लिए अहम पारियां खेलीं। दुबे ने इस विश्व कप में 8 मैच खेले और 235 रन बनाए। दुबे ने एक अर्धशतक भी ठोका था। इसके अलावा उन्होंने 5 विकेट भी लिए। 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में भी शिवम ने बल्ले से अहम भूमिका निभाई थी। अब दुबे लगातार दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। वह आने वाले कुछ साल भी टीम इंडिया के लिए टी20 फॉर्मेट में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

अभिषेक शर्मा ने उधार के बल्ले से खेली थी विश्वकप की आतिशी पारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल से पहले तक अभिषेक शर्मा एक ऐसे खिलाड़ी नजर आ रहे थे जो अपनी लय ढूंढने के लिए संघर्ष कर रहे थे। टूर्नामेंट में लगातार तीन डक और उसके बाद कुछ शांत पारियों ने उन पर सवालों का पहाड़ खड़ा कर दिया था। लेकिन रविवार की रात नरेंद्र मोदी स्टेडियम में करीब एक लाख दर्शकों के सामने इस युवा खब्बू बल्लेबाज ने इतिहास ही पलट दिया।

फाइनल में अभिषेक की तगड़ी पारी

भारत ने अपने इस युवा सितारे पर भरोसा बनाए रखा और अभिषेक ने इस भरोसे का मान रखते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में मात्र 21 गेंदों पर 52 रनों की तूफानी पारी खेली। उन्होंने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल थे। संजू सैमसन के साथ मिलकर उन्होंने पावरप्ले में 96 रन जोड़े जो टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है।

शिवम दुबे के बल्ले का कमाल

इस पारी के पीछे एक दिलचस्प राज यह रहा कि जिस बल्ले से अभिषेक ने कीवियों की धज्जियां उड़ाईं वह उनका था ही नहीं। मैच के बाद अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि उन्होंने फाइनल की सुबह ही शिवम दुबे का बल्ला मांग लिया था। अभिषेक ने मैच के बाद कहा, आज मैं शिवम दुबे के बल्ले से खेला इसलिए दुबे को बहुत-बहुत शुक्रिया। सुबह मुझे लगा कि कुछ अलग ट्राई करना चाहिए। शुभमन आसपास नहीं थे, इसलिए मैं दुबे के पास गया और उनका बल्ला उठा लिया।

इतिहास के पन्नों में दर्ज हुई पारी

अभिषेक का 18 गेंदों में जड़ा गया यह अर्धशतक वर्ल्ड कप इतिहास का तीसरा सबसे तेज पचासा बन गया है। इस सूची में अब वह केवल युवराज सिंह (12 गेंद) और मार्कस स्टोइनिस (17 गेंद) से पीछे हैं। पिछले एक महीने से खराब फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक ने अपनी मानसिक स्थिति पर बात करते हुए टीम के माहौल को इस सफलता का श्रेय दिया। अभिषेक ने कहा, मैं पिछले एक महीने से इस दौर से गुजर रहा था जबकि पिछला टेढ़ साल मेरे लिए किसी सपने जैसा रहा था। ऐसी स्थिति में एक चीज बहुत मायने रखती है- आपका साथ। अगर आपके आस-पास के लोग आपको बेहतर बनाना चाहते हैं तो इससे बहुत फर्क पड़ता है। जब मैं बल्ले से योगदान नहीं दे पा रहा था तब भी टीम के हर सदस्य को मुझ पर भरोसा था।

आपकी मुस्कान अच्छी लगती है, भारत की खिताबी जीत के बाद गंभीर से बोले धोनी

गंभीर का जवाब, बोले- आपको देखकर अच्छा लगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्वकप जीतने के बाद भारतीय फैंस खुश हैं। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल को देखने के लिए भारतीय क्रिकेट के कई दिग्गज मौजूद थे, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की हुई। जीत के बाद धोनी ने कोच गौतम गंभीर को लेकर पोस्ट किया था, जिसपर गंभीर ने अब कमेंट किया है। उन्होंने पोस्ट पर ही रिप्लाई करते हुए धोनी की नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूदगी की सराहना की है।

'कोच साहब' को खास अंदाज में दी बधाई

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, जो लंबे समय से सोशल मीडिया पर बेहद कम सक्रिय रहे हैं। हालांकि, 86 हफ्ते बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर टीम को बधाई दी। धोनी फाइनल के दौरान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वीवीआईपी बॉक्स में रोहित शर्मा और जय शाह के साथ मौजूद थे। धोनी ने अपने पोस्ट में गौतम गंभीर का जिक्र करते हुए बेहद दिलचस्प टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, कोच साहब, मुस्कान आप पर बहुत अच्छी लगती है। मुस्कान के साथ आपकी तीव्रता घातक कॉम्बिनेशन है, बहुत बढ़िया।

धोनी को गंभीर का जवाब - धोनी के पोस्ट पर अब कोच गंभीर ने रिप्लाई किया है। उन्होंने कमेंट बॉक्स में मुस्कान वाली बात पर लिखा- और क्या शानदार वजह है इस मुस्कान के लिए। आपको देखकर अच्छा लगा।

माही ने बुमराह की गेंदबाजी पर भी की खास टिप्पणी - धोनी ने अपने पोस्ट में टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी जिक्र किया। हालांकि उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि उनके बारे में ज्यादा कुछ कहना जरूरी नहीं है। धोनी ने लिखा, बुमराह के बारे में कुछ न लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज। दरअसल, फाइनल मुकाबले में बुमराह ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को पूरी तरह परेशान कर दिया था। उन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख पूरी तरह भारत के पक्ष में कर दिया।

टी20 वर्ल्डकप जीत के बाद भावुक हुए गौतम गंभीर

बोले- मुश्किल वक्त में सिर्फ उन्होंने किया फोन

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपने कार्यकाल के सबसे कठिन दौर को याद किया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली ऐतिहासिक हार उनके कोचिंग करियर के सबसे निचले पल थे।गंभीर ने इस मुश्किल दौर में समर्थन देने के लिए आईसीसी चेयरमैन और पूर्व बीसीसीआई सचिव जय शाह का खास तौर पर धन्यवाद किया।

राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण को दिया जीत का श्रेय - गंभीर ने टी20 वर्ल्ड कप की इस जीत का श्रेय भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और नेशनल क्रिकेट एकेडमी (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को भी दिया। उन्होंने कहा कि राहुल द्रविड़ ने अपने कार्यकाल में भारतीय क्रिकेट को बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वहीं वीवीएस लक्ष्मण लंबे समय से पर्दे के पीछे रहकर भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा काम कर रहे हैं। गंभीर के मुताबिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भारतीय क्रिकेट के लिए खिलाड़ियों की सबसे बड़ी पाइपलाइन है और इसका योगदान बेहद अहम है।

अजीत अगरकर की ईमानदारी की भी की तारीफ - गंभीर ने चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अगरकर को कई बार आलोचना झेलनी पड़ती है, लेकिन वह चयन प्रक्रिया में पूरी ईमानदारी के साथ काम करते हैं।

आईपीएल 2026 का 28 मार्च से शुरू होगा 19वां सीजन, चुनावों के कारण शेड्यूल बदला

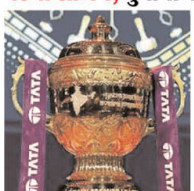

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। टूर्नामेंट का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू होगा, जिसकी पुष्टि आधिकारिक ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स ने कर दी है। हालांकि अभी तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूरे टूर्नामेंट का विस्तृत शेड्यूल जारी नहीं किया है। बताया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों के कारण शेड्यूल घोषित होने में देरी हो रही है।

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले हुआ ऐलान - आईपीएल 2026 की शुरुआत की तारीख का ऐलान उस समय किया गया जब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा था। इस घोषणा के बाद फैंस में आईपीएल के नए सीजन को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है।

ओपनिंग मैच में मैदान पर उतरेगी आरसीबी - आईपीएल की परंपरा के मुताबिक टूर्नामेंट के पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन टीम मैदान पर उतरती है। ऐसे में आईपीएल 2026 के ओपनिंग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खेलने की उम्मीद है। आरसीबी ने पिछले सीजन में पंजाब किंग्स को हराकर 18 साल का खिताबी सूखा खत्म किया था। ऐसे में टीम अपने होम ग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खिताब बचाने की शुरुआत कर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ओपनिंग मैच में ऋषभ का सामना 2025 की रनर-अप टीम पंजाब किंग्स से हो सकता है।

स्विस ओपन नहीं खेलेगी सिंधु

भारतीय चुनौती का दारोमदार श्रीकांत और प्रणय पर

बासेल (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं हैं लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर इनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधु तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने पीटीआई से कहा, वह स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा। भारत लौटने के बाद सिंधु ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिए ही वापसी करेंगी।

पुरुष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरुण मनेपल्ली की टक्कर जापान के वेंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे।

पुरुष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना सिंगापुर के एंग कीट वेसले को और जुंसुके कुबो से होगा। हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपै के चेन झि रे और लिन यू चियेह से खेलेंगे। महिला एकल में उन्ति हुड्डा का सामना चीनी ताइपै की चियू पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी।